@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 3 अप्रैल 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 148 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संक्षिप्त समाचार

ममता बनर्जी ने मालदा हिंसा को लेकर अमित शाह पर लगाया साजिश रचने का आरोप

एजेंसी
कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान तृणमूल कांग्रेस प्रमुख मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को मुर्शिदाबाद जिले के सूती में आयोजित जनसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा निशाना साधा। उन्होंने मालदा में हिंसा को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर साजिश का खाका तैयार करने का आरोप लगाया और मतदाताओं से शांति बनाए रखने की अपील की। तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार इमानी विश्वास के समर्थन में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए ताकत का इस्तेमाल करना चाहती है, लेकिन राज्य की जनता ऐसा नहीं होने देगी। उन्होंने लोगों से किसी भी प्रकार की हिंसा या उकसावे में नहीं आने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह किसी भी तरह की अशांति का समर्थन नहीं करतीं और राज्य में शांति बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने मालदा की हालिया घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि हिंसा के लिए उनकी पार्टी जिम्मेदार नहीं है और इसके पीछे राजनीतिक साजिश हो सकती है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा और केंद्र सरकार लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

पेट्रोलियम पदार्थों को लेकर राहुल गांधी जनता में फैला रहे भ्रम: गिरिराज सिंह

•ममता बनर्जी पर भी तंज कसा।

एजेंसी
पटना। पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर सीमा शुल्क में छूट पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी पर निशाना साधा। इसके अलावा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर ममता बनर्जी पर तंज कसा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बातचीत में कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी की सोच में अंतर है। हिमाचल प्रदेश में राहुल गांधी के नेतृत्व में सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दीं जबकि पूरी दुनिया में पेट्रोलियम पदार्थों में 20 से 30 फीसदी कीमतें बढ़ने के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत में सामान्य डीजल-पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोत्तरी नहीं हुई है। इसके अलावा पहले से लागू उत्पाद शुल्क को घटाकर शून्य कर दिया गया है।' उन्होंने कहा, 'जब तक सांस, तब तक आस-यानी जनता के हित के लिए प्रधानमंत्री लगातार प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका कहता है कि हमारे पास पेट्रोल-डीजल है, उसने भी कीमत बढ़ा दी है। दुनिया के हर देश ने पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ा दिए हैं। वहीं, राहुल गांधी देश की जनता के बीच भ्रम फैला रहे हैं, जो देश हित में नहीं है। राहुल गांधी लोगों का ध्यान भटकाना चाहते हैं।' केंद्रीय मंत्री ने ममता बनर्जी को विकास और बेरोजगारी पर घेरा। उन्होंने कहा, '15 साल से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनर्जी अभी तक यह नहीं बता पा रही हैं कि कितने बेरोजगारों को रोजगार दिया, कितनी लोगों की गरीबी हटाई और कितने लोगों को घर दिया।

त्रिशूर चुनाव पर विवाद: केंद्रीय मंत्री गोपी की याचिका खारिज

•केरल हाईकोर्ट ने कहा- मुकदमे का सामना करना होगा

एजेंसी
गुवाहाटी। केरल हाई कोर्ट ने बुधवार को केंद्रीय राज्य मंत्री सुरेश गोपी को एक बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने उनके चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका के खिलाफ दायर उनकी अर्जी को खारिज कर दिया। जस्टिस कौसर एडप्पागथ ने यह फैसला सुनाया। अब सुरेश गोपी को इस मामले में कोर्ट में ट्रायल का सामना करना पड़ेगा। त्रिशूर के रहने वाले और एआईवाईएफ नेता बिनॉय एएस ने सुरेश गोपी के खिलाफ यह चुनावी याचिका दायर की थी। बिनॉय ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि सुरेश गोपी ने 2024 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान गलत तरीके अपनाए। याचिका के अनुसार, उन्होंने चुनाव जीतने के लिए धार्मिक प्रतीकों का गलत इस्तेमाल किया। सुरेश गोपी वर्तमान में पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और पर्यटन मंत्रालय में राज्य मंत्री हैं। उन्होंने 2024 के चुनाव में केरल की त्रिशूर लोकसभा सीट से ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। इस जीत के साथ ही उन्होंने केरल में बीजेपी का दशकों पुराना इंतजार खत्म किया। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को 74,686 वोटों के बड़े अंतर से हराया था।

गुजरात में 'आप' की लोकप्रियता से घबराई भाजपा सरकार: केजरीवाल

•कार्यकर्ताओं को कर रही गिरफ्तार: केजरीवाल

एजेंसी
नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को पत्र लिखकर मिलने के लिए समय मांगा है। इसके साथ ही गुजरात सरकार पर बड़ी संख्या में आप कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को लिखे पत्र में अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि गुजरात में पंचायत और नगर पालिका चुनावों के पहले अवैध रूप से बहुत बड़े स्तर पर हमारे कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है। 160 से अधिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जा चुका है और अभी दस हजार से ज्यादा को गिरफ्तार करने की योजना है। 'आप' की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा बुरी तरह से बौखलाई हुई है। इस तरह की गिरफ्तारियों और गुंडागर्दी को गुजरात के लोग पसंद नहीं करते, वे इसका जवाब जरूर देंगे। पत्र में लिखा है, 'पिछले 30 साल से गुजरात में भाजपा की सरकार है। भाजपा के भ्रष्टाचार, अत्याचार और दमन के कुशासन से जनता बहुत परेशान हो चुकी है। भाजपा गुजरात में कांग्रेस के साथ मिलीभगत से पिछले 30 साल से सरकार चला रही है। आम आदमी पार्टी के रूप में लोगों को पहली बार एक मजबूत विकल्प मिला है। लोग जानते हैं कि आम आदमी पार्टी एक निडर, ईमानदार, देशभक्त और पढ़े-लिखे लोगों की पार्टी है। आम आदमी पार्टी भाजपा से कभी समझौता नहीं करेगी। इसी कारण पिछले कुछ सालों में गुजरात में आम आदमी पार्टी की लोकप्रियता बहुत तेजी से बढ़ रही है। पूरे गुजरात में अब यह आम चर्चा का विषय है कि भाजपा जा रही है, आम आदमी पार्टी की सरकार आ रही है।

•बंगाल के मामले पर सीजेआई सख्त, पूछा-

'मालदा के डीएम-एसपी क्यों नहीं गए, ये अदालत को चुनौती जैसा'

एजेंसी
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया में तैनात न्यायिक अधिकारियों के साथ हुई हिंसा और डराने-धमकाने की घटनाओं पर गंभीर रुख अपनाया है। इस मामले पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने स्वतः संज्ञान लेते हुए सख्त टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल के डीएम और पुलिस अधीक्षक (एसपी) के रवैये पर भी सख्त टिप्पणी की। सीजेआई सूर्यकांत ने पूछा कि दोनों अधिकारी मौके पर क्यों नहीं पहुंचे। सात न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाकर रखे जाने का ये मामला बेहद गंभीर है।

बंगाल सरकार को भी लगाई फटकार- उन्होंने कहा कि ये मामला अदालत को चुनौती देने जैसा है। कोर्ट ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार को भी फटकार लगाई। सीजेआई ने कहा कि मालदा में हुई हिंसा की घटना न्यायपालिका पर दबाव बनाने के साथ-साथ कानून-व्यवस्था को भी चुनौती देने की तरह है। कोर्ट ने न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाए जाने के मामले में सरकार के रवैये को लचर बताया और कहा कि इस मामले में तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की गई। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस घटना को न्याय प्रशासन में बाधा डालने की सुनियोजित और दुस्साहसी कोशिश करार दिया। कोर्ट ने कहा कि सात न्यायिक अधिकारियों, जिनमें तीन महिला अधिकारी भी शामिल हैं, को घंटों तक बिना सुरक्षा, भोजन और पानी के छोड़ दिया गया, जबकि राज्य प्रशासन को पहले से सूचना दी गई थी।

बंगाल के वरिष्ठ अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

अदालत ने इस मामले में राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों- मुख्य सचिव, गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने उनके रवैये को बेहद निंदनीय बताते हुए पूछा है कि समय रहते प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए गए। मामले की अगली सुनवाई में संबंधित अधिकारियों की वर्चुअल उपस्थिति अनिवार्य की गई है और उनसे अनुपालन रिपोर्ट भी मांगी गई है।

मालदा में विरोध-प्रदर्शन जारी, ईसी के अफसरों पर आरोप- वैध कागज पर भी काट रहे नाम

मालदा। पश्चिम बंगाल के मालदा में गुरुवार सुबह से एक नया विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। इस बार पुराने मालदा ब्लॉक के मंगलबाड़ी इलाके में। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वैध दस्तावेज होने के बावजूद उनके कई नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। गुरुवार को रात में कुछ घंटों के लिए खोले जाने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 12 को फिर से अवरुद्ध कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने टायरों में आग लगा दी और सड़क को बांस से अवरुद्ध कर दिया। स्थिति पर नजर रखने के लिए मालदा पुलिस स्टेशन की पुलिस टीमों और सीएपीएफ के जवानों को नाकाबंदी स्थल पर तैनात किया गया है।

'भारत की पश्चिम एशिया के हालात पर नजर'

•हर स्थिति से निपटने को तैयार: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

एजेंसी
नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को पश्चिम एशिया के हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि आज हम सब एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहे हैं। आज हम देख रहे हैं कि पश्चिम एशिया में बड़ा संघर्ष चल रहा है। केरल के बहुत सारे लोग इन देशों में रहते और काम करते हैं, मगर उन्हें चिंता नहीं करनी है। कुछ लोग इस मौके पर कई तरह का झूठ फैला कर घबड़ाहट फैलाना चाहते हैं, जबकि भारत इस किसी भी ऊर्जा संकट से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में 'सैनिक सम्मान सम्मेलन' को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार हर परिस्थिति में निपटने में सक्षम और तैयार है। यह समय पूरे देश के एकजुट होने का है। संकट के समय में भाजपा ने हमेशा देश का साथ दिया है। यह समय दलगत राजनीति करने का नहीं, बल्कि सभी राजनीतिक दलों को एकसाथ आने का है। राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी रोज अपने कूटनीतिक कौशल का प्रयोग करते हुए भारतीय हितों की रक्षा कर रहे हैं, जबकि विपक्ष इस संकट के समय देश के साथ खड़े होने के बजाय तुच्छ राजनीति करने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि वैसे तो हमारा केरल भारत के सबसे सुरक्षित राज्यों में से एक है। यहां के लोगों के अंदर राष्ट्र रक्षा का भाव इतना अधिक है कि केरल के लोग सिर्फ नौसेना ही नहीं, बल्कि सेना और वायु सेना में भी बड़ी संख्या में कार्य करते हैं। आज भारत जहाज निर्माण में दुनिया की किसी भी बड़ी शक्ति से कम नहीं है। इसी केरल में मौजूद कोचीन शिपयार्ड में भारत का सबसे पहला स्वदेश विकसित एयरक्राफ्ट कैरियर बन कर तैयार हुआ।

•मौजूदा समय में भारत जहाज निर्माण के क्षेत्र में दुनिया की किसी भी बड़ी शक्ति से कम नहीं

'विकसित भारत' के लक्ष्य के लिए पब्लिक सर्विस का निरंतर अपडेट जरूरी: प्रधानमंत्री

•21वीं सदी में वैश्विक व्यवस्थाएं तेजी से बदल रही हैं और भारत भी उसी गति से आगे बढ़ रहा है : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को 'कर्मयोगी साधना सप्ताह' के अवसर पर कहा कि तेजी से बदलती दुनिया के साथ कदम मिलाने के लिए देश की पब्लिक सर्विस को लगातार अपडेट करना अनिवार्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम, संवेदनशील और आधुनिक प्रशासनिक तंत्र की अहम भूमिका होगी।

प्रधानमंत्री ने वीडियो संदेश के माध्यम से अपने संबोधन में कहा कि 21वीं सदी में वैश्विक व्यवस्थाएं तेजी से बदल रही हैं और भारत भी उसी गति से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में प्रशासनिक तंत्र को समयानुकूल बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कर्मयोगी साधना सप्ताह इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो सरकारी कर्मचारियों की क्षमता और कार्यशैली को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि वर्तमान शासन व्यवस्था का मूल मंत्र 'नागरिक देवो भव' है, जिसका अर्थ है कि नागरिक सर्वोपरि हैं। इस सोच के साथ सरकार सार्वजनिक सेवाओं को अधिक सक्षम और नागरिकों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का भारत एक आकांक्षी समाज है, जहां हर नागरिक के अपने सपने और लक्ष्य हैं। इन सपनों को साकार करने के लिए सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वे हर संभव सहायता प्रदान करें। उन्होंने कहा कि गवर्नेंस की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि नागरिकों की 'ईज ऑफ लिविंग' और 'क्वालिटी ऑफ लाइफ' में लगातार सुधार हो। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे प्रतिदिन कुछ नया सीखने की आदत विकसित करें और खुद को एक सच्चे 'कर्मयोगी' के रूप में ढालें। उन्होंने कहा कि निरंतर सीखने और आत्म-विकास से ही प्रशासनिक तंत्र मजबूत होगा और बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

•प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले व्यवस्था में 'अधिकारी' होने पर ज्यादा जोर दिया जाता था, लेकिन अब समय 'कर्तव्य भावना' को प्राथमिकता देने का है।

आप ने राघव चड्ढा को राज्यसभा में उप नेता के पद से हटाया

•पंजाब से सांसद डॉ. अशोक मित्तल नए उप नेता होंगे

एजेंसी
नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए राज्यसभा में अपने उप नेता पद से राघव चड्ढा को हटा दिया है। इस संबंध में पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को आधिकारिक पत्र भेजकर जानकारी दी है। साथ ही, पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया है कि अब संसद में राघव चड्ढा को बोलने के लिए समय आवंटित न किया जाए। उनकी जगह पंजाब से राज्यसभा सांसद डॉ. अशोक मित्तल को नया उप नेता नियुक्त किया गया है। पिछले कुछ समय से राघव चड्ढा और पार्टी नेतृत्व के बीच मतभेदों की खबरें सामने आ रही थीं। हालांकि आप की ओर से किसी भी तरह के विवाद या अलगाव को लेकर कोई औपचारिक बयान नहीं दिया गया है, लेकिन इस फैसले को इन अटकलों से जोड़कर देखा जा रहा है। राज्यसभा में आप के कुल 10 सदस्य हैं, जिनमें से सात पंजाब और तीन दिल्ली से हैं। राघव चड्ढा पार्टी के शुरुआती दिनों से ही जुड़े रहे हैं और उन्होंने 2012 में अरविंद केजरीवाल के साथ अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की थी। पार्टी में उनकी भूमिका लगातार मजबूत होती गई–वे राष्ट्रीय प्रवक्ता बने और 2015 में दिल्ली में आप की जीत के बाद सबसे कम उम्र के कोषाध्यक्ष भी बने।

कांग्रेस सरकार का एंट्री टैक्स जन-विरोधी और गैर-वाजिब है, इसका हर स्तर पर विरोध किया जाएगा: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका
संगरूर, 2 अप्रैल। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने चंडीग? में भाजपा दफ्तर के बाहर हुए हमले के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि केंद्र के नियंत्रण में आने वाले केंद्र शासित प्रदेश को सियासी दुष्प्रचार का आधार बनाकर इस्तेमाल करना पूरी तरह गलत है। यह स्पष्ट करते हुए कि इस घटना की जिम्मेदारी पूरी तरह केंद्र सरकार की है, उन्होंने कहा कि अगर इस घटना को उन पर थोपने की कोशिश की जा रही है तो केंद्र को अपनी ड्यूटी से भागने की बजाय चंडीग? को पंजाब सरकार के हवाले कर देना चाहिए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शासन मॉडलों के बीच ब? अंतर का हवाला देते हुए कहा कि जहां 'आप' सरकार लोगों से वित्तीय बोझ घटा रही है, वहीं हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की अगुवाई वाली सरकार आम जनता पर गैर-वाजिब ढंग से एंट्री टैक्स का बोझ बढा रही है। उन्होंने इस कदम को जन-विरोधी बताते हुए इसके हर स्तर पर सख्त विरोध का भरोसा दिया। किसानों प्रति अपनी सरकार की वचनबद्धता की पुष्टि करते हुए मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि पंजाब सरकार आ?तियों की मांगों को केंद्र सरकार के पास लगातार उठाती रहेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसान भाईचारे के कंधे से कंधा लगा कर हमेशा ख?ी है और पहले के सफल सीजनों की तरह फसल की निर्विघ्न खरीद सुनिश्चित बनाएगी। गांव चीमा में कम्युनिटी हेल्थ सेंटर लोक अर्पण करने के मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस बात से हर कोई वाकिफ है कि चंडीग? का प्रबंधन पंजाब के राज्यपाल द्वारा चलाया जाता है, फिर भी भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र सरकार किसान आंदोलन, पंजाब यूनिवर्सिटी (पी.यू.) में आंदोलन या कोई भी ऐसा मुद्दा हो।

शेष पृष्ठ 3 पर

•असम में कांग्रेस की रैली

राहुल ने संविधान का जिक्र कर लिए अदाणी-पतंजलि के नाम

एजेंसी
कार्बी आंगलोंग। लोकसभा विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी चुनाव प्रचार के लिए असम पहुंचे है। इस दौरान उन्होंने कार्बी आंगलोंग में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा, असम फूलों का एक गुलदस्ता है, जिसमें अलग-अलग धर्म, जाति और विचारधाराओं के लोग साथ रहते हैं। उन्होंने कहा कांग्रेस की सोच है, हिंदुस्तान की जनता के हाथ में असली ताकत हो, देश को चलाने में हर वर्ग को भागीदारी मिले। दूसरी तरफ भाजपा की विचारधारा है कि असम को दिल्ली से चलाया जाए। राहुल के अनुसार, यही लड़ाई चल रही है। राहुल गांधी ने कहा कि हमने अनुच्छेद 244ए इसलिए लागू किया क्योंकि हमारा मानना है कि फैसले स्थानीय स्तर पर होने चाहिए। ये फैसले गुवाहाटी या दिल्ली से नहीं, बल्कि यहीं आपके नेता और परिषदें लें। यही हमारे और उनके बीच का फर्क है। आपको लगता है कि फैसलों का सिलसिला गुवाहाटी से शुरू होता है, लेकिन ऐसा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि आपकी जमीन छीनकर अडानी को अंबानी और पतंजलि बीघा जमीन दे दी गई। हजारों बीघा जमीन दूसरी बड़ी कंपनियों को भी मिली है। आपको यह समझना होगा कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है। कुछ दिन पहले नरेंद्र मोदी ने भारत और अमेरिका के बीच एक समझौते पर दस्तखत किए। आप सोच रहे होंगे कि मैं यहां इसकी बात क्यों कर रहा हूं। आपको यह समझना होगा कि दबाव कहां से आ रहा है। उस समझौते में भारत की खेती-किसानी के रास्ते इस तरह खोले गए हैं, जिसका बुरा असर हमारे किसानों पर पड़ रहा है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, आज अगर भारत रूस, ईरान या इराक जैसे देशों से तेल खरीदना चाहता है, तो उसे डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका से इजाजत लेनी पड़ती है। हम बिना पूछे तेल नहीं खरीद सकते। नरेंद्र मोदी ने भारत का डेटा डोनाल्ड ट्रंप को सौंप दिया है। अब वे अपनी मर्जी से इस डेटा का इस्तेमाल कर सकते हैं या इसे जमा रख सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी ने वादा किया है कि भारत हर साल अमेरिकी कंपनियों से 9 लाख करोड़ रुपये का सामान खरीदेगा। इससे हमारे छोटे कारोबारों और उद्योगों को भारी नुकसान होगा। हमारे टैक्स बढ़ गए हैं, हमारा डेटा साझा हो गया है और तेल खरीदने के विकल्प कम हो गए हैं। सवाल यह है कि यह सौदा क्यों हुआ? राहुल गांधी के अनुसार, यह इसलिए हुआ क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप नरेंद्र मोदी को नियंत्रित करते हैं।

•भारत ने अमेरिका को बहुत कुछ दिया है, लेकिन बदले में हमें कुछ नहीं मिला -राहुल गांधी

लिएंडर पेस ने भारत में ऑस्ट्रेलिया के राजदूत से की मुलाकात

•फिलिप ग्रीन ने साझा की तस्वीर

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत में ऑस्ट्रेलिया के राजदूत फिलिप ग्रीन ने दिग्गज भारतीय टेनिस खिलाड़ी रहे लिएंडर पेस से मुलाकात की। ग्रीन ने पेस के साथ अपनी मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से साझा की है। फिलिप ग्रीन ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पेस के साथ कई तस्वीरें साझा की हैं और उनके साथ ऑस्ट्रेलिया में बिताए लम्हों को याद किया है। ग्रीन ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'टेनिस के दिग्गज लिएंडर पेस के साथ ऑस्ट्रेलिया में बिताए सालों और अब हम इसे कहां ले जाते हैं, इस पर बहुत अच्छी बातचीत हुई। वह भारत-ऑस्ट्रेलिया खेलों के मिश्रण को लेकर बहुत महत्वाकांक्षी हैं। वह एक हिट के लिए हाई कमीशन की टेनिस कम्युनिटी में भी शामिल हुए।' पेस फिलिप के साथ मुलाकात के लिए ऑस्ट्रेलिया उच्चायोग पहुंचे थे।

लिएंडर पेस भारत के सफलतम और सर्वाधिक लोकप्रिय टेनिस खिलाड़ी रहे हैं। पेस भारत के एकमात्र टेनिस खिलाड़ी हैं जिनके नाम टेनिस ओलंपिक पदक है। पेस ने 1996 में अटलांटा में खेले गए ओलंपिक में पुरुष एकल में कांस्य पदक जीता था।

पेट्रोलियम पदार्थों को लेकर राहुल गांधी जनता में फैला रहे भ्रम : गिरिराज सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों को लेकर राहुल गांधी पर जनता में भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों को नियंत्रित रखने का प्रयास किया है, जबकि वैश्विक स्तर पर इनकी कीमतों में 20-30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय मंत्री सिंह के अनुसार, केंद्र ने उत्पाद शुल्क को घटाकर आम जनता को राहत देने की कोशिश की है, जबकि राहुल गांधी इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं और उनका ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां राहुल गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए हैं, जबकि केंद्र सरकार आम जनता के हित में लगातार काम कर रही है। गिरिराज सिंह ने यह भी कहा कि दुनिया के कई देशों, यहां तक कि अमेरिका ने भी पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें बढ़ाई हैं, लेकिन भारत में सरकार ने संतुलन बनाए रखने की कोशिश की है। इसके अलावा, गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि 15 वर्षों के शासन के बावजूद ममता बनर्जी रोजगार, गरीबी उन्मूलन और आवास जैसे मुद्दों पर स्पष्ट जवाब नहीं दे पा रही हैं। उन्होंने टीएमसी सरकार पर शिक्षकों की भर्ती में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि इस मुद्दे पर भी मुख्यमंत्री चुप हैं। गिरिराज सिंह ने यह भी सवाल उठाया कि क्या राज्य सरकार सातवां वेतन आयोग लागू करेगी और महिलाओं को आर्थिक सहायता देने की योजनाओं पर क्या रुख है। उनके अनुसार, ममता बनर्जी विकास और बेरोजगारी जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा करने से बचती रही हैं।

सैम पित्रोदा का आरोप... भारत ने इस संकट में 'नैतिक श्रेष्ठता' नहीं दिखाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओवरसीज कांग्रेस प्रमुख सैम पित्रोदा ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर भारत की भूमिका को लेकर आलोचना की है। उनका कहना है कि भारत ने इस महत्वपूर्ण संकट में 'नैतिक श्रेष्ठता' नहीं दिखाई और वह 'अमीर व ताकतवर हमलावरों' के साथ खड़ा दिखाई दिया। उनके अनुसार, भारत को अपने पारंपरिक मूल्यों सत्य, लोकतंत्र, विविधता और मानव सम्मान पर आधारित संतुलित रुख अपनाना चाहिए था। पाकिस्तान द्वारा खुद को मध्यस्थ के रूप में पेश करने के दावे पर कांग्रेस नेता पित्रोदा ने कहा कि किसी भी देश को शांति स्थापित करने का प्रयास करने का अधिकार है। उनका मानना है कि जितने अधिक पक्ष शांति प्रयासों में शामिल होंगे, उतना बेहतर होगा, क्योंकि ऐसे जटिल विवादों में यह निश्चित नहीं होता कि कौन-सा प्रयास सफल होगा। जब पित्रोदा से पूछा गया कि जवाहर लाल नेहरु और राहुल गांधी के दृष्टिकोण के बारे में, तब उन्होंने कहा कि राहुल गांधी 'भारत के मूल विचार' के प्रतिनिधि हैं। यह विचार देश के संस्थापकों द्वारा स्थापित मूल्यों—सच्चाई, भरोसा, लोकतंत्र और सभी के प्रति सम्मान—पर आधारित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह रुख किसी विशेष देश जैसे अमेरिका, पाकिस्तान, इजरायल या ईरान के खिलाफ नहीं, बल्कि सार्वभौमिक मूल्यों के पक्ष में है। नक्सलवाद के मुद्दे पर पित्रोदा ने कहा कि वह संवाद में विश्वास रखते हैं, न कि बल प्रयोग में। उनका मानना है कि इस समस्या की जड़ों को समझना जरूरी है—लोगों ने हथियार क्यों उठाए, यह जानना महत्वपूर्ण है। हालांकि उन्होंने हिंसा का समर्थन नहीं किया, लेकिन कहा कि समाधान के लिए सभी पक्षों के दृष्टिकोण को समझना और सहानुभूति रखना आवश्यक है।

पंजाब में 3-4 अप्रैल को तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के मौसम में एक बार फिर बड़ा बदलाव देखने को मिलने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के चंडीगढ़ केंद्र ने राज्य के कई जिलों के लिए मौसम को लेकर चेतावनी जारी की है। विभाग के मुताबिक 3 और 4 अप्रैल को प्रदेश में तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक 2 अप्रैल को पूरे पंजाब में मौसम साफ रहेगा। हालांकि 3 अप्रैल से मौसम करवट लेगा और कई इलाकों में मौसम खराब को मिलेगा। इस दौरान 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने 3 और 4 अप्रैल के लिए राज्य के अलग-अलग जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। 3 अप्रैल को पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर, कपूरथला, फिरोजपुर, जालंधर और तरनतारन में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं होशियारपुर, नवांशहर, रूपनगर, मोहाली, फतेहगढ़ साहिब, लुधियाना, मोगा, फाजिल्का, मुक्तसर, मानसा, संगरूर, बरनाला, पटियाला और बठिंडा में येलो अलर्ट रहेगा। इसी तरह 4 अप्रैल को फिरोजपुर, मोगा, फरीदकोट, मुक्तसर, फाजिल्का, बठिंडा, मानसा और बरनाला में ऑरेंज अलर्ट रहेगा, जबकि बाकी जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक 5 अप्रैल से मौसम फिर साफ हो जाएगा। विभाग ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान सतर्क रहें और आवश्यक सावधानियां बरतें।

37 किलो सोने के मामले में फंस गए भाजपा विधायक, सत्येंद्र जैन ने की थी शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने भारतीय जनता पार्टी के विधायक करनैल सिंह के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त आधार पाते हुए उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। यह पूरा मामला आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की शिकायत पर आधारित है। शिकायत के अनुसार, करनैल सिंह ने सार्वजनिक रूप से दावा किया था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सत्येंद्र जैन के आवास से 37 किलो सोना बरामद किया है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि जैन के पास भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए अर्जित की गई 1100 एकड़ जमीन है। अदालत ने रिकॉर्ड पर लाए गए दस्तावेजों और सबूतों का बारीकी से अध्ययन करने के बाद पाया कि भाजपा विधायक द्वारा साझा की गई इन जानकारियों का ईडी की किसी भी आधिकारिक प्रेस रिलीज या दस्तावेज में कोई समर्थन नहीं मिलता है।

युद्ध के बीच भारत बना संकटमोचक, बगावत भुलाकर पड़ोसियों को दी एनर्जी सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजरायल युद्ध ने पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति को झकझोर कर रख दिया है। विशेष रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद होने से, जहां से वैश्विक तेल और गैस का 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है, दक्षिण एशियाई देशों में हाहाकार मचा है। इस महासंकट के बीच भारत ने अपनी नेबरहुड फर्स्ट (पड़ोसी प्रथम) नीति का परिचय देते हुए उन देशों की ओर भी मदद का हाथ बढ़ाया है, जिन्होंने हाल के वर्षों में भारत विरोधी रुख अपनाया था। मालदीव और बांग्लादेश जैसे देशों ने, जो कभी इंडिया आउट और बॉयकॉट इंडिया जैसे अभियानों में मशगूल थे, आज गहरे ईंधन संकट के समय नई दिल्ली को ही अपना सबसे भरोसेमंद साथी पाया है।

मालदीव की बात करें तो राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने इंडिया आउट के नारे पर सत्ता हासिल की थी और भारतीय सैन्य कर्मियों को बाहर निकाल दिया था। हालांकि, युद्ध के कारण तेल की किल्लत और चीन से तत्काल राहत न मिलने पर उन्हें भारत का ही रुख करना पड़ा। भारत ने कूटनीतिक परिपक्वता दिखाते हुए मालदीव के पर्यटन उद्योग को बचाने के लिए आपातकालीन कोटे के तहत पेट्रोल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की विशेष खेप भेजी है। मुइज्जू ने अब भारत को मालदीव का सबसे भरोसेमंद साझेदार स्वीकार किया है। इसी तरह, बांग्लादेश में अगस्त 2024 के सत्ता परिवर्तन के बाद उभरी भारत विरोधी भावनाओं और बॉयकॉट इंडिया अभियान के बावजूद, भारत ने मानवता को प्राथमिकता दी है। ईरान युद्ध के कारण बांग्लादेश का पावर ग्रिड और कपड़ा उद्योग ठप होने की कगार पर है। ऐसे में भारत ने मैत्री पाइपलाइन के जरिए हाई-स्पीड डीजल की आपूर्ति बढ़ा दी है। मार्च 2026 में भारत ने 15,000 टन डीजल भेजा और अगले महीने 40,000 टन अतिरिक्त आपूर्ति की योजना है। बिजली आपूर्ति को भी बिना किसी बाधा के जारी रखा गया है ताकि वहां की अर्थव्यवस्था पूरी तरह न ढह जाए।

श्रीलंका में भी स्थिति गंभीर है, जहां राष्ट्रपति दिसानायके के अनुरोध पर भारत ने 28 मार्च 2026 को 38,000 मीट्रिक टन ईंधन की खेप कोलंबो भेजी। श्रीलंका ने इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर का सार्वजनिक रूप से आभार व्यक्त किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत अपनी घरेलू जरूरतों को संतुलित करते हुए पड़ोसियों को एनर्जी सिक्योरिटी प्रदान कर रहा है। ईरान युद्ध ने यह साबित कर दिया है कि वैश्विक अस्थिरता के समय जहां अन्य देश व्यावसायिक हित देखते हैं, वहीं भारत वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत पर चलते हुए एक निस्वार्थ रक्षक की भूमिका निभा रहा है।

पंजाब भाजपा के मुख्यालय के बाद अब पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट को बम से उड़ने की धमकी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ में पंजाब भाजपा के मुख्यालय के बाहर हुए ब्लास्ट के एक दिन बाद पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट को बम से उड़ने की धमकी मिली है। चंडीगढ़ पुलिस हेडक्वार्टर को आए ईमेल में धमकी दी गई है। ईमेल मिलने के बाद से पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत मौके पर भेजा। हाई कोर्ट परिसर और आसपास के इलाकों में संघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इस बीच, चंडीगढ़ में आयोजित प्रेसवार्ता में बीजेपी के कार्यकारी प्रधान अश्वनी शर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यालय की सुरक्षा की जिम्मेदारी पंजाब पुलिस के पास थी। बीजेपी नेता शर्मा ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी सरकार परोक्ष रूप से इसतरह के तत्वों के एजेंडे को आगे बढ़ा रही है, जिन्हें बाहर से फंडिंग मिल रही है। अब हमलावर घटनाओं के वीडियो बनाकर फैलाने लगे हैं, जो स्थिति की गंभीरता को दिखाता है। कुछ ताकतें पंजाब के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करना चाहती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से सवाल कर पूछा कि सरकार किन लोगों के प्रभाव में काम कर रही है। कानून व्यवस्था पर पहले ही बुरी तरह से घिर चुकी पंजाब सरकार के सामने अब बीजेपी मुख्यालय के बाहर हुए ब्लास्ट से मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। इस ब्लास्ट के बाद मान ने कहा कि जब वह चंडीगढ़ को पंजाब की राजधानी बताते हैं, तब उन्हें गद्दार कहा जाता है। उन्होंने कहा कि बीजेपी को अपनी जिम्मेदारी खुद लेनी चाहिए और इस तरह की बेबुनियाद बातें नहीं करनी चाहिए।

गुजरात में आप की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा में घबराहट : केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को पत्र लिखकर उनसे मिलने का अनुरोध किया है। पत्र में केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि गुजरात में पंचायत और नगर पालिका चुनावों से पहले पार्टी के कार्यकर्ताओं को बड़े पैमाने पर गिरफ्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बीते कुछ महीनों में 160 से अधिक कार्यकर्ता गिरफ्तार किए गए हैं और 10,000 से ज्यादा को गिरफ्तार करने की योजना है।

केजरीवाल ने पत्र में कहा कि आप की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा सरकार बौखलाई हुई है और इस कारण कार्यकर्ताओं के खिलाफ षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने भाजपा पर स्थानीय निकाय चुनावों को जीतने के लिए पुलिस का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। पत्र में यह भी लिखा है कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ईशुदान गढ़वी को हाल ही में गिरफ्तार किया गया और देर रात छोड़ा गया, जबकि वह अपने कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की जानकारी लेने थाने गए थे।

केजरीवाल ने बताया कि गिरफ्तारी का एक पैटर्न साफ दिखाई दे रहा है। सड़क पर स्कूटर या मोटरसाइकिल से आए कुछ लोग कार्यकर्ताओं को रोकते हैं, मारपीट और गाली-गलौज करते हैं, इसके बाद क्राइम ब्रांच तुरंत मौके पर पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार कर लेती है। इससे प्रतीत होता है कि पुलिस इन गुंडों के फोन का ही इंतजार कर रही है। पत्र में उन्होंने कहा कि पिछले 30 सालों से भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार, अत्याचार और दमन से जनता परेशान है। आप पहली बार लोगों को एक मजबूत विकल्प प्रदान कर रही है। पार्टी ईमानदार, निडर और देशभक्त है और भाजपा से कोई समझौता नहीं करेगी। इसी कारण पार्टी की लोकप्रियता गुजरात में तेजी से बढ़ रही है। केजरीवाल ने उम्मीद जाहिर कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल जल्द ही उनसे और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से मिलने का समय देने वाले हैं। ताकि इन मुद्दों पर चर्चा की जा सके।

अमित शाह की ममता बनर्जी को सीधी चुनौती कहा- 15 दिन यहीं रहकर संभालूंगा चुनावी कमान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के शंखनाद के साथ ही राज्य में सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। भारतीय जनता पार्टी के चाणक्य कहे जाने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को ममता बनर्जी के गढ़ में हुंकार भरते हुए एक बड़ा ऐलान किया। नंदीग्राम में शुभेंदु अधिकारी के समर्थन में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने घोषणा की कि वे आगामी 15 दिनों तक लगातार पश्चिम बंगाल में ही डेरा डालेंगे और खुद चुनावी कमान संभालेंगे।

शाह ने ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, पिछली बार दीदी नंदीग्राम में हार गई थीं और इस बार वह भवानीपुर के साथ-साथ पूरे बंगाल की सत्ता खो देंगी। उन्होंने दावा किया कि राज्य में सत्ता परिवर्तन की लहर चल रही है और जनता अब ममता बनर्जी को बाय-बाय कहने का मन बना चुकी है। शाह ने शुभेंदु अधिकारी के नामांकन को टीएमसी के पतन की शुरुआत बताया और कहा कि नंदीग्राम की जनता एक बार फिर इतिहास दोहराकर भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी वाली सरकार को उखाड़ फेंकेगी। गृह मंत्री ने राज्य की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने घुसपैठियों को संरक्षण दिया है, जिससे बंगाल की जनसांख्यिकी बदल रही है। उन्होंने बेरोजगारी और आए दिन होने वाले बम धमाकों का जिक्र करते हुए कहा कि युवा अब बदलाव चाहते हैं। शाह ने वादा किया कि यदि भाजपा सत्ता में आती है, तो घुसपैठ पर लगाम कसी जाएगी और बंगाल को फिर से विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में 294 सीटों के लिए दो चरणों (23 अप्रैल और 29 अप्रैल 2026) में मतदान होना है। ऐसे में अमित शाह का 15 दिनों तक राज्य में रहकर प्रचार करने का फैसला यह दर्शाता है कि भाजपा इस बार बंगाल फतह के लिए अपनी पूरी ताकत झोंकने को तैयार है। चुनावी मैदान में सीधी टक्कर टीएमसी और भाजपा के बीच देखी जा रही है, जिससे आने वाले दिन बंगाल की राजनीति के लिए काफी निर्णायक होने वाले हैं।

असम में औवेसी... दमनकारी ताकतों से निपटने के लिए मुस्लिम समुदाय को मजबूत होना होगा

गुवाहाटी (एजेंसी)। अमस के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की कथित मनमानी पर निशाना साधकर ओवैसी ने कहा कि हालात बेहद खराब हैं। इस स्थिति में दमनकारी ताकतों से निपटने के लिए एआईएमआईएम के माध्यम से मुस्लिम समुदाय के नेतृत्व को मजबूत करना होगा। लोकतंत्र में सिर्फ नारे लगाने से काम नहीं चलता। हमें मतदान के माध्यम से सुनिश्चित करना होगा कि सरमा को उनकी प्रतिगामी राजनीति का स्पष्ट संदेश मिले। ओवैसी ने कहा कि इसके लिए हमें एकजुट रहना होगा। चुनाव के दिन मतदान करके आपको जवाब देना होगा। लोकतंत्र में आपका वोट एक शक्तिशाली हथियार है। उन्होंने आगामी चुनावों में भाजपा की कथित बढ़त के दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि हम इस पर विश्वास नहीं करते। हम यहां यह सुनिश्चित करने आए हैं कि एआईयूडीएफ के अधिक से अधिक उम्मीदवार विधायक बनें। हमारा प्रयास राज्य की राजनीतिक व्यवस्था को मजबूत करना है। ओवैसी आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) के प्रचार अभियान से पहले बुधवार को असम पहुंचे। हवाई अड्डे पर एआईयूडीएफ समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया, पार्टी कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए और उन्हें पारंपरिक असमिया गमोसा भेंट किया। रैली के दौरान, ओवैसी ने मुस्लिम समुदाय से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि एआईयूडीएफ के अधिक से अधिक उम्मीदवार विधायक बनकर विधानसभा तक पहुंचें। उन्होंने लोगों से समुदाय के हितों की रक्षा के लिए मतदान करने का भी आग्रह किया।

भड़काऊ भाषण देने के आरोपों का मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया खंडन

-एमपी-एमएलए कोर्ट में अपने खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका का जवाब किया दाखिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राऊज एवेन्यू स्थित विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में अपने खिलाफ दायर एक पुनर्विचार याचिका पर जवाब दाखिल किया है। उन्होंने न सिर्फ आरोपों से इनकार किया, बल्कि पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई कर रही कोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर भी सवाल उठा दिया। यह मामला अप्रैल 2023 में कर्नाटक में हुई एक रैली में बीजेपी और आरएसएस के बारे में कथित तौर पर दिए गए भड़काऊ भाषण से संबंधित है। गुरुवार को इस मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खड़गे के वकील ने तर्क दिया कि विशेष न्यायालय के पास पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करने का अधिकार क्षेत्र नहीं है। उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण के लिए अधिकार क्षेत्र तीस हजारी कोर्ट के प्रधान और सत्र न्यायाधीश का है, न कि इस न्यायालय का। कांग्रेस प्रमुख पर समुदायों के बीच द्वेष फैलाने के जो आरोप लगाए गए हैं, इस संबंध में दाखिल जवाब में उन आरोपों से इनकार किया है।

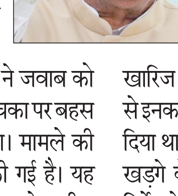

विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने जवाब को रिकॉर्ड पर लिया और पुनर्विचार याचिका पर बहस के लिए मामले को सूचीबद्ध किया। मामले की अगली सुनवाई 15 अप्रैल तय की गई है। यह पुनर्विचार याचिका वकील रविंदर गुप्ता ने वकील गगन गांधी के जरिए दायर की थी। शिकायतकर्ता और आरएसएस सदस्य रविंद्र गुप्ता ने आरोप लगाया था कि खड़गे ने कर्नाटक में एक चुनावी रैली के दौरान आरएसएस और बीजेपी के खिलाफ भड़काऊ और नफरत फैलाने वाला भाषण दिया था। 11 नवंबर 2025 को तीस हजारी कोर्ट ने खड़गे के खिलाफ एक आपराधिक शिकायत खारिज कर दी थी। कोर्ट ने मामले का संज्ञान लेने से इनकार कर दिया और शिकायत को खारिज कर दिया था। इससे पहले, दिसंबर 2024 में कोर्ट ने खड़गे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया था।

आंध्र चुनाव पर बड़ा विवाद! 6 सेकंड में एक वोट और आधी रात के बाद 17 लाख

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर हाल ही में उठे विवाद ने सियासी और सार्वजनिक ध्यान खींचा है। दिल्ली में आयोजित प्रेसवार्ता में अर्थशास्त्री परकला प्रभाकर, वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण और पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई.कुरैशी ने चुनाव आयोग के आंकड़ों में असामान्य पैटर्न की ओर इशारा किया। प्रभाकर का दावा है कि 3,500 बूथों पर रात 2 बजे तक वोटिंग चलती रही और कुल वोटों का लगभग 4.16 प्रतिशत रात 11.45 बजे से 2 बजे के बीच डाला गया। उन्होंने बताया कि आधी रात के बाद हर 20 सेकंड में एक वोट दर्ज हुआ, जबकि ईवीएम को रीसेट होने में 14 सेकंड लगते हैं।

चुनाव में चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी-नेतृत्व वाली एनडीए ने निर्णायक जीत हासिल की, जिसमें 175 सीटों में से 164 जीत दर्ज की गई। टीडीपी को 135 सीटें मिलीं, बीजेपी को आठ और पवन कल्याण की जन सेना को 21 सीटें मिलीं। मतदान प्रतिशत को लेकर भी विवाद है। 13 मई को शाम 5 बजे तक वोटिंग समाप्त होने के बाद मुख्य चुनाव अधिकारी ने 68.04 प्रतिशत टर्नआउट बताया, जो रात 8 बजे 68.12 प्रतिशत और रात 11.45 बजे 76.50 प्रतिशत कर दिया गया। अंतिम आंकड़ा चार दिन बाद 81.79 प्रतिशत जारी किया गया।

भूषण ने फॉर्म 17सी के पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर डाले गए वोटों का डेटा मशीन-पठनीय रूप में उपलब्ध नहीं कराया गया, जिससे स्वतंत्र जाँच मुश्किल हो गई। उन्होंने वीवीपेट पर्चियों की अनिवार्य गिनती और रियल-टाइम बूथ-स्तरीय डेटा की मांग की। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई. कुरैशी ने फॉर्म 17सी और फॉर्म 20 का ऑडिट कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने पूछा कि यदि बूथ स्तर पर फॉर्म 17सी पर हस्ताक्षर और मुहर लगी है, तब अंतिम डेटा में विसंगतियां क्यों दिखाई देती हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि मतदान प्रतिशत उसी दिन सार्वजनिक किया जाए और बूथ-स्तरीय सारांश तुरंत जारी किया जाए। विशेषज्ञों का कहना है कि पारदर्शिता की कमी लोकतंत्र के लिए खतरा है। डेटा में असामान्य पैटर्न और आधी रात के बाद अचानक वोटिंग की तेज़ी जैसी घटनाएं गंभीर जांच की मांग करती हैं। चुनाव आयोग को इन मुद्दों पर स्पष्टता और ऑडिट के माध्यम से भरोसा बहाल करना आवश्यक है, ताकि मतदाता और लोकतंत्र दोनों सुरक्षित रहें।

भारत की अनूठी पहल: समुद्र से बिजली और मीठा पानी बनाने लक्षद्वीप में बन रहा दुनिया का पहला ओटेक डिसेलिनेशन प्लांट

समुद्री तापमान से ऊर्जा उत्पादन के साथ ही पेयजल संकट का होगा समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक जल संकट के बीच भारत एक अनोखी तकनीकी पहल के साथ समाधान की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा रहा है। लक्षद्वीप के कवरत्ती द्वीप पर दुनिया का पहला ओटेक आधारित हाइब्रिड डिसेलिनेशन प्लांट तैयार किया जा रहा है, जो समुद्र की लहरों और तापमान के अंतर से एक साथ बिजली और मीठा पानी बनाएगा।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की करीब आधी आबादी साल में कम से कम एक महीने गंभीर जल संकट का सामना करती है और हर चौथा व्यक्ति शुद्ध पेयजल से वंचित है। ऐसे में समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने की तकनीक पर कई देश काम कर रहे हैं, लेकिन भारत का यह प्रयोग उन्हें एक कदम आगे ले जाता है।

यह परियोजना नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (एनआईओटी) द्वारा विकसित की जा रही है, जो पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत काम करता है। यह प्लांट ओटेक (ओसियन थर्मल एनर्जी कन्वर्सन) तकनीक पर आधारित है, जिसमें समुद्र की सतह के गर्म पानी और गहराई में मौजूद ठंडे पानी के तापमान के अंतर का उपयोग कर ऊर्जा पैदा की जाती है। इस प्रक्रिया के दौरान ही समुद्री पानी को शुद्ध कर पेयजल में बदला जाएगा। इसके लिए करीब 3.8 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जा रही है, जो समुद्र की गहराई (लगभग 1000 मीटर) से ठंडा पानी सतह तक लाएगी।

विशेषज्ञों के मुताबिक, यह दुनिया का पहला ऐसा प्लांट होगा जो 24 घंटे लगातार बिजली उत्पादन और जल शुद्धिकरण दोनों कार्य एक साथ करेगा। इससे पहले लक्षद्वीप के आठ द्वीपों पर एलटीटीडी (लो टेम्परेचर थर्मल डिसलिनेशन) तकनीक के प्लांट काम कर रहे हैं, लेकिन ओटेक आधारित यह हाइब्रिड मॉडल एक बड़ा तकनीकी उन्नयन माना जा रहा है।

लक्षद्वीप जैसे द्वीपों में भूजल स्तर कम होने और खारे पानी की समस्या के कारण पेयजल संकट लंबे समय से बना हुआ है। ऐसे में यह परियोजना स्थानीय लोगों के लिए विश्वसनीय जल स्रोत के साथ-साथ ऊर्जा आपूर्ति का भी स्थायी समाधान बन सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह परियोजना सफल होती है, तो यह न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया के अन्य तटीय और द्वीपीय क्षेत्रों के लिए भी एक मिसाल साबित हो सकती है।

डिजिटल नेटवर्क को हथियार बनाकर देश में अशांति फैलाने का मकसद ?

जयपुर। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा एजेंसियों की सक्रियता एक बार फिर तेज हो गई है। जैसलमेर के नाचना थाना क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर एक युवक की हिरासत, उत्तर प्रदेश से जुड़े टेलीग्राम नेटवर्क के इनपुट और राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में सामने आए जासूसी व कट्टरपंथी गतिविधियों के मामलों ने एजेंसियों को अलर्ट मोड पर ला दिया है। एक हफ्ते में सामने आईं इन घटनाओं ने न केवल सीमावर्ती सुरक्षा बल्कि सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के दुरुपयोग को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जैसलमेर जिले के नाचना थाना क्षेत्र के भारेवाला इलाके में गुरुवार देर रात एक युवक को संदिग्ध गतिविधियों के शक में हिरासत में लिया गया। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश पुलिस से मिले विशेष इनपुट के आधार पर की गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हिरासत में लिया गया युवक बीकानेर जिले बताया जा रहा है। हालांकि, वह पिछले 12 वर्षों से भारेवाला गांव में रहकर खेती-बाड़ी का काम कर रहा था। स्थानीय लोगों से पूछताछ में सामने आया कि वह एक सामान्य किसान था, लेकिन हालिया इनपुट्स के आधार पर की गई कार्रवाई ने उसके संदिग्ध कनेक्शन को उजागर कर दिया। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, युवक का नाम एक संदिग्ध टेलीग्राम ग्रुप में सामने आया है। इस ग्रुप में देश विरोधी गतिविधियों से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश पुलिस ने इस डिजिटल नेटवर्क की निगरानी के दौरान कुछ अहम सुराग जुटाए, जिनमें राजस्थान और कश्मीर के युवाओं के बीच संपर्क के संकेत मिले। इस कड़ी में अभी तक चार लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है, जिनमें दो कश्मीरी युवक भी शामिल हैं। इन सभी से पूछताछ के दौरान मिले इनपुट के आधार पर जैसलमेर के भारेवाला निवासी युवक तक पहुंच बनाई गई। नाचना पुलिस ने खुफिया सूचना और हालांकि, वह पिछले 12 वर्षों से भारेवाला गांव में रहकर खेती-बाड़ी का काम कर रहा था। स्थानीय लोगों से पूछताछ में सामने आया कि वह एक सामान्य किसान था, लेकिन हालिया इनपुट्स के आधार पर की गई कार्रवाई ने उसके संदिग्ध कनेक्शन को उजागर कर दिया। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, युवक का नाम एक संदिग्ध टेलीग्राम ग्रुप में सामने आया है। इस ग्रुप में देश विरोधी गतिविधियों से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश पुलिस ने इस डिजिटल नेटवर्क की निगरानी के दौरान कुछ तकनीकी सर्विलांस की मदद से युवक की लोकेशन ट्रैक की और देर रात उसके घर पर दबिश देकर उसे हिरासत में ले लिया। फिलहाल उसे नाचना थाने में रखा गया है, जहां आज विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों द्वारा संयुक्त पूछताछ की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, युवक के मोबाइल फोन की शुरूआती जांच में कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है। हालांकि, जांच एजेंसियों को आशंका है कि उसने महत्वपूर्ण डेटा पहले ही डिलीट कर दिया है। इसी को ध्यान में रखते हुए अब डिजिटल फॉरेंसिक टीम की मदद से डिलीट किए गए डेटा को रिकवर करने की कोशिश की जाएगी। इसके अलावा, युवक के बैंक ट्रांजेक्शन, कॉल डिटेल्स और सोशल नेटवर्किंग कनेक्शन्स की भी गहनता से जांच की जाएगी ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह किसी बड़े नेटवर्क का हिस्सा तो नहीं है। घटना के सामने आने के बाद भारेवाला सहित आसपास के सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस और बीएसएफ को अलर्ट मोड पर रखा गया है और क्षेत्र में निगरानी तेज कर दी गई है। संवेदनशीलता को देखते हुए आने-जाने वाले लोगों पर विशेष नजर रखी जा रही है। जोधपुर में आंध्र प्रदेश पुलिस और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में ढ्रस्ढ्रस से जुड़े एक सोशल मीडिया नेटवर्क का खुलासा हुआ। इस मामले में नई सड़क क्षेत्र निवासी 19 वर्षीय युवक जीशान को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई में सदर बाजार थाना पुलिस ने भी सहयोग किया। जानकारी के अनुसार, आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लेने के बाद पूछताछ में जीशान का नाम सामने आया। इसके बाद विजयवाड़ा पुलिस की टीम जोधपुर पहुंची और सदर बाजार थाना अधिकारी माणक राम की टीम के साथ मिलकर देर रात आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि जीशान ऑनलाइन ग्रुप से जुड़ा हुआ था। इस ग्रुप में कथित तौर पर कट्टरपंथी विचारधारा से संबंधित वीडियो, शॉर्ट क्लिप और वॉयस नोट साझा किए जाते थे। वह ग्रुप में सक्रिय रहते हुए अन्य युवाओं को जोड़ने का प्रयास भी कर रहा था। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि ग्रुप संचालकों ने उसकी परीक्षा ली थी, जिसमें सफल होने के बाद उसे एडमिन बना दिया गया। गिरफ्तारी से पहले आरोपी ने अपने मोबाइल से आपत्तिजनक और देशविरोधी कंटेंट हटाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने तकनीकी सहायता से डेटा रिकवर कर लिया। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि वह करीब दो वर्षों से इस नेटवर्क से जुड़ा हुआ था। पुलिस फिलहाल आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है। आशंका जताई जा रही है कि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के नाम भी सामने आ सकते हैं। सुरक्षा एजेंसियां मामले के हर पहलू पर नजर बनाए हुए हैं और जांच आगे

पहले विधवा से दोस्ती, नौकरी के नाम पर लाखों ऐंठे; फिर नोचने लगा जिस्म

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में विकासनगर इलाके में रहने वाली एक विधवा से नौकरी दिलाने के नाम पर जानकीपुरम निवासी अंकुर अग्रवाल ने पहले 3.80 लाख रुपये ऐंठे। फिर, उनका यौन शोषण किया। गर्भवती होने पर कोल्डड्रिंक में दवा देकर गर्भपात कर दिया। पीड़िता ने एक मार्च को आरोपी के खिलाफ विकासनगर थाने में केस दर्ज कराया तो तीन मार्च को आरोपी ने पीड़िता के घर में घुसकर चाकू से हमला कर दिया। अब पुलिस ने आरोपी अंकुर अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया है। एसओ आलोक सिंह ने बताया कि वर्ष 2022 में पीड़िता की पहली मुलाकात आरोपी अंकुर से हुई थी। अंकुर ने अच्छी नौकरी दिलाने के नाम पर उनसे 3.80 लाख रुपये ऐंठ लिए। इसके बाद पीड़िता को अपने जाल में फंसाया और शारीरिक शोषण करने लगा। इस बीच वह गर्भवती हो गई तो आरोपी ने कोल्डड्रिंक में गर्भ निरोधक दवा देकर गर्भपात करा दिया। पीड़िता ने शिकायत करने की बात कही तो आरोपी ने माफी मांगते हुए उनको चुप कर दिया। इसके बाद लगातार यौन शोषण करता रहा। दोबारा से गर्भवती होने पर पीड़िता ने जब इस बारे में आरोपी को बताया तो वह भड़क उठा। उनके पेट पर लात मार दी। इससे गर्भपात हो गया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने उनकी अश्लील फोटो व वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। कुछ दिन बाद उनको इस बात का पता चला कि आरोपी अंकुर पहले से शादीशुदा है। पीड़िता जब आरोपी की हरकतों का विरोध करती थी तो वह उनकी फोटो व वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देता था। एक मार्च को पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया। इस बात का पता चलने पर तीन मार्च को आरोपी पीड़िता के घर पहुंचा और उन पर चाकू से हमला कर दिया। आरोप है कि अंकुर ने पीड़िता के पहने हुए जेवर छीन लिए। धमकी देते हुए भाग गया। एसओ ने बताया कि शनिवार को आरोपी अंकुर को जानकीपुरम सेक्टर एफ से गिरफ्तार कर लिया गया है। वह मूल रूप से कुशीनगर के पडरौना का रहने वाला है।

नाबालिगों ने रंजिश का बदला लेने के लिए की थी किशोर की हत्या

नई दिल्ली। न्यू उस्मानपुर इलाके में 17 साल के नाबालिग जैद की हत्या में पुलिस ने चार नाबालिगों को पकड़ा है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने पूछताछ में खुलासा किया कि मृतक के साथ उनकी पुरानी रंजिश चल रही थी। बदला लेने के लिए घटना को अंजाम दिया है। पकड़े गए चारों नाबालिग की उम्र 15 से 17 साल के बीच है। उनके पास से हत्या में इस्तेमाल दो चाकू भी बरामद किया है। उत्तर पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि 25 मार्च की सुबह न्यू उस्मानपुर पुलिस को डीडीए पार्क में खून से लथपथ एक शव पड़े होने की जानकारी मिली। मृतक की पहचान ब्रह्मपुरी पुलिया निवासी 17 साल के जैद के रूप में हुई। उसके शरीर पर चाकू के कई वार किए गए थे। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार के नेतृत्व में टीम ने घटनास्थल के साथ साथ जैद के घर के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच की। जिसके जरिये पुलिस को कुछ संदिग्ध दिखे। मुखबिरों के जरिए पुलिस ने चार संदिग्ध नाबालिगों की पहचान कर ली। उसके बाद लगातार दबिश देकर पुलिस ने चारों आरोपियों को पकड़ लिया। पुरानी रंजिश की वजह से वह जैद से बदला लेना चाहते थे। घटना वाली रात वह पार्क में अकेले मिल गया।

कांग्रेस की बढ़ सकती हैं मुश्किलें- टिकट बेचने के मामले में दिल्ली में एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली में चुनाव के टिकट के बदले करोड़ों मांगने के मामले में कांग्रेस से जुड़े लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हो गई है। गौरव कुमार की शिकायत पर नई दिल्ली के नार्थ एवेन्यू पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामला हरियाणा में 2024 के विधानसभा चुनाव को लेकर रेवाड़ी जिले की बावल विधानसभा सीट की टिकट बेचने का मामले से जुड़ा है। दिल्ली पुलिस के एक बड़े अधिकारी ने प्राथमिकी दर्ज करने की पुष्टि की है। दिल्ली पुलिस के नार्थ एवेन्यू थाने में दी गई शिकायत में कहा गया है कि महिला कांग्रेस की पूर्व पदाधिकारी सुचित्रा देवी ने कांग्रेस हाईकमान और गांधी परिवार पर आरोप लगाया था कि बावल सीट के टिकट के नाम पर करोड़ों रुपये की रकम ऐंठी गई। उनके पति गौरव कुमार ने इस पूरे मामले को लेकर दिल्ली पुलिस को शिकायत दी थी। गौरव कुमार ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस पार्टी के कई नामी नेताओं और उनके निजी सचिवों ने रेवाड़ी की बावल विधानसभा सीट से टिकट देने के नाम पर करोड़ों रुपये लिए, लेकिन अंत में टिकट नहीं दिया। इस पूरे मामले से जुड़े दस्तावेज और व्हाट्सएप चैट भी उन्होंने पुलिस को उपलब्ध कराए। इन दस्तावेजों में पैसे की ट्रांजेक्शन, बातचीत और टिकट देने के वादों का विवरण मौजूद है। इस शिकायत के आधार पर 26 मार्च को दिल्ली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। यह एफआईआर नॉर्थ एवेन्यू थाने में दर्ज हुई है और इसे भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 61(2), 318(4) और 316(2) के तहत दर्ज किया गया है। दिल्ली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। फिलहाल किसी भी आरोपी को गिरफ्तार करने की जानकारी नहीं मिली है। हालांकि मामले की जांच जारी है और जल्द ही इसके खुलासे की उम्मीद है। इस मामले ने राजनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ा दी है। एक तरफ जहां सुचित्रा देवी और उनके पति ने कथित भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है, वहीं कांग्रेस पार्टी ने अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। हालांकि जब सुचित्रा ने यह मुद्दा मीडिया में उठाया था तो हरियाणा कांग्रेस ने उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया था।

कांग्रेस सरकार का एंट्री टैक्स जन-विरोधी और गैर-वाजिब है, इसका हर स्तर पर विरोध किया जाएगा: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

भाजपा सारा दोष मेरे ऊपर थोपने को हमेशा तैयार रहती है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि भाजपा को इस मुद्दे पर बेबुनियाद और बेतुकी बयानबाजी से गुरेज करना चाहिए क्योंकि यह जगह केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक के अधिकार क्षेत्र के अधीन आती है। उन्होंने कहा कि जब पंजाब चंडीग ? की मांग करता है तो इसे अलगाववादी विचारधारा बताया जाता है, लेकिन दूसरी तरफ केंद्र सरकार यू.टी. चंडीग ? में कानून व्यवस्था कायम रखने के अपने फर्ज से हमेशा भागती रही है। कांग्रेस की अगुवाई वाली हिमाचल सरकार के एंट्री टैक्स लगाने के फैसले का विरोध करते हुए उन्होंने कहा कि एक तरफ 'आप' सरकार टोल टैक्स खत्म करके आम आदमी को राहत दे रही है, जबकि दूसरी तरफ ये लोग आम जनता पर अनाश्वयक टैक्स लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कदम पूरी तरह गैर-वाजिब है और इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा इसका हर स्तर पर जोरदार विरोध किया जाएगा। किसानों की चिंताओं पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं आ ?तियों की जायज मांगों को केंद्र सरकार के समक्ष उठाऊंगा क्योंकि उनकी सारी मांगें भारत सरकार से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा ये मुद्दे पहले भी बार-बार केंद्र के समक्ष उठाए गए हैं और राज्य सरकार लगातार ऐसा करती रहेगी। उन्होंने कहा कि 'आप' सरकार किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए सुचारू और मुश्किल रहित खरीद सुनिश्चित बनाने के लिए दृ ? है।

NAME CHANGE

I LATA legally mother of Army no - 2818334L, Rank - Sep, Name -Gore Dhiraj Ramdas, At - 258, Shivnagar, Vander Bholji, Post- Vander Bholji, Teh - Nandura Dist - Buldana , State- Maharashtra, Pin - 443101 have changed my name from LATA to LATABAI RAMDAS GORE for all future purposes. Vide affidavit dated 01/04/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I SHITABAI is legally mother of No. 15682594N Rank- HAV Name- GORADE PUNDLIK DATTATRAY presently residing VILL-CHANDORI, POST- CHANDORI TEH-NIPHAD DIST-NASIK (MAHARASHTRA)- 422201 have changed my name from SHITABAI to SITABAI DATTU GORADE for all future purposes, Vide Affidavit dated 02/04/2026 Before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I SUNANDA legally mother of Army no - 2810069L, Rank - SEP, Name - Chavan Sandeep Himmatrao, presently residing At - Nashik, Post- Nashik, Teh - Nashik, Dist - Nashik, State- Maharashtra, Pin - 422009 have changed my name from SUNANDA to CHAVAN SUNANDA HIMMATRAO for all future purposes. Vide affidavit dated 01/04/26 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I SHANTA legally mother of Army no - 2821558W Rank - Sep, Name - Madake Dipak Anna presently residing At - Bhalur, Post- Bhalur, Teh - Nandgaon, Dist - Nashik, State- Maharashtra, Pin - 423106 have changed my name from SHANTA to SHANTABAI ANNA MADAKE for all future purposes. Vide affidavit dated 01/04/2026 before Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mr. Minaal Chawla is the owner and in possession of a Freehold Residential Plot area measuring 1053.48 sq. mtrs. Out of Out of old Khasra no. 547 & New Khasra no. 983, 984, 985 & 979, Situated at mauja Koat Tehsil & Distt. Mathura Uttar Pradesh. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 05.02.2024, as Doc no. 3022, Vol no. 12603 Page no. 345-356 SR- Mathura-II. In the chain of documents, the Original Sale Deed dated 26.02.1990 executed by Mr. Ram Prasad, Mr. Nanik Chand & Mr. Dal Chand in favour of M/s. Kram Sanitations Pvt. Ltd. in respect of Plot area measuring 1053.48 sq. mtrs. Out of Khasra no. 547as Doc no. 9137, Vol no. 1779/1780 Page no. 457-458 SR-Mathura is not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. The said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Jhandewalan New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I RUKHMAN legally mother of Army no - 2818263L, Rank - Nk Name -Jadhav Ashok Sanjay At - Kelgaon, Post- Kelgaon Teh - Sillod, Dist - Chatrapati, Sambhajinagar , State- Maharashtra, Pin - 431112 have changed my name from RUKHMAN to JADHAV RUKHAMANBAI SANJAY for all future purposes. Vide affidavit dated 01/04/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I JADHAV SANJAY legally father of Army no - 2818263L, Rank - Nk Name -Jadhav Ashok Sanjay At - Kelgaon, Post- Kelgaon Teh - Sillod, Dist - Chatrapati, Sambhajinagar , State- Maharashtra, Pin - 431112 have changed my name from JADHAV SANJAY to JADHAV SANJAY MADHAVRAO for all future purposes. Vide affidavit dated 01/04/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, DURGA CHHETRI Wife of No- 13765784M Rank-HAV Name-DEV BAHADUR CHETTRI Presently residing at VILL-VAN TALIYA DURGA CHOWK, PO-HANUMANTAL, TEH-JABALPUR, DIST- JABALPUR, MADHYA PRADESH- 482001, have changed my name from DURGA CHHETRI to DURGA CHETTRI for all future purposes vide Affidavit dated 02/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I Dinesh Kumar S/o Raghuvar Dyal R/o E-135, THIRD FLOOR, NARAINA VIHAR, NARAINA, Naraina Village, PO:Naraina Industrial Estate, DIST:South West Delhi, Delhi, 110028 have changed my name to Dinesh Kumar Agarwal for all future purposes.

NAME CHANGE

I, KSHEETIJ KUMAR SINGH S/o Pooran Singh R/o House No.593, Sector-21-B, Faridabad-121001, Haryana, have changed my name to KSHEETIJ KUMAR permanently.

NAME CHANGE

I, SHRUTI SINGH W/o Ksheetij Kumar R/o House No.593, Sector-21-B, Faridabad-121001, Haryana, have changed my name to SHRUTI SACHAN permanently

NAME CHANGE

I, SURENDRA KUMAR S/o Inderdev Sharma R/o House No.230/5, Gali No.2, Johri Nagar Line Par, Bahadur Garh, Jhajjar, Haryana-124507, have changed my name to SURENDER SHARMA permanently

NAME CHANGE

I, CHANDRIKA MANI S/o Judavan Bhakta R/o C-125, Near Kanta Rani House, Dabri Extn., East, Delhi-110045, have changed my name to CHANDRIKA BHAKTA permanently.

NAME CHANGE

I, PANVAS DEVI w/o Chandrika Bhakta R/o C-125, Near Kanta Rani House, Dabri Extn., East, Delhi-110045, have changed my name to PANVASO DEVI permanently

NAME CHANGE

I, CHARANJIT KAUR W/o Gurjit Singh R/o K-16, 2nd Floor, Gali No.2, New Mahavir Nagar, Tilak Nagar, Delhi-110018, have changed my name to CHARANJEET KAUR permanently.

NAME CHANGE

I, GURJEET SINGH S/o Satwinder Singh R/o K-16, 2nd Floor, Gali No.2, New Mahavir Nagar, Tilak Nagar, Delhi-110018, have changed my name to GURJIT SINGH permanently.

नाम परिवर्तन

मैं परवीन, पत्नी कृष्ण अवतार कौशल, निवासी मकान नंबर 41, एक्सटेंशन 1, नांगलोई, लोकेश सिनेमा के पास, नई दिल्ली-110041, ने भविष्य के सभी उद्देश्यों के लिए अपना नाम बदलकर परवीन बाला कर लिया है

नाम परिवर्तन

मैं धनंजय पुत्र कृष्ण अवतार कोशल निवासी मकान नंबर-41, एक्सटेंशन 1 नांगलोई, नई दिल्ली-110041, ने भविष्य के सभी उद्देश्यों के लिए अपना नाम बदलकर धनंजय कौशल रख लिया है। मेरी दसवीं की मार्कशीट पर भी मेरा नाम धनंजय है जबकि मेरा नाम धनंजय कौशल है। रोल नंबर - 27023532016 वर्ष अक्टूबर 2005

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को यह सूचना दी जाती है कि श्री इदरिश पुत्र श्री शकरू, खसरा संख्या 5 में से 103.25 वर्ग गज यानि 86.36 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले मकान के मालिक थे, जो पिपलेहड़ा (मुगल गार्डन कालोनी), परगना डासना, तहसील धौलाना, जिला हापुड़, उत्तर प्रदेश में स्थित है, बिक्री विलेख दिनांक 27.05.2015 के अनुसार, दस्तावेज संख्या 4829 के अनुसार, श्रीमती शाहजहां खातून पत्नी श्री मोहम्मद द्वारा निष्पादित किया गया था और संपत्ति श्रृंखला में मूल 27.05.2015 को, श्रीमती शाहजहां खातून पत्नी श्री मोहम्मद द्वारा श्री इदरिश पुत्र श्री शकरू के पक्ष में निष्पादित किया गया था, दस्तावेज सख्या 4829 के अनुसार, खो गया है और पहले ही ऑनलाइन एफआईआर एलआर संख्या- 203351/2026, दिनाक 27.05.2015 को दर्ज की गई है। 01.04.2026, और इसे शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित किया जाना है, आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी के पास उक्त संपत्ति में कोई शुल्क / ब्याज / शीर्षक है या किसी भी प्रकार का विवाद है, तो कृपया वर्तमान तिथि से 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में नीचे हस्ताक्षरकर्ता को सूचित करें,

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE

I, KSHEETIJ KUMAR SINGH S/o Pooran Singh R/o House No.593, Sector-21-B, Faridabad-121001, Haryana, have changed my name to KSHEETIJ KUMAR permanently.

NAME CHANGE

I, SHRUTI SINGH W/o Ksheetij Kumar R/o House No.593, Sector-21-B, Faridabad-121001, Haryana, have changed my name to SHRUTI SACHAN permanently

NAME CHANGE

I, SURENDRA KUMAR S/o Inderdev Sharma R/o House No.230/5, Gali No.2, Johri Nagar Line Par, Bahadur Garh, Jhajjar, Haryana-124507, have changed my name to SURENDER SHARMA permanently

NAME CHANGE

I, CHANDRIKA MANI S/o Judavan Bhakta R/o C-125, Near Kanta Rani House, Dabri Extn., East, Delhi-110045, have changed my name to CHANDRIKA BHAKTA permanently.

NAME CHANGE

I, PANVAS DEVI w/o Chandrika Bhakta R/o C-125, Near Kanta Rani House, Dabri Extn., East, Delhi-110045, have changed my name to PANVASO DEVI permanently

NAME CHANGE

I, CHARANJIT KAUR W/o Gurjit Singh R/o K-16, 2nd Floor, Gali No.2, New Mahavir Nagar, Tilak Nagar, Delhi-110018, have changed my name to CHARANJEET KAUR permanently.

NAME CHANGE

I, GURJEET SINGH S/o Satwinder Singh R/o K-16, 2nd Floor, Gali No.2, New Mahavir Nagar, Tilak Nagar, Delhi-110018, have changed my name to GURJIT SINGH permanently.

NAME CHANGE

I, Yogendar S/O Chandar Bhan, 251, SHRI KASHIRAM JI AWAS KS, KAJIPUR, Meerut, Navinmandi, Uttar Prades 250002, have changed the name of my minor Siya Singh aged 16 years and she shall hereafter be known as Shivani Singh.

NAME CHANGE

I, PRAVINA W/o PREETOSH SHRIMALI R/O B-102 PARK VIEW SPA SECTOR-47 GURGAON HARYANA-122018 HAVE CHANGED MY NAME TO PRAVINA TIWARI ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, AAKASH S/O SATISH R/O BEHRAMPUR (100), PO-BADSHAHPUR, GURGAON, HARYANA-122101 HAVE CHANGED MY NAME TO AKASH BHATI FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I Sunil Chawdhary S/o Santram Chaudhary R/o 21-A, RAJ NIWAS MARG, OPPOSITE-CHIEF MINISTER HOUSE, Civil Lines, PO: Civil Lines, DIST: North Delhi, Delhi-110054 have changed my name to Sunil Chowdhary for all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I, HUNNY KHURANA S/o SATISH KHURANA, R/o 11/328, BLOCK-11, GEETA COLONY, DELHI-110031, declare that name of my mother has been wrongly written as SANGEETA KHURANA in my Passport No. P2824775. The actual name of my mother is USHA KHURANA respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Asha Chaurasia W/o Mr. Manoj Chaurasia is the owner and in possession of a Freehold Residential Property area measuring 200 Sq. Yds. out of Khewat/ Khata no. 1564/2676, Mu. No. 85 Kila no. 4/2, 13/2, 14, 17/1, 18, 23/1, 24/1 & Khewat/ Khata no. 1609/2734 Mu. No. 75 Kila no. 16/1, 25/2, Mu. No. 85 Kila no. 1, 11, 19, 20, 21, 22/1 Mu. No. 86 Kila no. 4/2, 5, 6, Mu. No. 91 Kila No. 1/1, 2/1 & Khewat/ Khata no. 1606/2731, Mu. No. 86 Kila no. 25/1, Mu. No. 90 Kila No. 5/2, Mu. No. 86 Kila no. 23/2, 24/2, Mu. No. 90 Kila no. 5/2 Mu. No. 90 Kila No. 4, 7/1/1 & Khewat/ Khata no. 1612/2737 Mu. No. 86 Kila no. 24/1 Situated at Waka Mauja Gauncchi Sub-Tehsil Gaunchhi Distt. Faridabad Haryana. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 31.10.2025, as Doc no. 2077 SR- Gaunchhi in the chain of documents, the Death Certificate & SMC of Late Mrs. Omwati is not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. The said property is presently financed / mortgaged with DCB Bank Ltd., Branch: Karol Bagh New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 15 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, Mohammad Usman S/o Aish Mohammad R/o P-12/1, Gali no. 17, Brahampuri, Seelampur, North East Delhi, Delhi - 110053 have changed my name to Mohd Usman for all future purpose

NAME CHANGE

I DILIP KATRE S/O DELANSINGH KATRE R/O ,C- 501 PNB APARTMENT, PLOT NO 11 SECTOR-4 DWARKA DELHI 110075 have changed my name to DILIP D KATRE Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I KAMLAISH W/O ROSHAN LAL KAURA R/O H.NO 64 , STREET NO 1-A/3 GURU NANAK NAGAR PATIALA PUNJAB 147001 have changed my name to KAMLESH KUMARI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, Gulistha Parveen W/o Mohd. Usman R/o H.no- P- 12/1, Street no. -17, Brahampuri, Delhi, North East, Delhi - 110053 have changed my name to Gulista for all future purpose

NAME CHANGE

I, RAMA DEVI Mother of No-3210947P Rank-NK Name-MUNENDRA CHAUDHRY residing at VILL-JAMALPUR SIYA, PO-AMROLI, ALIGARH, UTTAR PRADESH-202122, have changed my name from RAMA DEVI to RAJWATI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 02/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD ABBAS S/O ILYAS residing H NO-12 WARD NO-1 DR MUSKHA VALI MASJIT KE PASS SALAHERI (155) PO FEROZEPUR NAMAK MEWAT HR-122107. have changed my name to ABBAS for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD ILYAS S/O MUSHA residing H NO-12 WARD NO-1 DR MUSKHA VALI MASJIT KE PASS SALAHERI (155) PO FEROZEPUR NAMAK MEWAT HR-122107. have changed my name to ILYAS for all future purpose.

NAME CHANGE

I, No-14846751X Rank-NK/HK Name-PANDU RANGA KANAKA PRASAD A Presently residing at 9-15, BESIDE D A V PUBLIC SCHOOL, GIRI PRASAD NAGAR, PENDURTHY, VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-531173, have changed my father's name from SATYA NARAYANA A to AKULA SATYANARAYANA for all future purposes vide Affidavit dated 02/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-15734942F Rank-L/HAV Name-KOLI VINOD MADHUKAR residing at VILL-DASNUR, PO-DASNUR, TEHSIL-RAVER, DIST-JALGAON, MAHARASHTRA-425506, have changed my minor son's name from TANMAY to TANMAY VINOD KOLI for all future purposes vide affidavit dated 02/04/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-15734942F Rank-L/HAV Name-KOLI VINOD MADHUKAR residing at VILL-DASNUR, PO-DASNUR, TEHSIL-RAVER, DIST-JALGAON, MAHARASHTRA-425506, have changed my minor son's name from SAI to SAI VINOD KOLI for all future purposes vide affidavit dated 02/04/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I,Md Ashraf S/o Haji Mohammad Aslam R/o 3123, Second Floor, Gali Wakil Wali, Kucha Pandit, Delhi-110006 have changed my name to Mohammad Ashraf Khan.

NAME CHANGE

I,Mohd Ashraf S/o Haji Mohammad Aslam R/o 3123, Second Floor, Gali Wakil Wali, Kucha Pandit, Delhi-110006 have changed my name to Mohammad Ashraf Khan.

NAME CHANGE

I,Tabassum W/o Mohammad Ashraf Khan R/o 3123, Second Floor, Gali Wakil Wali, Kucha Pandit, Delhi-110006 have changed my name to Tabassum Ashraf Khan.

NAME CHANGE

I,Mohammad Ashraf Khan S/o Haji Mohammad Aslam R/o 3123, Second Floor, Gali Wakil Wali, Kucha Pandit, Delhi-110006 have changed the name of my minor son from Mohd Zayan Khan to Mohammad Zayan Khan.

NAME CHANGE

I,Amir Khan S/o Mohd Safi R/o 3725, J J Colony, Block-E, Bawana, Delhi-110039 have changed my name to Mohd Amir.

NAME CHANGE

I,Mohammad Ashraf S/o Haji Mohammad Aslam R/o 3123, Second Floor, Gali Wakil Wali, Kucha Pandit, Delhi-110006 have changed my name to Mohammad Ashraf Khan.

NAME CHANGE

I, hitherto known as RITU MATHUR W/O AKSHAY MATHUR, R/O H NO-1338, KRISHNA GALI, KUCHA HAMID BAZAR, GULIYAN, CHANDNI CHOWK, DELHI-110006, have changed my name and shall hereafter be known as RITU. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, Rajatvir Singh Chugh S/O P.S. Chugh R/O A1/34 Panchsheel Enclave New Delhi South Delhi Delhi 110017, have changed the name of my minor daughter Amara Chugh alias Amaara chugh aged 6 years and she shall hereafter be known as AMAARA CHUGH.

PUBLIC NOTICE

This is to inform/known to all that the Original Title/Ownership documents i.e. Regd. Sale Deed Dated 24.10.2008 With Document No. 13419, Book No. 1, Volume No. 1587, Pages 293 to 304 at SR-DADRI, GAUTAM BUDH NAGAR Which executed by Sh. Jagdish in favour of Sh. Satya Prakash pertaining to "Plot Of Land Area Measuring 100 Sq. Yds., Khasra No. 383, Situated at Village Haldauni, Pargana and Tehsil and District Gautam Budh Nagar,". (hereinafter referred to as 'said property') Which is owned and Possessed by Seller i.e. Kunvar Shokin S/o Sh. Ishlam Ali Who agreed to sell the same to Our Borrower i.e. Smt. Shhahnaz and same shall be funded/Mortgaged by My Client "AADHAR HOUSING FINANCE Ltd., LAXMI NAGAR BRANCH" has been lost / Misplaced Somewhere and are not traceable. Anybody who find the above said original document(s) please inform the undersigned within 7 days from the date hereof, failing which the claim(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of Mortgage on the Property. Also, If any person misuses the same for any purpose whatsoever, She / he shall be liable for the appropriate legal action against him/her at his/her own risk, cost and consequences.

Dated: 02-04-2026 Advocate Ghanshyam Singh,
Place : Delhi Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

PUBLIC NOTICE

I CHANDRAKALA D/O DEVENDRA KUMAR , BHOI MOHALLA, MARDAN CHOWK, MANDIR KE PAAS, JHALAWAR RAJASTHAN 326001 UNDERTAKE THAT I CHANDRAKALA CHANGE MY GENDER AS MALE. I CHANDRAKALA HENCEFORTH BE KNOWN AS ESHANT KUMAR S/O DEVENDRA KUMAR. THE ABOVE STATEMENT MADE BY ME IS TRUE AND CORRECT TO THE BEST OF MY KNOWLEDGE AND BELIEF. IF ANY LEGAL ISSUE ARISES IN THIS REGARD AT ANY STAGE, I WILL BE PERSONALLY RESPONSIBLE FOR THE SAME AND THE DEPARTMENT OF PUBLICATION WILL NOT BE LIABLE AS FOR ANY CONSEQUENCES ARISING THEREFROM.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि उत्तम नगर, नई दिल्ली स्थित शाखा कार्यालय वाली पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, श्रीमती परवीन को द्वितीय तल (छत के अधिकार के बिना) के क्षेत्रफल (75 वर्ग गज) के बदले ऋण सुविधा प्रदान करने का प्रस्ताव करती है। यह तल संपत्ति क्रमांक 20-21/6 और 20-21/7-8 पर बना है, जिसका क्षेत्रफल 75 वर्ग गज है और जो खसरा क्रमांक 392 के अंतर्गत आता है। यह संपत्ति मोहन गार्डन, उत्तम नगर, 20 ब्लॉक एल एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110059 के नाम से जानी जाने वाली नवादा कॉलोनी के क्षेत्र में स्थित 120 वर्ग गज भूमि में से निर्मित है; (जिसे आगे उक्त संपत्ति कहा गया है)। उक्त संपत्ति मूल रूप से श्रीमती सुशीला देवी के स्वामित्व में थी, जो कि श्री सुरेश चंद मदन द्वारा निष्पादित दिनांक 10.11.2006 के नोटरीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी (दस्तावेज संख्या 26003 दिनांक 13.11.2006 को विधिवत पंजीकृत), दिनांक 10.11.2006 के नोटरीकृत विक्रय समझौते और दिनांक 10.11.2006 के वसीयतनामा के आधार पर थी। श्रीमती सुशीला देवी का निधन 06.05.2021 को बिना वसीयत किए हो गया, और वे अपने पीछे निम्नलिखित कानूनी वारिस छोड़ गईं- 1) श्री दिलबर सिंह बिष्ट (पुत्र), 2) श्री जय सिंह (पुत्र), 3) श्री मनबर सिंह बिष्ट (पुत्र), 4) श्री पीतांबरी रावत (पुत्री) और 5) श्रीमती रेखा नेगी (पुत्री)। श्रीमती सुशीला देवी के निधन के बाद, उनके कानूनी वारिसों, अर्थात् 1) श्री मनबर सिंह बिष्ट, 2) श्री दिलबर सिंह बिष्ट और 3) श्रीमती रेखा नेगी ने खसरा संख्या 392 में स्थित उक्त भूखंड, यानी 20-21/6 और 20-21/7-8, जिसका क्षेत्रफल 75 वर्ग गज है, में अपने हिस्से को 1) श्रीमती पीतांबरी रावत और 2) श्री जय सिंह के पक्ष में दिनांक 13.06.2021 के नोटरीकृत त्यागपत्र के माध्यम से त्याग दिया है। यह सार्वजनिक सूचना उपरोक्त नोटरीकृत त्यागपत्र के संबंध में जारी की जाती है, ताकि यदि कोई दावा या आपत्ति हो तो उसे आमंत्रित किया जा सके और उक्त संपत्ति के संबंध में किसी अन्य कानूनी वारिस या दावेदार के किसी भी अधिकार, हक, हित या दावे की पुष्टि की जा सके। उक्त संपत्ति में उत्तराधिकार, विक्रय, गिरवी, ग्रहणाधिकार, पट्टा, कब्ज़ा या किसी अन्य माध्यम से किसी भी प्रकार का दावा, आपत्ति, अधिकार, हक या हित रखने वाले किसी भी व्यक्ति को इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर एडवोकेट ऋषि माहेश्वरी (मोबाइल- +91-9340118309) को सहायक दस्तावेजों सहित अपना दावा या आपत्ति प्रस्तुत करने के लिए कहा जाता है। यदि निर्धारित अवधि के भीतर कोई दावा या आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो यह मान लिया जाएगा कि उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी व्यक्ति का कोई दावा या आपत्ति नहीं है, और पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड बिना किसी और सूचना के अपने जोखिम और जिम्मेदारी पर प्रस्तावित वित्तीय सुविधा प्रदान करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगी।

ऋषि माहेश्वरी (अधिवक्ता)
कार्यालय का पता- आरजेड-29,
ऊपरी भूतल, भगवती गार्डन जैन रोड,
द्वारका मोड़ के पास, नई दिल्ली 110059।
संपर्क नंबर- +91- 9340118309

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82(2)(ii) Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विक्रम सिंह पुत्र श्री नरपत सिंह निवासी चर्च वाली गली, बुध विहार, सेक्टर-1, वैशाली, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने एफआईआर नं. **58/26, दिनांक 13.02.2026 अंतर्गत धारा 304(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता-2023, थाना पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र, पूर्व ज़िला, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विक्रम सिंह** मिल नहीं रहा/रही है, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विक्रम सिंह** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर नं. **58/26, दिनांक 13.02.2026 अंतर्गत धारा 304(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता-2023, थाना पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र, पूर्व ज़िला, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **विक्रम सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.05.2026** को **प्रातः 10:00 बजे** उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री पी. भार्गव राव
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-05
पूर्व जिला, कोर्ट नं. 03
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/4198/ED/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया है अभियुक्त नामः **दीपक गहलोत, पुत्रः वेद प्रकाश, निवासीः सी-9, डीएलएफ भोपुरा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) इसके विरुद्ध **FIR No.324/2025 U/S 304(2)/3(5) BNS** के तहत एक मामला **थाना गोकुल पुरी, उत्तर पूर्वी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **दीपक गहलोत** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **दीपक गहलोत** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा है कि **FIR No.324/2025 U/S 304(2)/3(5) BNS, थाना गोकुल पुरी, उत्तर पूर्वी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **दीपक गहलोत** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए दिनांक **28.05.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, सुश्री श्रुति सारस्वत
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03
पूर्वोत्तर जिला, कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/4257/NE/2026
(अदालती मामला)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

एचसीएस हिमांशु चौहान ने संभाला नगराधीश का पदभार

एजेंसी

हांसी। हरियाणा सिविल सेवा के 2023 बैच के अधिकारी हिमांशु चौहान ने हांसी जिले के पहले नगराधीश के रूप में अपना पदभार संभाल लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों और जिला प्रशासन के निर्देशों के अनुरूप शहर के विकास, कानून व्यवस्था और जनसेवा से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा। नगराधीश हिमांशु चौहान ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन सुनिश्चित कियाजाएगा। साथ ही विभिन्न विभागों के साथ तालमेल बनाकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा, ताकि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि शहर में स्वच्छता व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, राजस्व से जुड़े कार्यों तथा कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए संबंधित विभागों के साथ मिलकर कार्य किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि जनता को बेहतर सेवाएं उपलब्ध करवाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

आईएएस लक्षित सरीन ने संभाला हांसी जिला के अतिरिक्त उपायुक्त का कार्यभार

हांसी। नवगठित हांसी जिला के नवनियुक्त एडीसी लक्षित सरीन ने अपना पदभार संभाल लिया है। लक्षित सरीन 2021 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। इससे पूर्व वे अतिरिक्त उपायुक्त सोनीपत, अतिरिक्त उपायुक्त सिरसा, एसडीएम कालका, एसडीएम अंबाला कैंट में सेवाएं दे चुके हैं । पदभार ग्रहण करने के उपरांत एडीसी ने अपने कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक की तथा सभी को तत्परता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन से जुड़े मुद्दों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। साथ ही शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र से संबंधित जन समस्याओं के प्रभावी निवारण के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा। एडीसी ने कहा कि सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक और अधिक सुगमता एवं पारदर्शिता के साथ पहुंचाना सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए प्रशासनिक तंत्र को और अधिक मजबूत एवं जवाबदेह बनाया जाएगा।

जिले के सभी 423 प्राथमिक विद्यालयों में अभिभावक-शिक्षक बैठक का भव्य आयोजन

जींद। शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार जिले के सभी 423 प्राथमिक विद्यालयों में एक साथ अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, सीखने की प्रक्रिया और विद्यालय की गतिविधियों से जोडऩा रहा। बैठक के दौरान कक्षा बालवाटिका से कक्षा पांचवी तक के विद्यार्थियों को होलिस्टिक रिपोर्ट कार्ड प्रदान किया गया। इस कार्ड में विद्यार्थियों के पूरे वर्ष के सीखने की उपलब्धियों, व्यवहार, सहभागिता और रचनात्मकता का विस्तृत विवरण शामिल है। साथ ही, इसमें उन क्षेत्रों का भी उल्लेख किया गया है। जिनमें विद्यार्थियों को और सुधार की आवश्यकता है। यह रिपोर्ट कार्ड पारंपरिक अंकों के बजाय बच्चों की समग्र प्रगति पर आधारित है, जिससे अभिभावक अपने बच्चों की वास्तविक सीखने की स्थिति को बेहतर ढंग से समझ सकें। नोडल अधिकारी राजेश वशिष्ठ ने बुधवार को बताया कि पीटीएम के दौरान विद्यालयों में माता-पिता के लिए मनोरंजक खेल प्रतियोगिताएं, परिणाम घोषणा समारोह, होलिस्टिक कार्ड वितरण, निपुण लक्ष्य और मैं भी निपुण जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विद्यालय के शिक्षकों के साथ बच्चों की प्रगति पर चर्चा की। बैठक के साथ-साथ प्रवेश उत्सव भी मनाया गया, जिसके अंतर्गत विद्यालयों में नए विद्यार्थियों के स्वागत हेतु रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए गए।

नारनौल में अवैध गैस रिफिलिंग पर प्रशासन का कड़ा प्रहार, 167 सिलेंडर जब्त, दो एफआईआर दर्ज

नारनौल। नारनौल में अवैध गैस रिफिलिंग और घरेलू एलपीजी के दुरुपयोग के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्ती तेज कर दी है। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि खाद्य एवं पूर्ति विभाग द्वारा मार्च माह में चलाए गए विशेष अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी कर कुल 167 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। जब्त किए गए सिलेंडरों को नियमानुसार संबंधित गैस कंपनियों के पास जमा करवा दिया गया है। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि केवल सिलेंडर जब्त करना ही उद्देश्य नहीं है, बल्कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है। इसी क्रम में जिले में दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। पहली एफआईआर गांव पाली निवासी गोपाल कृष्ण के खिलाफ दर्ज हुई, जो घरेलू गैस का दुरुपयोग करते पाया गया। वहीं दूसरी एफआईआर निजामपुर स्थित वरुणा गैस वितरक के खिलाफ दर्ज की गई, जहां कार्यप्रणाली में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। डीसी ने कहा कि हरियाणा सरकार के निर्देशों के तहत यह अभियान अप्रैल माह में भी निरंतर जारी रहेगा, ताकि उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा की जा सके और अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके।

क्लस्टर मॉडल, फल उत्पादन और प्राकृतिक खेती से बढ़ेगी किसानों की आयः नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए फसल विविधीकरण, बागवानी और उच्च मूल्य वाली फसलों को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। सिविल सचिवालय में कृषि एवं बागवानी विभाग की समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में मिट्टी और जलवायु के अनुसार क्लस्टर आधारित खेती मॉडल विकसित किया जाए, जिससे किसानों को बेहतर उत्पादन और उचित मूल्य मिल सके। फल-फसल क्लस्टर पर फोकस मुख्यमंत्री ने स्ट्रॉबेरी, नींबू, अमरूद और ड्रैगन फ्रूट जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों के लिए विशेष क्लस्टर विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को उत्पादन से लेकर प्रसंस्करण और विपणन तक जोड़ा जाए, ताकि उनकी आय में ठोस बढ़ोतरी हो सके। इसके साथ ही अरहर, सोयाबीन, मूंगफली, दलहन

और गन्ने के ऊतक संवर्धन आधारित उत्पादन को भी बढ़ावा देने की बात कही।

नई संकर किस्मों पर जोर

बैठक में नरमा, सरसों, अरहर, सोयाबीन और अन्य फसलों की नई संकर एवं अधिक उत्पादन देने वाली किस्में विकसित करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों को इस दिशा में सक्रिय किया जाए, ताकि बदलते मौसम और जलवायु चुनौतियों के अनुरूप बेहतर बीज तैयार किए जा सकें।

राज्य सरकार ने 2026-27 के लिए 1.40 लाख एकड़ सेम एवं लवणीय भूमि सुधार का लक्ष्य तय किया है। मुख्यमंत्री ने जैव निकास के तहत सफेदा (यूकेलिप्टस) के पौधे लगाने पर जोर दिया, जिससे जलभराव की समस्या को प्राकृतिक तरीके से कम किया जा सके।

प्राकृतिक खेती को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक खेती को अभियान के रूप में आगे बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को जीवामृत, जैविक संसाधन और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि प्राकृतिक खेती अपनाने से उत्पादन में कमी आती है, तो सरकार किसानों की भरपाई करेगी। बैठक में कीटनाशक दवाइयों की जांच को सख्ती से लागू करने और हानिकारक रसायनों पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही एक अत्याधुनिक जैविक प्रयोगशाला स्थापित करने की योजना पर भी जोर दिया गया, जहां मिट्टी, पानी और फसलों के नमूनों की वैज्ञानिक जांच की जाएगी।

हरियाणा राज्य भंडारण निगम ने मंडियों में लगाई अधिकारियों की ड्यूटी

एजेंसी

कैथल। हरियाणा राज्य भंडारण निगम के जिला कार्यालय ने रबी विपणन सीजन के तहत गेहूं खरीद को सुचारू, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए व्यापक तैयारियां कर ली हैं। इसके तहत जिले की विभिन्न अनाज मंडियों में अधिकारियों की ड्यूटी तय कर दी गई है। किसानों को किसी प्रकार की समस्या नहीं आने दी जाएगी। जिला प्रबंधक अजय कुमार ने बुधवार को बताया कि कैथल सर्कल की प्रमुख मंडियों में जिम्मेदार अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। कैथल की पुरानी व नई अनाज मंडी तथा एक्सटेंशन मार्केट में तकनीकी सहायक बनी सिंह के नेतृत्व में पिंकी रानी और तरुण कुमार को तैनात किया गया है। कलायत मंडी की जिम्मेदारी पवन कुमार को सौंपी गई है, जबकि राजौंद और बरटा केंद्रों पर दीपक कुमार को नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार सोलू माजरा साइलो और ढांड में अंजू चौहान को प्रदीप और प्रमोद कुमार के सहयोग से प्रभार दिया गया है। फर्श माजरा और गौरां मंडी में मैनेजर विकास कुमार को नियुक्त किया है। अन्य खरीद केंद्रों में सीवन में मैनेजर यतेंद्र वीर त्यागी, जाखौली में राज कुमार और पाई व पूंडरी मंडी में राजेश कुमार को तैनात किया गया है। करोड़ा में दिलबाग, किठाना में सुरेंद्र, धनौरी में मैनेजर पवन कुमार को ड्यूटी सौंपी गई है। जिला प्रबंधक अजय कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केवल सरकार द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुरूप ही गेहूं खरीद की जाए। इसके साथ ही सभी प्रभारियों को आवश्यक उपकरणों जैसे नमी मापने वाले मीटर और बारदाना आदि के साथ मंडियों में मौजूद रहने के निर्देश दिए गए हैं ।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी गीता भारती ने संभाला हिसार मंडलायुक्त का कार्यभार

एजेंसी

हिसार। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी गीता भारती ने हिसार रेंज के मंडलायुक्त पद का कार्यभार संभाल लिया। इस अवसर पर उपायुक्त महेंद्र पाल व अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मंडलायुक्त गीता भारती ने कहा कि केंद्र व हरियाणा सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं व कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन उनकी प्राथमिकता रहेगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रशासनिक मामलों विशेषकर राजस्व कार्यों का त्वरित निपटान करने पर भी विशेष जोर रहेगा। उपायुक्त महेंद्र पाल ने मंडलायुक्त का स्वागत करते हुए कहा कि उनके विविध पदों व क्षेत्रों का कार्य अनुभव और कार्यकुशलता का हिसार जिलावासियों को काफी लाभ मिलेगा। मंडलायुक्त गीता भारती का प्रशासनिक अधिकारी के रूप में काफी लंबा अनुभव है। वे इससे पहले हरियाणा सरकार के होम-1 और होम-2 विभाग में सचिव के पद पर कार्यरत थीं। इसके अलावा वे अंबाला डिवीजन की कमिश्नर, हिसार डिवीजन की कमिश्नर, रजिस्ट्रार कोऑपरेटिव सोसायटीज, पशुपालन एवं डेयरी विभाग में सचिव, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग में निदेशक, फूड एंड सप्लाई, पब्लिक वर्क्स, पब्लिक हेल्थ और शिक्षा विभागों में भी अहम जिम्मेदारियां निभा चुकी हैं। वे एडीसी, सिटी मजिस्ट्रेट, एसडीएम और एस्टेट ऑफिसर जैसे फील्ड पदों पर भी रही हैं।

प्रदेश सरकार ने फसल बिक्री में सुनिश्चित की सुगम व्यवस्थाः राजेश नागर

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री राजेश नागर ने कहा है कि राज्य सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा-निर्देशों के तहत प्रदेश की सभी अनाज मंडियों में सरसों और गेहूं की खरीद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं सुचारू बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। मंत्री राजेश नागर जिला की सोहना अनाज मंडी का निरीक्षण कर रहे थे। उन्होंने मंडी में सरसों और गेहूं की खरीद व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मंत्री राजेश नागर ने कहा कि मंडियों में किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक सुविधाओं और व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ किया गया है, ताकि उनकी उपज का समय पर और सरल तरीके से उठान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने स्थापित हेल्प डेस्क पर दी जा रही सेवाओं, एंट्री गेट व मुख्य द्वार पर बनाए गए कक्ष, आढ़तियों के पास बारदाने की उपलब्धता तथा शिकायत रजिस्टर का भी बारीकी से निरीक्षण

आढ़तियों और किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी जानीं। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने किसानों के लिए किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों से प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। नागर ने मंडी में आने वाले किसानों के लिए अटल कैंटीन में उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की व्यवस्था की भी जानकारी ली और इसे बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। राज्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खाद्यान्न खरीद प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से वर्तमान में संचालित ई-खरीद पोर्टल को अपग्रेड किया गया है, जिसमें कई नए प्रावधान जोड़े गए हैं। उन्होंने बताया कि रबी खरीद सीजन 2026-27 के दौरान मंडियों और खरीद केंद्रों में किसान द्वारा बिक्री के लिए लाई जाने वाली गेहूं की आवक के समय, संबंधित वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर सहित फोटो कैप्चर किया जाएगा।

कुरुक्षेत्र के इतिहास और संस्कृति से आमजन का जुड़ाव जरूरी : मुख्यमंत्री नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। ।कुरुक्षेत्र के इतिहास और संस्कृति विषय पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय वैश्विक मंथन होगा। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कुरुक्षेत्र के इतिहास, संस्कृति, ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व पर इतिहासकार, शिक्षाविद्, शोधार्थी और प्रबुद्धजन चर्चा करेंगे। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में 8 से 10 अप्रैल तक कुरुक्षेत्र के इतिहास और संस्कृति पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'कुरुक्षेत्रः थ्रू द एजेस' का उद्देश्य कुरुक्षेत्र की ऐतिहासिक यात्रा को पुरातन काल से लेकर वर्तमान समय तक समझना है। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के लिए विजन कुरुक्षेत्र के अध्यक्ष मदन मोहन छाबड़ा ने सीएम आवास संत कबीर कुटीर चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को निमंत्रण सौंपा और उन्हें सम्मेलन की महत्ता के बारे मेंअवगत कराया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि गीता संदेश स्थली कुरुक्षेत्र का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व विश्वभर में

अद्वितीय है। यहां की विरासत को आमजन से जोड़ना न केवल सांस्कृतिक संरक्षण के लिए आवश्यक है, बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर स्थापित करने का भी सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुरुक्षेत्र की पहचान केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय इतिहास, दर्शन और ज्ञान परंपरा का केंद्र बिंदु है। विजन कुरुक्षेत्र के अध्यक्ष मदन मोहन छाबड़ा ने बताया कि विश्व भर से शिक्षाविद् और शोधार्थी सम्मेलन में हिस्सा लेंगे, जोकि कुरुक्षेत्र के इतिहास, संस्कृति, धार्मिक महत्व और पुरातात्विक पहलुओं पर मंथन करेंगे। इसके साथ ही कुरुक्षेत्र के प्रचार-प्रसार के नए आयाम खुलेंगे और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी पहचान को और मजबूती मिलेगी। मदन मोहन छाबड़ा ने बताया कि गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज श्रीमद्भगवत गीता के परिप्रेक्ष्य में कुरुक्षेत्र की महत्ता, धार्मिक और संस्कृति पहलुओं के साथ वर्तमान में गीता के संदेश को लेकर अपना उद्बोधन देंगे। 8 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ पर केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल शिरकत करेंगे और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा भी मौजूद रहेंगे। वहीं 9 और 10 अप्रैल को अलग-अलग सत्रों में इतिहासकार और पुरातत्वविद कुरुक्षेत्र के प्राचीनकाल इतिहास से लेकर वर्तमान कुरुक्षेत्र के विषयों पर चर्चा करेंगे।

हजूर साहिब नांदेड़ की निःशुल्क यात्रा करेंगे हरियाणा के वरिष्ठ नागरिक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत श्री हजूर साहिब नांदेड़, महाराष्ट्र के लिए 5 मई को कुरुक्षेत्र से विशेष ट्रेन रवाना होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस ट्रेन को झंडी दिखाकर प्रदेश के विभिन्न जिलों से जाने वाली संगत को रवाना करेंगे।

सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि वरिष्ठ नागरिक, जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक है और उनकी पारिवारिक आय एक लाख 80 हजार रुपए से कम है, वे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। योजना का लाभ उठाने के लिए सरल हरियाणा पोर्टल पर 15 अप्रैल तक पंजीकरण किया जा सकता है। पात्र व्यक्ति नजदीकी सीएससी सेंटर या अपने स्मार्ट फोन से सरल हरियाणा पोर्टल पर घर बैठे इस निःशुल्क यात्रा के लिए पंजीकरण कर सकते हैं । मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत आवेदन करने के लिए कुछ आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य किए गए हैं, जिनमें वैध फोटो पहचान पत्र (जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड या अन्य सरकारी आईडी), परिवार पहचान पत्र (पीपीपी), शारीरिक रूप से यात्रा के लिए फिट होने की स्वयं घोषणा तथा पिछले तीन वर्षों में योजना का लाभ न लेने की घोषणा शामिल है। उन्होंने पात्रता की जानकारी देते हुए बताया कि

- **15 अप्रैल तक कराएं सरल पोर्टल पर पंजीकरण**
- **सीएम 5 मई को कुरुक्षेत्र से रवाना करेंगे रेलगाड़ी**

आवेदक का हरियाणा का निवासी होना और परिवार पहचान पत्र होना अनिवार्य है। इस योजना के तहत यात्रियों के रहने, खाने और स्थानीय परिवहन की पूरी व्यवस्था सरकार द्वारा अपने स्तर पर की जाएगी।

नारनौल में नशे के खिलाफ युवाओं का हुंकार, शहर में निकली विशाल जागरूकता रैली

एजेंसी

नारनौल। नारनौल में युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशाल नशा मुक्ति जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ उपमंडल अधिकारी (नागरिक) अनिरुद्ध यादव (आईएएस) ने हरी झंडी दिखाकर किया। कार्यक्रम की शुरुआत में उप जिला शिक्षा अधिकारी दिलबाग सिंह और डीओसी कब टेकचंद यादव ने एसडीएम को संस्था का स्कार्फ और वोगल पहनाकर सम्मानित किया।

रैली को संबोधित करते हुए एसडीएम ने नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि यह पूरे परिवार की आर्थिक स्थिति और सामाजिक ताने.बाने को भी कमजोर कर देता है।

उन्होंने सभी से आह्वान किया कि नशा मुक्त हरियाणा के संकल्प को साकार करने के लिए समाज के हर वर्ग को एकजुट होकर प्रयास करने होंगे। इस दौरान उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों और नागरिकों को सामूहिक रूप से नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। रैली स्थानीय लघु सचिवालय से शुरू होकर शहर के

विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। इसमें स्काउट्स, गाइड्स, कब और बुलबुल के विद्यार्थियों ने 'नशा के विरुद्ध एक जंग-हम सब का यह संकल्प' और 'हम सब ने यह ठाना है-हरियाणा को नशा मुक्त बनाना है' जैसे जोशीले नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। इस जागरूकता अभियान में राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय पटीकरा, पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल पुल बाजार, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल और भारती पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों व शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मानसून से पहले बाढ़ सुरक्षा को लेकर पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करें अधिकारी : डीसी

एजेंसी

कैथल। डीसी अपराजिता ने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी आगामी मानसून से पहले बाढ़ सुरक्षा को लेकर पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करें। सभी ड्रेन, नालों एवं नहरों की समय रहते सफाई सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा विभिन्न नहरों एवं एसटीपी आदि पर चल रहे कार्यो को निर्धारित समय सीमा में हर हाल में पूरा किया जाए, ताकि बरसात के दौरान किसी भी प्रकार की बाढ़ जैसी स्थिति से बचा जा सके। सभी एसडीएम अपने स्तर पर भी बैठक करें और अपने-अपने क्षेत्र में बाढ़ सुरक्षा को लेकर चल रहे कार्यो की निगरानी रखें और उन्हें प्राथमिकता के साथ पूरा करवाएं।डीसी अपराजिता लघु सचिवालय के सभागार में डिस्ट्रिक्ट फ्लड कंट्रोल बोर्ड की बैठक में आवश्यक दिशा निर्देश दे रहीं थीं। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी शॉर्ट टर्म फ्लड प्रोटेक्शन कार्य स्वीकृत किए जा चुके हैं और इनके टेंडर भी जारी हो चुके हैं। इन कार्यों को 10 अप्रैल से शुरू करके, उन्हें जल्द पूरा करवाएं। डीसी अपराजिता ने कहा कि घग्गर नदी पर पंप हाउस के निर्माण कार्य और सरस्वती नदी पर दो गेट लगाने की योजना पर जल्द काम शुरू करवाया जाए। इसके अलावा सभी परियोजनाओं को शॉर्ट टर्म, मीडियम टर्म और लांग टर्म श्रेणियों में विभाजित कर उनकी नई रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

रेवाड़ी में 16 अप्रैल से जनगणना की शुरुआत, अब घर बैठे ऑनलाइन भी दे सकेंगे जवाब

एजेंसी

रेवाड़ी। रेवाड़ी जिले में 16 अप्रैल से जनगणना का पहला चरण शुरू होने जा रहा है, जो 20 अप्रैल तक चलेगा। इस चरण में नागरिकों को पहली बार घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से अपनी जानकारी देने का विकल्प मिलेगा।

उपायुक्त अभिषेक मीणां ने जिला सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत में बताया कि पहले चरण में हाउस होल्डर से घर और परिवार की स्थिति से जुड़े कुल 31 सवाल पूछे जाएंगे। जो लोग ऑनलाइन माध्यम से जवाब देंगे, उन्हें एक यूनिक कोड प्राप्त होगा।

जनगणना के लिए घर पर आने वाले एनुमेनेटर को यह कोड दिखाना होगा। यदि कोई व्यक्ति ऑनलाइन जवाब नहीं देता है, तो उसे एनुमेनेटर को सीधे सभी सवालों के जवाब देने होंगे। प्रशासन द्वारा नियुक्त किए जाने वाले हर एनुमेनेटर को भी एक विशेष कोड दिया जाएगा। इस कोड को स्कैन कर नागरिक उसकी पहचान की पुष्टि कर सकेंगेए जिससे फर्जीवाड़े की संभावना को खत्म किया जा सकेगा। उपायुक्त ने बताया कि एक मई से 31 मार्च तक पहले

चरण का दूसरा भाग चलेगा, जिसमें एनुमेनेटर घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करेंगे।

वहीं, जनगणना का दूसरा चरण अगले वर्ष मार्च में शुरू होगा। ऑनलाइन जवाब देने वालों के यहां एनुमेनेटर केवल कोड सत्यापित कर आगे बढ़ जाएंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि अपनी व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा के लिए ऑनलाइन विकल्प का अधिक से अधिक उपयोग करें।

NAME CHANGE

I, Janim W/o Mohd Lakkhu Khan R/o 27/1, Nizampur Nuh (107), PO: Nuh, Dist: Mewat, Haryana - 122107, have changed my name and shall hereafter be known as Jainam

Public Notice

I ANJALI D/O SURESH KUMAR R/O MAKAN NO-491,HIGH SCHOOL KE PASS WARD NO-17, GHARAUNDA KARNAL, HARYANA 132114 UNDERTAKE THAT I ANJALI CHANGE MY GENDER AS MALE. I ANJALI HENCEFORTH BE KNOWN AS ANSH S/O SURESH KUMAR. THE ABOVE STATEMENT MADE BY ME IS TRUE AND CORRECT TO THE BEST OF MY KNOWLEDGE AND BELIEF. IF ANY LEGAL ISSUE ARISES IN THIS REGARD AT ANY STAGE, I WILL BE PERSONALLY RESPONSIBLE FOR THE SAME AND THE DEPARTMENT OF PUBLICATION WILL NOT BE LIABLE AS FOR ANY CONSEQUENCES ARISING THEREFROM.

गुरुग्राम पुलिस ने फिलीपींस एवं कंबोडिया से संचालित साइबर ठगी के गिरोह का किया पर्दाफाश

एजेंसी

गुरुग्राम। फिलीपींस एवं कंबोडिया से संचालित साइबर ठगी के गिरोह का गुरुग्राम पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से पुलिस ने अवैध सिम बॉक्स भी बरामद किए हैं। आरोपियों के पास चीन, नेपाल व बिहार रूप से अवैध उपकरणों की सप्लाई होती थी। उनके जरिये ही वे कॉल डायवर्ट कर साइबर ठगी को अंजाम देते थे।जानकारी के अनुसार साइबर अपराध पश्चिम गुरुग्राम में मकान मालिकों की शिकायत पर एवं साइबर थाना दक्षिण गुरुग्राम में साइबर ठगी की शिकायत पर केस दर्ज किया गया था। मकान मालिकों द्वारा बताया गया कि उनके किरायेदारों द्वारा उनके मकानों में अवैध रूप से सिम बॉक्स का संचालन किया जा रहा है। जिसका उपयोग अनाधिकृत दूरसंचार गतिविधियों व साइबर अपराध को अंजाम देने में किया जा सकता है। इन शिकायतों पर पुलिस थाना साइबर अपराध पश्चिम गुरुग्राम में चार अलग-अलग केस तथा साइबर दक्षिण गुरुग्राम में एक केस दर्ज किया गया।सहायक पुलिस आयुक्त साइबर अपराध प्रियांशु दीवान के नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई। पुलिस टीमों द्वारा शिकायतकर्ताओं को साथ लेकर संबंधित स्थानों यू-ब्लॉक गुरुग्राम, चकरपुर गुरुग्राम में छापेमारी की गई। इस दौरान अलग-अलग कमरों/स्थानों से अवैध रूप से संचालित 13 सिम बॉक्स, सात वाईफाई, टैपो कैमरा विद हुमन डिटेक्शन, सात वाई-फाई राउटर्स, सात इनवर्टर, 30 बैटरी, 29 अन्य टैपो वाई-फाई स्विचस, 28 इथरनेट वायर, 504 सिम कार्ड, एक रेलवे टिकट व एक चाइना कार्टून बॉक्स बरामद किये गये। जांच के दौरान तकनीकी सहायता, मोबाइल नंबरों, डिजिटल साक्ष्यों व अन्य सुरागों के आधार पर पुलिस की अलग-अलग टीमों द्वारा इस वारदात में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राहुल कुमार निवासी जिला कासगंज (उत्तर-प्रदेश), यश अमृत सिंह डुगर निवासी जिला अहमदाबाद (गुजरात), भाविका रमेश भगचंदानी निवासी जिला कच्छ (गुजरात), लितेश निवासी जलगांव (महाराष्ट्र) और सागर निवासी जलगांव (महाराष्ट्र) के रूप में हुई है।

बाजार में रीफर्बिश्ड फोन की मांग बढ़ी, खर्च के प्रति उपभोक्ता सतर्क

–स्मार्टफोन की कीमतें बढ़ी, कुछ मॉडल 30 फीसदी तक हुए महंगे

नई दिल्ली, ।

देश के स्मार्टफोन बाजार में रीफर्बिश्ड फोन की हिस्सेदारी बढ़ने की उम्मीद है। वैश्विक अनिश्चितता की वजह से प्रतिकूल व्यापक आर्थिक हालात के बीच नए फोनों की कीमतें बढ़ रही हैं और खर्च के प्रति उपभोक्ता सतर्क हैं। इसके शुरुआती संकेत पहले से ही दिखाई देने लगे हैं। एक रिसर्च ने कहा था कि देश में स्मार्टफोन की बिक्री इस साल के पहले नौ हफ्तों में 9 फीसदी घट गई, क्योंकि पिछले चार से पांच महीने में मेमरी की लागत चार गुना हो गई है। इससे फोन की कीमतें 15 से 20 फीसदी तक बढ़ गई हैं। कुछ मॉडल तो 30 फीसदी तक महंगे हुए हैं।रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2026 में डीलरों को भेजी जाने वाली कुल खेपों में साल 2025 की तुलना में 10 फीसदी की गिरावट आ सकती है और इसके 13.9 करोड़ रहने का अनुमान है। साल 2025 में वर्ष 2024 की तुलना में खेपों में कोई खास अंतर नहीं आया। रिपोर्ट के मुताबिक रुपए में कमजोरी और पश्चिम एशिया में संघर्ष से व्यापक आर्थिक दिक्कतें खड़ी हो रही हैं। अगर यह एक महीना या उससे ज्यादा तक जारी रहा तो अनुमानों में और कटौती हो सकती है, क्योंकि मार्च से उपभोक्ताओं की खरीद का मनोबल कमजोर होने लगा है। उन्होंने कहा कि अधिकांश ब्रांडों ने हाल के हफ्तों में कीमतों में वृद्धि का बोझ उपभोक्ताओं पर डाला है। 'हम सुन रहे हैं कि दूसरी तिमाही अधिकांश ब्रांडों के लिए बहुत कठिन अवधि होगी और निकट भविष्य में सुधार के कोई संकेत नहीं हैं। शायद चौथी तिमाही या उसके बाद ही ऐसा हो, क्योंकि मेमरी की कमी कम से कम डेढ़ साल तक बनी रहने की आशंका है।आईडीसी इंडिया में एसोसिएट उपाध्यक्ष ने कहा कि डीलरों को भेजी जाने वाली स्मार्टफोन की खेप में तेज गिरावट शायद वैश्विक महामारी के बाद दूसरी ऐसी घटना हो सकती है, जब ज्यादा इनपुट लागत के शुरुआती झटके को वैश्विक पर महसूस किया गया था। उन्होंने कहा कि ब्रांड इस बात पर

विचार कर रहे हैं कि मॉडल लाने में देरी करें या कम स्पेसिफिकेशन्स वाले फोन पेश करें।

एयरलाइन कंपनियां एक-तिहाई रुपया ईंधन पर कर रही खर्च, टिकटों पर होगा असर

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया संकट के कारण बुधवार को भारतीय घरेलू एयरलाइनों के लिए एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में 8.5 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए पिछले महीने की तुलना में कम वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 2015-16 से वित्त वर्ष 2025 तक भारतीय विमानन उद्योग ने 70,515 हजार टन एटीएफ का उपभोग किया है। यह प्रति विमान औसतन 11 हजार टन है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2016 से 2025 के दौरान प्रति विमान एटीएफ की खपत में कमी आई है, जो विमानन क्षेत्र में धीरे-धीरे दक्षता सुधार को दर्शा रही है। भारत के विमानन उद्योग की लागत संरचना में विमान ईंधन और तेल का हिस्सा वित्त वर्ष 2016 में 30 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 39 फीसदी हो गया। भारत की प्रमुख एयरलाइन कंपनियां परिचालन की कुल लागत का कम से कम एक-तिहाई पैसा ईंधन पर खर्च कर रही हैं। ईंधन मार्केटिंग कंपनियों ने बुधवार को एटीएफ की कीमतों में वृद्धि कर दी। तेल कीमतों में पिछले साल मार्च के बाद यह सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई।

कंपनियों के लिए सिम बाध्यता से जुड़े निर्देशों पर अमल करने की समयसीमा बढ़ी

नई दिल्ली, ।

सरकार ने कंपनियों के लिए सिम की बाध्यता से जुड़े निर्देशों पर अमल करने की समयसीमा दिसंबर तक बढ़ा दी है। अलबत्ता दूरसंचार विभाग से कोई आधिकारिक अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस कदम से व्हाट्सऐप, टेलीग्राम जैसे ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म के साथ-साथ मेटा और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियों और डिवाइस विनिर्माताओं को मदद मिलेगी, जिन्होंने तकनीकी चुनौतियों का हवाला देते हुए इस निर्देश को लागू करने पर चिंता जताई थी। सूत्रों ने बताया कि सिम-बाइंडिंग के लिए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने शुरुआत तो की थी, लेकिन छोटे स्तर पर।बता दें दूरसंचार विभाग ने 28 नवंबर को निर्देश जारी किए थे। इसमें व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और सिग्नल जैसी ऐप-आधारित संचार सेवाओं को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा था कि देश में ऐप-आधारित संचार सेवाएं प्रदान करने वाले प्लेटफॉर्म के लिए सिम-बाइंडिंग हो। इसका मतलब था कि ओटीटी ऐप को किसी डिवाइस पर चलाने के लिए हमेशा ही केवाईसी सत्यापित किसी फिजिकल सिम की जरुरत होगी। इस निर्देश में पहचान या सेवा वितरण के लिए मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल भी अनिवार्य किया था।

सरकार ने की पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर 30 जून तक सीमा शुल्क में पूरी छूट की घोषणा

नई दिल्ली, ।

सरकार ने गुरुवार को पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते पैदा हुई दिक्कतों से घरेलू निर्माताओं को राहत देने के लिए कई अहम पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर 30 जून 2026 तक सीमा शुल्क में पूरी छूट की घोषणा की। सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक प्लास्टिक, पैकेजिंग, टेक्सटाइल, फार्मा, केमिकल, ऑटो कंपोनेंट्स और अन्य मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों के उद्योगों को इससे बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है, जिसका फायदा आगे चलकर तैयार उत्पादों के उपभोक्ताओं तक भी पहुंचेगा। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह कदम अस्थायी और लक्षित राहत के रूप में उठाया गया है, ताकि घरेलू उद्योग के लिए आवश्यक पेट्रोकेमिकल कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके, डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों पर लागत दबाव कम किया जा सके और देश में आपूर्ति की स्थिरता बनी रहे।बयान के मुताबिक यह छूट कई प्रमुख पेट्रोकेमिकल फीडस्टॉक, मोनोमर, इंटरमीडिएट, पॉलिमर और रेजिन पर लागू होगी, जो रोजमर्रा के इस्तेमाल होने वाले अनेक उत्पादों के निर्माण के लिए आधार सामग्री का काम करते हैं। इनमें एनहाइड्रस अमोनिया, टोल्यून, स्टाइरीन, मेथनॉल, आइसोप्रोपाइल अल्कोहल, एसीटिक एसिड, फिनोल और मोनोएथिलीन ग्लाइकॉल जैसे बेसिक केमिकल शामिल हैं। इसके अलावा विनाइल क्लोराइड मोनोमर, विनाइल एसीटेट मोनोमर, प्यूरिफाइड टेरेफ्थेलिक एसिड, एथिलीनडायमीन, टोल्यून डाय-आइसोसाइनेट और लिनियर अल्काइलबेंजीन जैसे महत्वपूर्ण इंटरमीडिएट भी इसमें शामिल हैं।

भारतीय रुपया 12 साल में बढ़त से सबसे मजबूत, 93.25 पर पहुंचा

–आरबीआई ने करेंसी में सट्टेबाजी पर अपनी कार्रवाई तेज की

नई दिल्ली, ।

भारतीय रुपया 12 साल में गुरुवार को सबसे बड़ी बढ़त के साथ मजबूत हुआ। इसकी मुख्य वजह यह रही कि बैंकों की स्थानीय मुद्रा स्थितियों पर सीमाएं सख्त करने के कुछ दिनों बाद भारतीय रिजर्व बैंक ने ऑफशोर डेरिवेटिव मार्केट पर प्रतिबंधों का विस्तार करके करेंसी में सट्टेबाजी पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी। तीन दिन की छुट्टी के बाद कारोबार शुरू होने पर रुपया डॉलर के मुकाबले 1.7 फीसदी तक मजबूत होकर 93.25 पर पहुंच गया, जो सितंबर 2013 के बाद सबसे बड़ी तेजी है। यह तेजी ऐसे समय आई है जब एशियाई देशों की ज्यादातर मुद्राएं कमजोर बनी हुई थीं। इसी बीच ट्रंप ने पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के संकेत दिए, जिससे वैश्विक बाजारों में दबाव बना रहा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कच्चे तेल की कीमतों में जोरदार उछाल देखा गया। ब्रेंट क्रूड 5.24 फीसदी बढ़कर 106.47 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि यूएस डब्ल्यूटीआई क्रूड 4.5 फीसदी चढ़कर 104.64 डॉलर प्रति बैरल हो गया। एशियाई शेयर बाजारों में भी गिरावट देखने को मिली। निक्केई, हैंग सेंग और कोस्पी में 3 फीसदी तक की गिरावट आई। घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत भी कमजोर रही, जहां सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में 2 फीसदी तक गिर गए। मुद्रा बाजार सोमवार से बंद थे। 31 मार्च को महावीर जयंती, 1 अप्रैल को नए वित्त वर्ष की शुरुआत के कारण मुद्रा बाजार बंद रहे और 3 अप्रैल को भी गुड

फ्राइडे के कारण बाजार बंद रहेंगे।

आरबीआई ने बैंकों को रुपए से जुड़े नॉन-डिलीवेरेबल फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स ऑफर करने से रोक दिया है। साथ ही, कंपनियों को कैंसिल किए गए फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स को दोबारा बुक करने की अनुमति भी नहीं दी है। इससे पहले आरबीआई ने बैंकों की नेट ओपन रुपए पोजिशन पर 100 मिलियन डॉलर की सीमा तय की थी। इसके अलावा बैंकों को अपने संबंधित पक्षों के साथ विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट करने से भी मना किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के पास 700 अरब डॉलर से ज्यादा का विदेशी मुद्रा भंडार है,

जो सट्टेबाजी को रोकने और जरूरत पड़ने पर बाजार में हस्तक्षेप कर रुपए को स्थिर रखने के लिए पर्याप्त है।

एलपीजी संकट के बीच रेस्तरां उद्योग करीब 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता

नई दिल्ली ।

वाणिज्यिक तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलिंडरों की आपूर्ति तंग होने के बीच रेस्तरां उद्योग करीब 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान उठा सकते हैं। इसकारण कई रेस्तरां अपने आउटलेट बंद कर रहे हैं या फिर कारोबार चलाने के नाम पर काफी कम व्यंजन ही परोस पा रहे हैं। नैशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा किए गए आंतरिक सर्वेक्षण के अनुसार रेस्तरां उद्योग को प्रति माह 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है, क्योंकि उत्पादन से जुड़ी गतिविधियां 15-20 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। देश भर में 5 लाख से अधिक रेस्तरां का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्योग संगठन के अनुसार देश के करीब 10 प्रतिशत रेस्तरां अस्थायी रूप से बंद हुए हैं, जबकि 60-70 प्रतिशत इंडक्शन स्टोव और वैकल्पिक ईंधनों के सहारे चल रहे हैं। रेस्तरांओं में काम कम हो गए हैं और व्यंजनों की सूची छोटी हो गई है। डोमिनोज और पोपयेज का संचालन करने वाली जुबिलेंट फूडवर्क्स ने कहा कि देश भर में व्यावसायिक एलपीजी के वितरण में आपूर्ति संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। इसमें कहा गया है,'कंपनी के स्टोर नेटवर्क के कुछ हिस्सों में एलपीजी सिलिंडरों की आपूर्ति बाधित हुई है कंपनी एलपीजी संरक्षण के लिए कई कदम उठा रही है और बिजली और पाइपलाइन प्राकृतिक गैस (पीएनजी) जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ने के लिए अथक प्रयास कर रही है।'

सूत्रों के अनुसार कई बड़ी क्यूएसआर श्रृंखलाएं एक विशेष क्षेत्र में सक्रिय स्टोरों की संख्या कम कर रही हैं। एक रेस्तरां कारोबारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया,'कई रेस्तरां कारोबार 50 प्रतिशत क्षमता पर चल रहे हैं। अगर उनके एक इलाके में तीन स्टोर हैं, तब वे एक को अस्थायी रूप से बंद कर रहे हैं, दूसरे में काम के घंटे कम कर रहे हैं और तीसरा पहले की तरह ही चालू है।' खबरों के अनुसार, बाहर खाना खाने के रुझान में 8-10 प्रतिशत की गिरावट आई है और विकल्प सीमित होने के कारण प्रति ग्राहक औसत खर्च में भी 6-8 प्रतिशत की कमी आई है। कई इलाकों में सिलिंडरों की कालाबाजारी से ऊंची कीमतों पर खरीद के मामले भी सामने आए हैं। रेस्तरां उद्योग सेवा क्षेत्र में खुदरा और बीमा के बाद तीसरा सबसे बड़ा उद्योग है जिसका 2026 में अनुमानित कारोबार 6.46 लाख करोड़ रुपये है

और यह 80 लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करता है। एनआरएआई का अनुमान है कि अगर संकट अनसुलझा रहता है, तो इस क्षेत्र में मौजूदा व्यवधान के कारण 5-7 लाख नौकरियां जा सकती हैं।

क्रिसिल और केयरएज रेटिंग एजेंसियों की दूसरी छमाही में रेटिंग अनुपातों में नरमी

–पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच उद्योग जगत के बही खातों की मजबूती का पता चलेगा

नई दिल्ली, ।

क्रिसिल और केयरएज जैसी रेटिंग एजेंसियों ने वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही की तुलना में दूसरी छमाही में रेटिंग अनुपातों में नरमी की सूचना दी है। उनका कहना है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से भारत के उद्योग जगत के बही खातों की मजबूती का पता चल सकेगा। इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 की तुलना में वित्त वर्ष 2026 में अपग्रेड से डाउनग्रेड का अनुपात गिर गया। बहरहाल, आईसीआरए ने कहा कि ऋण अनुपात वित्त वर्ष 2025 के 2.0 गुना की अपेक्षा वित्त वर्ष 2026 में सुधरकर 3.1 गुना हो गया। इससे 388 अपग्रेड के मुकाबले 124 डाउनग्रेड हुआ।रेटिंग एजेंसी ने कहा कि चूक दर 0.4 फीसदी पर कम बनी हुई है और यह अनुकूल ऋण स्थितियों का संकेत देती है। ऋण अनुपात रेटिंग अपग्रेड से डाउनग्रेड का अनुपात है। यह वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में ऋण अनुपात सुस्त होकर 1.50 गुना हो गया जबकि यह पहली छमाही में 2.17 गुना था। इस अवधि में कुल मिलाकर रेटिंग 383 अपग्रेड और 255 डाउनग्रेड हुईं। क्रिसिल ने

बताया कि डाउनग्रेड दर 7.0 फीसदी तक बढ़ गई और यह 10 साल के औसत से थोड़ी ज्यादा है। नतीजतन ऋण अनुपात में नरमी आई। इसमें शुल्क-संबंधित अनिश्चितताओं के कारण निर्यात पर अधिक निर्भरता वाली कंपनियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। केयर एज रेटिंग्स ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में ऋण अनुपात 1.93 गुना रहा, जो पहली छमाही में देखे गए 2.56 गुना से कम है। केयर एज रेटिंग्स ने बताया कि डाउनग्रेड दर 7 फीसदी है

और यह 10 फीसदी के दीर्घकालिक औसत से नीचे बनी हुई है।

तेल की कीमतों में उछाल और महंगाई के खतरा को देख चीनी बैंक हुआ सतर्क

-मार्च महीने में बैंक ने 1140 अरब युआन निकाले, यह ड्रैगन की रणनीति

नई दिल्ली, ।

चीन के केंद्रीय बैंक ने ऐसा कदम उठाया है जिसने दुनिया भर के बाजारों का ध्यान खींचा है। करीब एक साल तक लगातार बाजार में पैसा डालने के बाद पहली बार बैंक ने उल्टा रास्ता अपनाते हुए सिस्टम से पैसा वापस खींच लिया है। मार्च महीने में बैंक ने कुल मिलाकर करीब 1140 अरब युआन की तरलता (कैश) बाहर निकाल ली। यह कदम अचानक उठाया गया, लेकिन इसके पीछे एक बड़ी रणनीति है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ समय तक चीन की अर्थव्यवस्था सुस्ती से जूझ रही थी, इसलिए सरकार और केंद्रीय बैंक मिलकर बाजार में पैसा डाल रहे थे ताकि कारोबार को सहारा मिले, लेकिन अब तस्वीर बदलती दिख रही है। साल की शुरुआत में ही अर्थव्यवस्था ने रफ्तार पकड़ी है। इसी बीच ईरान युद्ध के कारण तेल की कीमतों में उछाल आया है, जिससे महंगाई बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। यही वजह है कि अब बैंक सतर्क हो गया है और बिना जरूरत ज्यादा पैसा डालने से बच रहा है।रिपोर्ट के मुताबिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम बताता है कि चीन का केंद्रीय बैंक फिलहाल बाजार को ÷पैसों से भरने÷ के मूड में नहीं है। बैंक यह संकेत देना चाहता है कि सिस्टम में पहले से ही पर्याप्त पैसा मौजूद है और अभी अतिरिक्त मदद की जरूरत नहीं यानी बैंक अपनी ताकत बचाकर रखना चाहता है ताकि भविष्य में अगर हालात बिगड़ते हैं तो वह तुरंत कदम उठा सके। दिलचस्प बात यह है कि इतनी बड़ी रकम निकालने के बावजूद ब्याज दरों में कोई हलचल नहीं दिखी। बाजार में ओवरनाइट कर्ज की दर करीब 1.3फीसदी के आसपास ही बनी हुई है। इसका मतलब साफ है कि भले ही पैसा निकाला गया हो, लेकिन आर्थिक माहौल अभी भी स्थिर और संतुलित बना हुआ है।हालांकि अभी बैंक सतर्क नजर आ रहा है, लेकिन कई विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले समय में हालात बदल सकते हैं। अगर महंगाई का असर ज्यादा नहीं बढ़ा या आर्थिक दबाव फिर से बढ़ा तो बैंक ब्याज दरें घटा सकता है या बैंकों के लिए नकद रिजर्व नियमों में ढील दे सकता है यानी अभी खेल खत्म नहीं हुआ। चीन का केंद्रीय बैंक फिलहाल एक संतुलित और सोच-समझकर कदम उठा रहा है। न तो वह अर्थव्यवस्था को झटका देना चाहता है और न ही बेवजह ज्यादा पैसा डालना चाहता है। यह एक तरह का संकेत है कि हालात पर नजर रखी जा रही है और सही समय आने पर ही बड़ा कदम उठाया जाएगा। अब सबकी नजर इस पर टिकी है कि आने वाले महीनों में चीन की अगली चाल क्या होगी।

2 लाख केला उत्पादक किसानों को भारी नुकसान

- जलगांव में केले की कीमत घटी, मात्र 25 फीसदी रह गई

जलगांव।

महाराष्ट्र के जलगांव जिले में केला उत्पादक किसानों को इस समय भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। देश के दूसरे सबसे बड़े केला उत्पादक क्षेत्र के रूप में पहचान रखने वाले जलगांव में करीब 2 लाख किसान सीधे तौर पर इस खेती से जुड़े हैं।

लेकिन निर्यात प्रभावित होने और बाजार में मांग घटने के कारण केले की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है।जानकारी के अनुसार पहले जो केला 1600 रुपये प्रति क्विंटल तक बिक रहा था,

उसकी कीमत घटकर करीब 400 रुपये प्रति क्विंटल रह गई है। यानी किसानों को उनकी उपज का केवल 25 फीसदी दाम ही मिल पा रहा है।

उत्पादन लागत, मजदूरी और परिवहन खर्च निकालने के बाद किसानों के लिए लागत निकालना भी मुश्किल हो गया है।निर्यात पर असर और परिवहन खर्च में बढ़ोतरी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

कई किसानों का कहना है कि यदि जल्द राहत नहीं मिली तो उन्हें भारी कर्ज का सामना करना पड़ेगा। प्रशासन से उचित समर्थन मूल्य और निर्यात में सहूलियत देने की मांग तेज हो गई है।

मशहूर चाय कंपनी गुडरिक अब बेचेगी घी और पनीर, यह ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को मिलेगा

–कंपनी प्रबंधक बोले– हम आम श्रेणी में काम नहीं करना चाहते, हमारा ध्यान प्रीमियम क्षेत्र पर

नई दिल्ली, ।

गुडरिक ग्रुप अब चाय के प्याले से आगे की योजना बना रही है। गुडरिक ब्रांड के तहत घी और पनीर जैसे उत्पाद जल्द ही बाजार में आने वाले हैं। गुडरिक के बैनर तले 'ए2' घी पहला ऐसा गैर-चाय वाला ब्रांडेड उत्पाद होगा, जो अगले महीने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर मिलने लगेगा। गुडरिक ग्रुप के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्य अधिकारी शैबल दत्त ने बताया कि हम भीड़भाड़ वाली आम श्रेणी में काम नहीं करना चाहते, हमारा ध्यान प्रीमियम क्षेत्र पर है। यह उत्पाद ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और हमारी अपनी वेबसाइट के जरिये गुडरिक ब्रांड के तहत बेचा जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक इस पहल के तहत दुआर्स में कंपनी के लखीपाड़ा चाय बागान में करीब 150 गायें हैं। दत्त ने कहा कि हमारे बागान में करीब 70 हेक्टेयर खाली जमीन थी, जिसका इस्तेमाल अब डेरी परियोजना के लिए किया जा रहा है। साल 2026 के अंत तक गायों की संख्या बढ़कर करीब 180 हो जाएगी और अगले पांच सालों में यह संख्या 500 तक बढ़ाने का लक्ष्य है। घी के बाद डेरी पोर्टफोलियो से पेश होने वाला अगला उत्पाद पनीर होगा। उन्होंने बताया कि हम अभी भी दूध और उसे पेश किए जाने वाले स्वरूप पर विचार कर रहे हैं, कि वह पाउच में होगा या बोतलों में ताजा दूध के रूप में होगा, लेकिन इसके लिए कोल्ड चेन में निवेश की जरुरत होगी। इसलिए हम अब भी अपने विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

शहद और काली मिर्च कभी गुडरिक के दार्जिलिंग टी लाउंज, मार्गरिट्स डेक में सीमित तरीके से बेचे जाने वाले गैर-चाय उत्पादों में शामिल थे। अलबत्ता ये बिना ब्रांड वाले थे। गुडरिक की गैर-चाय वाली अपनी जमीन का लाभ उठाने की योजना पिछले साल

कंपनी की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों को बताई थी। कंपनी प्रबंधन ने कहा था कि वह अपनी भूमि परिसंपत्तियों का उपयोग करके विविध कृषि और आतिथ्य उद्यम तलाश रहा है। इनमें से हल्दी, लहसुन, अदरक, मशरूम के साथ-साथ डेरी और सूअर पालन जैसी शुरुआती परियोजनाएं विकास चरण में हैं।

इस कदम का उद्देश्य असम, दार्जिलिंग और दुआर्स में फैले चाय बागानों पर कंपनी की निर्भरता कम करना भी है। यह उद्योग बढ़ती लागत और कीमतों में स्थिरता से जूझ रहा है।

पिछले साल गुडरिक ने दो बागान बेचे, कुछ और पर भी विचार हो रहा है। ब्रांडेड चाय की गुडरिक के राजस्व में करीब 23 फीसदी हिस्सेदारी है और निर्यात का हिस्सा 5 फीसदी है। ये दोनों कारोबार में ज्यादा मुनाफे वाले हिस्से हैं।

नक्सलवाद के अंत की ओर बढ़ता भारत सुरक्षा विकास और विश्वास की नई विजयगाथा

कांतिलाल मांडोत

गृह मंत्रालय के नेतृत्व में बीते वर्षों में जो रणनीति अपनाई गई वह बहुआयामी रही। केवल सुरक्षा बलों की तैनाती तक सीमित न रहकर सरकार ने विकास और विश्वास दोनों को साथ लेकर चलने का प्रयास किया। यही कारण है कि जिन क्षेत्रों में कभी बंदूक की आवाज गूंजती थी वहां आज स्कूल खुल रहे हैं सड़कें बन रही हैं और जीवन सामान्य हो रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं आया बल्कि इसके पीछे वर्षों की योजनाबद्ध मेहनत और स्पष्ट नीति रही है।

भारत ने लंबे समय तक जिस आंतरिक चुनौती का सामना किया वह नक्सलवाद के रूप में देश के अनेक हिस्सों में फैली रही। यह समस्या केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं थी बल्कि इसने सामाजिक आर्थिक और मानवीय जीवन को भी गहराई से प्रभावित किया। दशकों तक आदिवासी क्षेत्रों में भय असुरक्षा और पिछड़ापन बना रहा। गांवों में विकास की रफ्तार थम गई और लोगों का भरोसा व्यवस्था से डगमगाने लगा। आज जब देश नक्सलवाद के अंत की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है तब यह आवश्यक हो जाता है कि इस परिवर्तन के पीछे की नीति संकल्प और प्रयासों को समझा जाए।

गृह मंत्रालय के नेतृत्व में बीते वर्षों में जो रणनीति अपनाई गई वह बहुआयामी रही। केवल सुरक्षा बलों की तैनाती तक सीमित न रहकर सरकार ने विकास और विश्वास दोनों को साथ लेकर चलने का प्रयास किया। यही कारण है कि जिन क्षेत्रों में कभी बंदूक की आवाज गूंजती थी वहां आज स्कूल खुल रहे हैं सड़कें बन रही हैं और जीवन सामान्य हो रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं आया बल्कि इसके पीछे वर्षों की योजनाबद्ध मेहनत और स्पष्ट नीति रही है।

नक्सलवाद की जड़ें अक्सर गरीबी और पिछड़ेपन से जोड़कर देखी जाती रही हैं। लेकिन वास्तविकता इससे अधिक जटिल रही है। कई ऐसे क्षेत्र भी थे जहां आर्थिक स्थिति कमजोर थी फिर भी वहां नक्सलवाद नहीं पनपा। इसका अर्थ यह है कि नक्सलवाद केवल आर्थिक समस्या नहीं बल्कि एक वैचारिक और रणनीतिक चुनौती भी था। वामपंथी उग्रवाद ने आदिवासी समाज को अपने प्रभाव में लेकर उन्हें मुख्यधारा से दूर करने का प्रयास किया। स्कूलों को जलाना विकास कार्यों को रोकना और भय का वातावरण बनाना इस रणनीति का हिस्सा रहा।

गृह मंत्रालय ने इस सच्चाई को समझते हुए अपनी नीति तैयार की। सुरक्षा बलों को आधुनिक संसाधनों से लैस किया गया। खुफिया तंत्र को मजबूत बनाया गया और स्थानीय पुलिस को सशक्त किया गया। इसके साथ ही आत्मसमर्पण की नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया गया जिससे बड़ी संख्या में नक्सली मुख्यधारा में लौटे। यह केवल सैन्य सफलता नहीं बल्कि सामाजिक पुनर्वास का भी उदाहरण है।

बस्तर जैसे क्षेत्रों में जो परिवर्तन देखने को मिला वह इस नीति की सफलता का प्रमाण है। जहां कभी प्रशासन की पहुंच सीमित थी वहां आज सरकारी योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू हो रही हैं। राशन की दुकानों से लेकर स्वास्थ्य केंद्र तक लोगों को सुविधाएं मिल रही हैं। आधार और राशन कार्ड के माध्यम से लाभ सीधे लोगों तक पहुंच रहा है। इससे लोगों का विश्वास बढ़ा है और वे हिंसा से दूर होकर विकास की राह पर चलने लगे हैं।

इसके विपरीत यदि पिछले दशकों की स्थिति पर नजर डालें तो स्पष्ट होता है कि लंबे समय तक इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया। पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना रहा। सड़कें नहीं बनीं स्कूल नहीं खुले और स्वास्थ्य सेवाएं नहीं पहुंचीं। इस शून्य का लाभ उठाकर उग्रवादी संगठनों ने अपनी पकड़ मजबूत की। लोगों को यह विश्वास दिलाया गया कि व्यवस्था उनके खिलाफ है और हथियार उठाना ही एकमात्र रास्ता है।

यह भी देखा गया कि उस समय नक्सलवाद के खिलाफ स्पष्ट और कठोर नीति का अभाव था। कई बार राजनीतिक इच्छाशक्ति कमजोर दिखाई दी और समस्या को टालने का प्रयास किया गया। इससे नक्सलवाद का विस्तार हुआ और वह कई राज्यों तक फैल गया। देश के एक बड़े भूभाग में इसका प्रभाव देखा गया जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरा उत्पन्न हुआ।

वर्तमान समय में स्थिति बदल चुकी है। गृह मंत्रालय ने स्पष्ट संदेश दिया है कि हिंसा का रास्ता अपनाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि जो लोग भटक गए हैं उन्हें वापस लाने का अवसर मिले। इस संतुलित दृष्टिकोण ने सकारात्मक परिणाम दिए हैं। बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है और हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब आदिवासी समाज स्वयं इस बदलाव का भागीदार बन रहा है। वे समझ चुके हैं कि विकास और शांति ही उनके भविष्य का आधार है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे शिक्षा स्वास्थ्य और रोजगार के कार्यक्रमों ने उन्हें नई दिशा दी है। युवा पीढ़ी अब हथियार नहीं बल्कि शिक्षा और रोजगार को अपना लक्ष्य बना रही है।

नक्सलवाद के अंत की यह यात्रा केवल सरकार की उपलब्धि नहीं बल्कि पूरे समाज की जीत है। इसमें सुरक्षा बलों का साहस प्रशासन की प्रतिबद्धता और आम नागरिकों का सहयोग सभी शामिल हैं। यह उदाहरण दर्शाता है कि यदि सही नीति और दृढ़ संकल्प के साथ कार्य किया जाए तो सबसे जटिल समस्याओं का समाधान भी संभव है।

आज जब देश इस चुनौती से लगभग मुक्त होने की ओर बढ़ रहा है तब यह आवश्यक है कि इस उपलब्धि को बनाए रखा जाए। विकास की गति को निरंतर बनाए रखना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी क्षेत्र फिर से पिछड़ापन और असुरक्षा का शिकार न बने। यही सच्चे अर्थों में नक्सलवाद के अंत की स्थायी गारंटी होगी।

अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत ने एक लंबी और कठिन लड़ाई में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। गृह मंत्रालय के नेतृत्व में अपनाई गई रणनीति ने यह सिद्ध कर दिया है कि सुरक्षा और विकास साथ साथ चल सकते हैं। यह केवल एक समस्या का समाधान नहीं बल्कि नए भारत की दिशा का संकेत है जहां हर नागरिक को समान अवसर और सुरक्षित जीवन का अधिकार प्राप्त है।

संपादकीय

रुपए का गंभीर अवमूल्यन

एक अमरीकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत 95 तक पहुंच चुकी है। अर्थात् हम 95 रुपए खर्च कर एक डॉलर प्राप्त कर सकते हैं अथवा अंतरराष्ट्रीय व्यापार कर सकते हैं। 'रुपए' का लगातार अवमूल्यन होता रहा है। डॉलर ही नहीं, ब्रिटिश मुद्रा 'पौंड' के लिए भी हमें 123.84 रुपए खर्च करने होंगे और यूरोप की मुद्रा 'यूरो' की कीमत भी 108 रुपए से अधिक है। 'रुपया' लगातार कमजोर होता रहा है, उसका असर हमारी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है और आयात-बिल भी महंगे होते रहे हैं। 2013-14 के संसदीय चुनाव के दौरान भाजपा ने 'रुपए' को भारत की संप्रभुता और प्रतिष्ठा से जोड़ कर एक संवेदनशील मुद्दा बना दिया था। लोगों ने विश्वास किया और जनादेश भाजपा को दिया। मोदी सरकार के करीब 12 साल के कालखंड में 'रुपए' में करीब 61 फीसदी की गिरावट दर्ज हो चुकी है और यह सिलसिला अभी जारी है। यह बेहद गंभीर मौद्रिक स्थिति है, बेशक भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस मुद्दे को आसानी से यूं समझा जा सकता है कि फरवरी, 2026 में ईरान युद्ध से पहले कच्चे तेल की कीमत 69 डॉलर प्रति बैरल थी। तब हमें एक बैरल कच्चा तेल 6700 रुपए से कुछ अधिक में पड़ता था, लेकिन मार्च में वही तेल 10, 640 रुपए बैरल में खरीदा जा रहा है। यानी कीमत 70 फीसदी बढ़ी है, लिहाजा आम आदमी को भी महंगा पेट्रोल-डीजल खरीदना पड़ेगा। बेशक कुछ विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सरकार ने पेट्रोल-डीजल महंगे नहीं किए हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 117 डॉलर प्रति बैरल तक उछल चुके हैं। भाजपा तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को लगातार निशाना बनाती थी, जबकि उन्होंने ही देश को आर्थिक मंदी से बचाया था। तब भाजपा अर्थव्यवस्था की कमजोरी और 'रुपए' के अवमूल्यन पर चिंताएं जताती थी। मौजूदा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण उस दौर में भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता थीं। 'रुपए' की स्थिति को लेकर यूपीए और भाजपा-एनडीए सरकारों की तुलना करना बेहद तार्किक है। तब मई, 2004 में मनमोहन सरकार के शुरूआती दिनों में एक डॉलर की तुलना में 'रुपया' 45.37 पर था। मई, 2014 में यूपीए कालखंड की समाप्ति के वक्त डॉलर की कीमत 58.58 रुपए थी। केंद्र में नरेन्द्र मोदी की सरकार आई, तो 'रुपए' का अवमूल्यन लगातार क्यों होता रहा है? डॉलर 58 रुपए से उछल कर 90-91 रुपए तक कैसे पहुंच गया? आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि रिजर्व बैंक दखल न दे, तो एक डॉलर 110 रुपए में पड़ सकता है। ईरान युद्ध की शुरूआत के एक दिन पहले, 27 फरवरी, तक 'रुपया' 90.98 तक गिरा था, लेकिन 31 मार्च, 2026 को 95 तक गिर गया। 100 रुपए की 'चरम स्थिति' कितनी दूर है? बेशक मोदी कालखंड में 'रुपए'' का अवमूल्यन ऐतिहासिक रहा है और भारतीय मुद्रा के लिए यह असंतुलित और गंभीर स्थिति है।

चिंतन-मनन

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है।

लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का।

श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यों से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं।

अतः किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

बलिदान से जन्मी रोशनी: गुड फ्राइडे का शाश्वत संदेश

योगेश कुमार गोयल

सूली से उठती शांति की पुकार...

यीशु (ईसा मसीह) के बलिदान और उनकी शिक्षाओं को याद करने का दिन है 'गुड फ्राइडे'। दरअसल ईसा मसीह ने मानवता की भलाई के लिए बलिदान दिया। ईसाई मान्यता के अनुसार दुनिया को प्रेम, दया, करुणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का संदेश देने वाले यीशु को इसी दिन उस जमाने के धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा क्रॉस पर चढ़ाया गया था। जिस दिन ईसा मसीह ने प्राण त्यागे थे, उस दिन शुक्रवार था और इसी याद में ह्यगुड फ्राइडेह्न मनाया जाता है। ईस्टर के रविवार से पहले पड़ने वाले शुक्रवार को मनाया जाता है और इस वर्ष गुड फ्राइडे 3 अप्रैल को मनाया जा रहा है। ईसाई समुदाय द्वारा इस त्यौहार को शोक के रूप में मनाया जाता है। गुड फ्राइडे को यीशु द्वारा मानवता की भलाई के लिए दिए बलिदान के रूप में देखा जाता है। गुड फ्राइडे के दिन गिरजाघरों में घंटा नहीं बजाया जाता बल्कि लकड़ी के खटखटे बजाए जाते हैं और लोग चर्च में क्रॉस को चूमकर यीशु का स्मरण करते हैं। कुछ स्थानों पर लोग काले कपड़े पहनकर प्रभु यीशु के बलिदान दिवस पर शोक भी व्यक्त करते हैं और यीशु से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। ईसा मसीह के सूली पर चढ़ाए जाने की याद में इस दिन उनके अनुयायी समस्त लौकिक सुविधाओं का त्याग कर देते हैं। इस दिन चर्च और घरों से सजावटी वस्तुएं हटा दी जाती हैं या उन्हें कपड़े से ढ़क दिया जाता है।

कैथोलिकों द्वारा शुरू की गई प्रथा के अनुसार गुड फ्राइडे के ठीक 40 दिन पहले आने वाले बुधवार से ईसाई समुदाय में प्रार्थना और उपवास प्रारंभ हो जाते हैं। इस बुधवार को ह्याराख का बुधवारह्न कहा जाता है। उपवास के दौरान लोग केवल शाकाहारी और सात्विक भोजन करते हैं। माना जाता है कि यीशु ने मानव सेवा प्रारंभ करने से पहले चालीस दिन तक व्रत किया था और संभवतः इसीलिए उपवास की यह परम्परा शुरू हुई। इस दिन दुनियाभर के ईसाई सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए चर्च में चंदा या दान देते हैं। ईसाई धर्म में ईसा मसीह को परमेश्वर का पुत्र माना जाता है। उन्होंने लोगों को क्षमा, शांति, दया, करूणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का उपदेश दिया और उनके इन्हीं सद्गुणों के कारण लोग उन्हें शांति दूत, क्षमा मूर्ति और महात्मा कहकर पुकारने लगे थे। कहा जाता है कि वे यरूशलम के गैलिली प्रांत में लोगों को मानवता, सत्य, एकता, प्रेम, अहिंसा और शांति का उपदेश दिया करते थे। उनके संदेश दूर-दूर तक फैलने लगे और उनके विचारों को लोग अपने जीवन में अपनाने लगे। वहां के लोग उन्हें परमपिता परमेश्वर का दर्जा देने लगे थे। समाज में धार्मिक अंधविश्वास और झूठ फैलाने वाले धर्मगुरूओं को इसी कारण ईसा मसीह से काफी जलन होने लगी थी क्योंकि लोग अपनी समस्याओं को लेकर अब उनके पास नहीं आ रहे थे। करीब दो हजार वर्ष पूर्व उन्हें मृत्युदंड इसीलिए दिया गया क्योंकि वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और घोर विलासिता तथा अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के लिए लोगों को शिक्षित और जागरूक कर रहे थे।

ईसा मसीह केवल एक धार्मिक व्यक्तित्व नहीं बल्कि परिवर्तन और करुणा के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने मानव प्रेम की सीमाओं को तोड़ते हुए उसे आत्मकेन्द्रितता और स्वार्थ से परे ले जाने का संदेश दिया। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि सच्चा प्रेम त्याग, क्षमा और समर्पण में निहित होता है। जब पृथ्वी पर पाप और अन्याय बढ़ रहे थे, तब ईसा ने अपने बलिदान के माध्यम से निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा को चरितार्थ किया। क्रॉस पर उनकी पीड़ा केवल एक व्यक्ति का कष्ट नहीं थी बल्कि संपूर्ण मानवता के उद्धार का प्रतीक बन गई। ईसाई मान्यताओं के अनुसार, क्रूस पर चढ़ाए जाने के तीसरे दिन, रविवार को ईसा मसीह पुनः जीवित हो उठे थे। यही कारण है कि गुड फ्राइडे के बाद आने वाला रविवार 'ईस्टर संडे' के रूप में मनाया जाता है। यह दिन केवल पुनरुत्थान का उत्सव नहीं, बल्कि आशा, नवजीवन और विश्वास की पुनर्स्थापना का संदेश देता है।

कहा जाता है कि पुनर्जीवित होने के बाद ईसा ने लगभग 40 दिनों तक अपने शिष्यों और अनुयायियों को दर्शन दिए, उन्हें सत्य, प्रेम और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। ईस्टर की आराधना विशेष रूप से उषाकाल में की जाती है। मान्यता है कि पुनरुत्थान का यह चमत्कार प्रातःकाल ही हुआ था और सबसे पहले मरियम मदीलिनी ने ईसा को जीवित देखा था। यह प्रसंग इस तथ्य को भी उजागर करता है कि सत्य और आस्था का प्रकाश सबसे पहले उन हृदयों में जागृत होता है, जो श्रद्धा और विश्वास से परिपूर्ण होते हैं। इस प्रकार, गुड फ्राइडे हमें त्याग, धैर्य और प्रेम की शिक्षा देता है तो ईस्टर संडे जीवन में आशा और नवचेतना का संदेश लेकर आता है। दोनों मिलकर यह बताते हैं कि अंधकार चाहे कितना भी गहरा क्यों न हो, अंततः प्रकाश और सत्य की ही विजय होती है।

बुजुर्गों के भरण-पोषण के लिये एक सराहनीय पहल

ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है- 'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव' केवल शास्त्रों की पंक्ति नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना की आत्मा रही है। इसलिए यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि जन्म देने और पालन-पोषण करने वाले माता-पिता को जीवन की सांझ में उपेक्षा, अपमान और आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़े, और उन्हें अपने ही बच्चों से गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून और प्रशासन का सहारा लेना पड़े। दुर्भाग्य से यह आज के समय की कठोर वास्तविकता बनती जा रही है। बुढ़ापा अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर की क्षमताएं कम होने लगती हैं, बीमारियां बढ़ने लगती हैं और आय के स्रोत लगभग समाप्त हो जाते हैं। सेवानिवृत्ति के समय जो थोड़ी बहुत जमा-पूंजी होती है, वह बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। सरकारी नौकरी करने वालों को पेंशन मिल भी जाती है, लेकिन निजी क्षेत्र या छोटे व्यवसाय से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक कठिन हो जाती है। ऐसे समय में यदि बच्चे ही माता-पिता की देखभाल न करें तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध की श्रेणी में आता है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित 'तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026' एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि बच्चे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो उनके वेतन से एक निश्चित राशि काटकर माता-पिता को दी जाए। यह कानून सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। इस प्रकार यह कानून केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को कानूनी रूप देने का प्रयास है। हालांकि भारत में पहले से 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007' मौजूद है, लेकिन तेलंगाना का यह नया विधेयक अधिक व्यापक, संवेदनात्मक और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें प्रावधान है कि यदि बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो शिकायत मिलने पर उनके वेतन से पंद्रह प्रतिशत या दस हजार रुपये (जो भी कम हो) काटकर माता-पिता के खाते में जमा किए जाएंगे। शिकायत का निस्तारण जिला कलेक्टर द्वारा साठ दिनों के भीतर किया जाएगा और इसके लिए वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन भी किया जाएगा। इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें केवल जैविक माता-पिता ही नहीं, बल्कि सौतेले माता-पिता भी शिकायत कर सकते हैं।

यह कानून इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारतीय परिवार व्यवस्था तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल चुके हैं और अब तो एक व्यक्ति परिवार की अवधारणा भी विकसित हो रही है। करियर की दौड़, आर्थिक दबाव, शहरी जीवनशैली, सुविधावाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती भावना ने परिवार की पारंपरिक संरचना को कमजोर किया है। कई बार माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, और यदि घर में रख भी लिया जाए तो उन्हें उपेक्षा, तिरस्कार और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ती है। उनकी दवाइयों, भोजन और देखभाल तक में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता की सेवा केवल संस्कारों से सुनिश्चित की जा सकती है या इसके लिए कानून की भी आवश्यकता है? आदर्श स्थिति में तो संस्कार ही पर्याप्त होने चाहिए। भारतीय इतिहास और परंपरा में माता-पिता की सेवा के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रवण कुमार का उदाहरण तो भारतीय संस्कृति में आदर्श पुत्र का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपने अंधे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा करवाई। इसी प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट छोड़कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल धार्मिक कथाएं नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक संरचना के आदर्श हैं।

इतिहास में छत्रपति शिवाजी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक व्यक्तित्वों के जीवन में भी माता-पिता के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि माता-पिता के प्रति सम्मान और सेवा भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है। लेकिन आज जब संस्कार कमजोर हो रहे हैं, तब समाज को कानून का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन इस पूरे विषय को केवल एकतरफा दृष्टि से देखना भी उचित नहीं होगा। यह भी एक सच्चाई है कि कई बार माता-पिता भी बच्चों के प्रति अत्यधिक अनुशासन, नियंत्रण और अपेक्षाओं का दबाव बनाते हैं। वे चाहते हैं कि बच्चे हमेशा उनकी इच्छाओं के अनुसार ही जीवन जिएं, अपने निर्णय स्वयं न लें, विवाह, करियर, जीवनशैली हर चीज में माता-पिता की इच्छा सर्वोपरि रहे। कई बार माता-पिता बच्चों की निजी जिंदगी में अत्यधिक हस्तक्षेप करते हैं, जिससे परिवार में तनाव उत्पन्न होता है। ऐसी परिस्थितियों में बच्चों और माता-पिता के बीच दूरी बढ़ जाती है और पारिवारिक वातावरण तनावपूर्ण हो जाता है।

इसलिए समस्या का समाधान केवल कानून नहीं है, बल्कि परिवार के भीतर संतुलन, संवाद और समझ भी उतनी ही आवश्यक है। बच्चों को यह समझना चाहिए कि माता-पिता ने उनके लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया है, इसलिए बुढ़ापे में उनकी सेवा और सम्मान उनका नैतिक कर्तव्य है। वहीं माता-पिता को भी यह समझना चाहिए कि समय बदल गया है, नई पीढ़ी की जीवनशैली और सोच अलग है, इसलिए उन्हें बच्चों को समझने और उन्हें स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है। वास्तव में परिवार एक संस्था है, जो प्रेम, त्याग, सम्मान और संवाद पर चलती है, न कि केवल अधिकार और अनुशासन पर। जहां केवल अधिकार होंगे, वहां टकराव होगा; जहां केवल त्याग होगा, वहां असंतुलन होगा; लेकिन जहां प्रेम और संतुलन होगा, वहां परिवार मजबूत होगा।

तेलंगाना का यह कानून एक महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन यह अंतिम समाधान नहीं है। कानून बच्चों को माता-पिता का भरण-पोषण करने के लिए मजबूर कर सकता है, लेकिन वह प्रेम, सम्मान और संवेदना पैदा नहीं कर सकता। इसके लिए समाज में नैतिक शिक्षा, पारिवारिक संस्कार और सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता है। स्कूलों में, सामाजिक संस्थाओं में और धार्मिक संगठनों में परिवार और बुजुर्गों के सम्मान की शिक्षा दी जानी चाहिए। आज 'नया भारत' और 'विकसित भारत' की बात की जा रही है, लेकिन केवल आर्थिक विकास ही पर्याप्त नहीं है। यदि समाज में बुजुर्ग असुरक्षित, उपेक्षित और अपमानित होंगे, तो विकास अधूरा रहेगा। वास्तविक विकास वही है जिसमें समाज का हर वर्ग-बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सुरक्षित और सम्मानित जीवन जी सकें।

अतः आवश्यक है कि हम तीन स्तरों पर कार्य करें- पहला, सरकार और कानून बुजुर्गों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करें। दूसरा, समाज में माता-पिता के सम्मान और सेवा के संस्कार विकसित किए जाएं। तीसरा, परिवार के भीतर माता-पिता और बच्चों के बीच संतुलित और संवादपूर्ण संबंध स्थापित किए जाएं। यदि ये तीनों स्तर मजबूत हो जाएं, तो न केवल बुजुर्गों का जीवन सुरक्षित और सम्मानजनक होगा, बल्कि परिवार संस्था भी मजबूत होगी और समाज में मानवीय संवेदनाएं जीवित रहेंगी। निश्चिततौर पर कहा जा सकता है कि माता-पिता केवल परिवार का हिस्सा नहीं होते, वे परिवार की जड़ होते हैं। यदि जड़ कमजोर होगी, तो वृक्ष भी कमजोर होगा। इसलिए बुजुर्गों का सम्मान और सुरक्षा केवल एक पारिवारिक या कानूनी मुद्दा नहीं, बल्कि समाज की नैतिकता और सभ्यता की परीक्षा है। जो समाज अपने बुजुर्गों का सम्मान नहीं करता, वह कभी महान नहीं बन सकता।

संक्षिप्त समाचार

मेटा, स्नैपचैट, यूट्यूब व टिकटॉक नहीं मान रहे नियम', सोशल मीडिया कानून पर बोला ऑस्ट्रेलिया

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की ऑनलाइन सुरक्षा एजेंसी ने कहा, वह फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, टिकटॉक और यूट्यूब के विरुद्ध कोर्ट जाने पर विचार कर रही है। इसका कारण है कि ये सोशल मीडिया मंच 16 साल से छोटे बच्चों को अपने प्लेटफॉर्म पर खाता रखने से रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहे हैं। देश में 10 दिसंबर, 2025 से प्रभावी कानून में 16 वर्ष से छोटे बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर खाता रखना प्रतिबंधित किया गया है। ई-सेफ्टी आयुक्त जूली इमैन ग्रांट ने इस कानून के लागू होने के बाद पहली बार अनुपालन रिपोर्ट जारी की। इसमें दस सोशल मीडिया मंचों से सभी ऑस्ट्रेलियाई बच्चों के खाते हटाने की मांग की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि अब तक 50 लाख ऑस्ट्रेलियाई खाते निष्क्रिय हुए हैं, लेकिन बहुत से बच्चों के खाते अब भी जारी हैं। वे नए खाते भी बना रहे हैं। बच्चे प्लेटफॉर्म की उम्र सत्यापन प्रणालियों को लगातार पार कर रहे हैं। ग्रांट ने कहा, उन्हें इन दस सोशल मीडिया मंच में से आधे के अनुपालन पर गंभीर चिंता है। संचार मंत्री अनिका वेल्स ने कहा कि आलोचना किए गए पांच सोशल मीडिया मंच जानबूझकर ऑस्ट्रेलियाई कानून का पालन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सोशल मीडिया मंच न्यूनतम प्रयास कर रहे हैं ताकि ये कानून विफल हों। यह दुनिया में पहले लागू कानून हैं, और वे नहीं चाहते कि ये काम करें क्योंकि अन्य देशों में भी इसका अनुकरण हो सकता है। यदि ये कानून अन्य देशों में भी लागू हुए तो सोशल मीडिया मंचों को बड़ा नुकसान होगा।

यह युद्ध ईस्टर से पहले समाप्त हो सकता है', पश्चिम एशिया संकट पर बोले पोप लियो; शांति की अपील की

वेटिकन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका और इस्राइल का ईरान के साथ युद्ध लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे क्षेत्र में संघर्ष और तनाव चरम पर है। इसी बीच पोप लियो 14वें ने मंगलवार को रोम के बाहर कैस्टेल गैंडोल्फो से लौटते हुए पत्रकारों से बातचीत में उम्मीद जताई कि यह संघर्ष ईस्टर से पहले समाप्त हो सकता है। पोप ने कहा कि हिंसा और बमबारी को कम करने का कोई रास्ता खोजा जाना चाहिए, ताकि नफरत और मौतों को रोका जा सके और दिलों में शांति लौट सके। पोप ने कहा कि उन्हें बताया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा है कि वे युद्ध को समाप्त करना चाहते हैं। पोप ने कहा कि मैं आशा करता हूं कि वे हिंसा और बमबारी को कम करने का रास्ता ढूंढ रहे होंगे, जो पश्चिम एशिया और अन्य जगहों पर बढ़ते नफरत को कम करने में मदद करेगा। पोप ने सभी विश्व नेताओं से संवाद की ओर लौटने और हिंसा कम करने के उपाय खोजने की अपील की, ताकि ईस्टर पर हमारे दिलों में शांति बनी रहे। उन्होंने कहा कि ईस्टर का समय शांति और ध्यान का समय होना चाहिए, लेकिन दुनिया के कई हिस्सों में लोग अब भी हिंसा और युद्ध फैलाने में लगे हैं, जिसमें निर्दोष बच्चों की मौतें भी शामिल हैं। पोप लियो ने पाम संडे के अवसर पर विशेष रूप से पश्चिम एशिया के ईसाइयों के लिए प्रार्थना की और कहा कि जो लोग युद्ध करते हैं या धर्म का उपयोग हिंसा का औचित्य बनाने के लिए करते हैं, उनकी प्रार्थनाओं को ईश्वर नहीं सुनते। उन्होंने यह भी ध्यान दिलाया कि युद्ध के पक्षकार अक्सर धर्म का सहारा लेकर अपने कार्यों को सही ठहराते हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने इसे एक ईसाई राष्ट्र का सैन्य प्रयास बताया, जबकि रूस के ऑर्थोडॉक्स चर्च ने यूक्रेन पर आक्रमण को पवित्र युद्ध कहा। गौरतलब है कि पवित्र सप्ताह के दौरान पोप लियो विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। गुरुवार को वे सेंट जॉन लेटेरन बेसिलिका में पैर धोने की परंपरा निभाएंगे।

व्हाइट हाउस का बड़ा बयान, कहा- सही लोगों से हो रही है बात; ईरान के साथ समझौते की ओर अमेरिका?

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव के बीच व्हाइट हाउस ने कहा कि वह ईरान के नए नेतृत्व के साथ गंभीर चर्चा कर रहा है। अमेरिकी प्रशासन को पूरा भरोसा है कि दोनों देशों के बीच जल्द ही कोई समझौता हो सकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब चीन और पाकिस्तान ने खाड़ी और मध्य पूर्व में तुरंत युद्ध रोकने की मांग की है। हालांकि अमेरिका के इन दावों के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भरोसे का स्तर शून्य है। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था अमेरिका ईरान के नए नेताओं के साथ बातचीत में लगा है और इसमें काफी प्रगति हुई है। अधिकारी ने यह बात पाकिस्तान और चीन के साझा बयान पर पूछे गए सवाल के जवाब में कही। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रपति को जल्द ही समझौता होने का पूरा भरोसा है। साथ ही उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो इसके नतीजे बहुत गंभीर होंगे।

ईरान युद्ध में शामिल होने की तैयारी में यूएई; यमन से इस्राइल पर फिर हुआ मिसाइल हमला

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में एक महीने से ज्यादा समय से चल रहे संघर्ष में हालात अब विस्फोटक और बेकाबू हो चुके हैं। इस्राइल और अमेरिका का ईरान के साथ जारी भीषण टकराव अब अपने 33वें दिन में प्रवेश कर चुका है और हालात ज्यादा खतरनाक रूप ले चुका है। मिसाइलों की बारिश और लगातार धमाकों ने तबाही का मंजर खड़ा कर दिया है। यह युद्ध अब सीमाओं को तोड़कर वैश्विक खतरा बन गया है, जहां हर पल विनाश और अनिश्चितता का साया गहराता जा रहा है। इस्राइली मीडिया ने बताया कि यमन से इस्राइल पर एक मिसाइल दागी गई, जिसे इस्राइली सेना ने इंटरसेप्ट कर तबाह कर दिया। इस हमले में किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं हैं। इस हमले के चलते दक्षिणी इस्राइल में सायरनों की आवाज सुनी गई।

यूएई की तीन एयरलाइंस ने ईरानी नागरिकों के प्रवेश और ट्रांजिट पर लगाई रोक : युद्ध के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की तीन एयरलाइंस ने ईरानी नागरिकों के देश में प्रवेश और ट्रांजिट पर रोक लगा दी है। लंबी दूरी की उड़ान सेवाएं देने वाली एयरलाइंस एमिरेट्स और एतिहाद के साथ-साथ लो-कॉस्ट एयरलाइन फ्लाईदुबई ने अपनी-अपनी वेबसाइट पर इस फैसले की जानकारी साझा की है। संयुक्त अरब अमीरात, जो सात अमीरातों का एक संघ है, वहां प्रवेश

ईरान में जंग, संकट गहराया

नियम अक्सर स्पष्ट नहीं होते। हालांकि, इन एयरलाइंस की वेबसाइटों पर यह निर्देश साफ तौर पर प्रदर्शित किया गया है। इसके अनुसार, 'गोल्डन वीजा' (10 वर्षीय निवास परमिट) रखने वाले ईरानी नागरिकों को देश में प्रवेश की अनुमति बनी रहेगी। इस फैसले पर यूएई अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। हालांकि, यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब दुबई में पहले ही ईरानी अस्पताल और ईरानी क्लब को बंद कर दिया गया है। ये दोनों संस्थान शहर में शाह के दौर से जुड़े पुराने प्रतिष्ठान माने जाते हैं।

ईरान युद्ध में शामिल होने की तैयारी में यूएई : पश्चिम एशिया में संकट जारी है और अब इस संकट के बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है। दरअसल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भी इस युद्ध में शामिल होने की तैयारी कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूएई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव लाने की योजना बना रहा है, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सैन्य कार्रवाई को वैधता मिल सके। बता दें कि ईरान युद्ध के दौरान ईरान द्वारा यूएई पर कई हमले किए गए हैं, जिससे यूएई में कई लोग मारे गए हैं। अगर यूएनएससी की मंजूरी मिल जाती है तो यूएई भी पश्चिम एशिया की लड़ाई में शामिल हो सकता है। हालांकि मंजूरी मिलने की उम्मीद कम ही है क्योंकि रूस और चीन जैसे देश इसका विरोध कर सकते हैं। यूएई ने अमेरिका को सुझाव दिया है कि अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य के कुछ द्वीपों जैसे अबू मूसा पर कब्जा कर लेना चाहिए। ये द्वीप कई दशकों से ईरान के कब्जे में है और यूएई भी इस पर दावा करता है।

ईरान में एक और स्टील प्लांट पर हमला : ईरान के इस्फहान के पास एक और स्टील प्लांट पर हमला हुआ है। फार्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, बोर्जुन इलाके में स्थित सेफीदाश्त स्टील प्लांट को निशाना बनाया गया। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बचाव दल मौके पर पहुंच गया है और स्थिति की जांच कर रहा है।

बेरूत के पास इस्राइली हमले में 2 लोगों की मौत : लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, राजधानी बेरूत के पास खालदे इलाके में इस्राइल ने एक कार पर हवाई हमला किया। इस हमले में 2 लोगों की मौत हो गई और 3 अन्य घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान में शासन बदलना उनका लक्ष्य नहीं है और 2-3 हफ्तों में ऑपरेशन खत्म हो सकता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका से संदेशों का आदान-प्रदान हुआ है, लेकिन कोई औपचारिक बातचीत नहीं चल रही। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि हम बमों के जरिए बातचीत कर रहे हैं' और ईरान को शांति समझौते के लिए चेतावनी दी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के सहयोगी अब बड़ा खतरा नहीं हैं, लेकिन ईरान अभी भी मिसाइल और ड्रोन से हमला कर सकता है। इराक के बगदाद में एक विदेशी पत्रकार का अपहरण हुआ है, जिसकी जांच जारी है। संयुक्त राष्ट्र के विकास कार्यक्रम ने चेतावनी दी कि इस युद्ध से क्षेत्र को 194 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है।

ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने रूस के साथ बातचीत से इनकार किया, कहा- भरोसे का स्तर शून्य पर है

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भरोसे का स्तर शून्य है। अल जजीरा को दिए एक इंटरव्यू में अराघची ने साफ किया कि तेहरान को अमेरिकी कामों में कोई ईमानदारी नजर नहीं आती। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार के साथ बातचीत का अनुभव कभी अच्छा नहीं रहा है। अराघची ने बताया कि पुराने समझौतों की नाकामी और हालिया दुश्मनी की वजह से कूटनीतिक रास्ते बंद हैं। उन्होंने याद दिलाया कि वर्षों पहले एक समझौता हुआ था, लेकिन अमेरिका बिना किसी ठोस वजह के उससे पीछे हट गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछले साल और इस साल भी अमेरिका के साथ बातचीत हुई, लेकिन उसका नतीजा केवल अमेरिकी हमले के रूप में सामने आया। मौजूदा तनाव के बीच विदेश मंत्री ने सैन्य तैयारियों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि ईरानी सेना किसी भी संभावित अमेरिकी जमीनी हमले का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि जमीनी हमला करना उसकी एक बड़ी गलती होगी। अराघची ने कहा, 'हम उनका इंतजार कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि वे ऐसी हिम्मत करेंगे। वहां उनका सामना करने के लिए बहुत बड़ी ताकत तैयार बैठी है। ईरानी विदेश ने किया दावा ईरानी विदेश मंत्री ने दावा किया कि अमेरिकी सेना को पहले ही काफी नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के रडार, विमान और ईंधन ले जाने वाले टैंकरों को नुकसान पहुंचा है। अराघची के अनुसार, ईरान अपनी रक्षा करना अच्छी तरह जानता है। जमीनी जंग में वह और भी बेहतर प्रदर्शन कर सकता है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान ने युद्ध शुरू नहीं किया, लेकिन उसने पूरी ताकत से अपना बचाव किया है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलमार्ग के बारे में उन्होंने स्थिति साफ की। उन्होंने कहा कि यह रास्ता फिलहाल केवल उन लोगों के लिए बंद है जो ईरान के साथ युद्ध कर रहे हैं। अराघची ने तर्क दिया कि यह जलमार्ग ईरान और ओमान की समुद्री सीमा में आता है। इसलिए इसका प्रबंधन करना इन दोनों देशों के लिए सामान्य बात है। उन्होंने कहा युद्ध के समय यह सामान्य है कि दुश्मन को व्यापार के लिए अपने समुद्री रास्तों का इस्तेमाल न करने दिया जाए। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि मित्र देशों के जहाजों को सुरक्षित रास्ता मिल रहा है। कुछ अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने सुरक्षा और ऊंचे बीमा की वजह से इस रास्ते से दूरी बनाई है, लेकिन तेहरान अपने दोस्तों का ख्याल रख रहा है।

क्या बड़ी तैयारी कर रहे नेतन्याहू?: ईरान के खिलाफ क्षेत्रीय देशों के साथ गठबंधन की योजना, समझिए कितनी असरदार

तेल अवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 33वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव अब भी चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच अब इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने बताया कि ईरान से युद्ध में अब इस्राइल कौन सी नई योजना बना रहा है और यह कितना असरदार होगा?

अपने संबोधन में इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइल धीरे-धीरे नए क्षेत्रीय गठबंधनों का निर्माण कर रहा है, ताकि ईरान के खतरे से निपटा जा सके। उन्होंने कहा कि इस्राइल क्षेत्र के महत्वपूर्ण देशों के साथ संबंध मजबूत कर रहा है और इसे उन्होंने ईरानी खतरे का सामना करने के लिए जरूरी बताया। एक महीने से ज्यादा समय से जारी संघर्ष के बीच इस्राइल का यह कदम इस क्षेत्र में बदलते राजनीतिक परिदृश्य और संघर्ष के बीच व्यापक सहयोग की ओर इशारा करता है।

कौन-कौन से देश इसमें शामिल होंगे : हालांकि अपने बयान में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अभी तक यह नहीं बताया कि ये कौन से देश हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही मैं इन महत्वपूर्ण समझौतों के बारे में और जानकारी साझा कर सकूंगा। ऐसे समय में इस्राइली प्रधानमंत्री का यह बयान यह संकेत देता है कि इस्राइल और अरब देशों के कुछ हिस्सों के बीच सहयोग बढ़ रहा है।

क्या है इस साझेदारी का उद्देश्य : इस्राइली पीएम का कहना है कि इस साझेदारी का उद्देश्य ईरान की सैन्य और परमाणु योजनाओं के खिलाफ एकजुट होना है। नेतन्याहू ने आगे कहा कि इस्राइल ने हाल ही में बड़ी युद्धभूमि सफलता हासिल की है और दो बड़े खतरों, ईरान के परमाणु कार्यक्रम और बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता को पीछे धकेल दिया है। उनका यह कदम व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिससे क्षेत्र में अपनी सुरक्षा और प्रभुत्व को मजबूत किया जा सके।

अमेरिकी नाकेबंदी के बीच रूसी तेल टैंकर क्यूबा पहुंचा, ऊर्जा संकट में मिली बड़ी राहत

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। बचाव दल ने तत्काल एक अभियान शुरू किया और नौ शवों को बरामद किया, जबकि तीन घायलों को मलबे से जीवित बाहर निकाला गया। घायलों को घटनास्थल पर प्राथमिक उपचार दिया गया और बाद में आगे के इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल पर राहत और खोज अभियान पूरा कर लिया गया है। पेशावर में मंगलवार को आयोजित एक संयुक्त पाकिस्तान-अफगानिस्तान 'जिरगा' ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिए तत्काल युद्धविराम का आह्वान किया है। 'जिरगा' अफगानिस्तान और पाकिस्तान में बुजुर्गों और सामुदायिक नेताओं की एक सभा होती है, जो सर्वसम्मति के आधार पर विवादों का समाधान करती है। यह घोषणा जिरगा के समापन पर जारी की गई, जिसमें पूर्व राज्यपालों, राजनीतिक नेताओं, पूर्व-कूटनीतिज्ञों, आदिवासी बुजुर्गों, बुद्धिजीवियों और धार्मिक विद्वानों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों को हर हाल में यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी भूमि का उपयोग एक-दूसरे के खिलाफ न हो। आधिकारिक बयान में कहा गया, 'किसी भी व्यक्ति या समूह को शत्रुतापूर्ण गतिविधियों के लिए किसी भी देश की जमीन का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। जिरगा ने दोनों देशों की सरकारों से शांति बनाए रखने के लिए आपसी सहमति से लिए गए निर्णयों को लागू करने के लिए अपनी राज्य क्षमता का पूरी तरह से उपयोग करने का आग्रह किया। इसने इस बात पर भी जोर दिया कि सभी विवादों और मतभेदों को बातचीत और कूटनीति के माध्यम से हल किया जाना चाहिए, और इन्हें एकमात्र व्यवहार्य विकल्प घोषित किया।

टैरिफ वापसी में जुटा अमेरिका भुगतान में लग सकते हैं 45 दिन : अमेरिकी सरकार ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट से अवैध घोषित किए गए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को वापस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अमेरिकी सीमा शुल्क एजेंसी ने मंगलवार को कहा, अवैध घोषित लगभग 166 अरब डॉलर के शुल्क संग्रह की वापसी के लिए एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया स्थापित की जा रही है, पर नई प्रणाली को वापसी आवेदनों की समीक्षा और प्रसंस्करण में 45 दिन तक लग सकते हैं। अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार कोर्ट में दायर एक याचिका में सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा अधिकारी ब्रैंडन लॉर्ड ने कहा कि एक नए वापसी दावा पोर्टल, समीक्षा, प्रसंस्करण और वापसी प्रणाली का विकास 60 से 85 फीसदी हो चुका है। उन्होंने इस पोर्टल पर आवेदनों के लिए कोई प्रारंभ तिथि नहीं बताई, पर एजेंसी ने पहले 45 दिनों का लक्ष्य रखा था, जो अप्रैल के अंत में खत्म होगा। मंगलवार को दायर किए गए घोषणापत्र में, लॉर्ड ने कहा कि नई प्रणाली चरणबद्ध तरीके से दावों को स्वीकार करना शुरू कर देगी। इसमें पहली प्राथमिकता उन सीमा शुल्क प्रविष्टियों को दी जाएगी जिनका निपटान हो चुका है, जो पिछले 80 दिनों में पूरी हो चुकी हैं, जिनकी निपटान स्थिति निलंबित, विस्तारित या समीक्षाधीन है। प्रारंभिक चरण में गोदाम व गोदाम से निकासी की प्रविष्टियों वाले घोषणापत्र भी स्वीकार किए जाएंगे।

क्या यूएस का यू-टर्न?: 'अमेरिकी सैनिक दो-तीन हफ्ते में ईरान छोड़ेंगे'; एक माह से जारी जंग के बीच ट्रंप का बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 33वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव अब भी चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि ईरान में चल रहा अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन बहुत जल्द खत्म कर दिया जाएगा। अपने बयान में ट्रंप ने आगे कहा कि अगले दो से तीन हफ्तों के अंदर अमेरिकी सेना वहां से निकल सकती है। ट्रंप ने कहा कि स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से तेल और गैस लेने वाली अन्य देशों जैसे फ्रांस या चीन को अब खुद संभालना होगा। अमेरिका वहां किसी और चीज में शामिल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने कट्टर और खतरनाक' लोगों को नष्ट कर दिया और क्षेत्र अब अपेक्षाकृत सुरक्षित है।

तेल की बढ़ती कीमतों पर क्या बोले ट्रंप : व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार ईरान के साथ बातचीत भी कर रही है, लेकिन साथ ही सैन्य कार्रवाई भी जारी है। ईंधन की बढ़ती कीमतों पर पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा कि जैसे ही अमेरिका ईरान से बाहर निकलेगा, हालात सुधर जाएंगे और तेल की कीमतें भी गिर सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपना काम लगभग पूरा कर चुका है और अगले करीब दो हफ्तों में ऑपरेशन खत्म कर सेना वापस बुला ली जाएगी। अमेरिकी सेना के बाद ट्रंप ने अमेरिकी कंपनियों को ईरान से होने वाले खतरे को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में काम कर रही अमेरिकी कंपनियों को ईरान से कोई बड़ा खतरा नहीं है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या ईरान ने सच में हमला करने या कंपनियों को उड़ाने की धमकी दी है? ट्रंप ने कहा कि ईरान ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगा और वह अमेरिकी कंपनियों पर हमला नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान परमाणु हथियार का इस्तेमाल नहीं कर सकता, क्योंकि उसके पास ऐसे हथियार नहीं हैं। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के ज्यादातर पुराने नेता अब नहीं रहे, जिससे खतरा पहले की तुलना में कम हो गया है। उनके अनुसार हालात अब पहले से ज्यादा नियंत्रण में हैं और चिंता की जरूरत कम है। ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ समझौता करना जरूरी नहीं है। उनका कहना है कि अब ईरान में नया शासन है, जो पहले से ज्यादा बातचीत के लिए तैयार और आसान है।

मंगल पर था भरपूर पानी, धूल भरी आंधियों ने अंतरिक्ष में उड़ा दिया

टोक्यो/सेन्दाई, एजेंसी। कभी जलसमृद्ध रहा मंगल आज सूखा मरुस्थल क्यों बन गया, इस लंबे समय से अनसुलझे सवाल पर नई रोशनी डालते हुए वैज्ञानिकों ने पाया है कि छोटे, स्थानीय धूलभरे-तूफान भी ग्रह के पानी को अंतरिक्ष में उड़ाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। तोहोकू यूनिवर्सिटी समेत अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं की टीम के इस अध्ययन में सामने आया है कि ये तूफान जलवाष्प को ऊपरी वायुमंडल तक पहुंचाकर उसे तोड़ देते हैं, जिससे हाइड्रोजन अंतरिक्ष में निकल जाता है और पानी स्थायी रूप से खत्म होता जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार आज का मंगल एक ठंडा और सूखा ग्रह है, लेकिन इसकी सतह पर मौजूद प्राचीन जलधाराएं, पानी से बदले खनिज और अन्य भूगर्भीय संकेत बताते हैं कि कभी यहां प्रचुर मात्रा में पानी मौजूद था। वैज्ञानिक लंबे समय से यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर यह पानी कहां और कैसे गायब हो गया। हालांकि कुछ प्रक्रियाएं पहचानी जा चुकी हैं, लेकिन मंगल के गायब पानी का बड़ा हिस्सा अब भी एक पहेली बना हुआ है। कम्युनिकेशंस अर्थ एंड एनवायरनमेंट जर्नल में प्रकाशित इस नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन ने इस रहस्य को सुलझाने की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत दिए हैं। शोध में पाया गया कि अपेक्षाकृत छोटे और स्थानीय धूल-तूफान भी मंगल के उत्तरी गोलार्ध की गर्मियों के दौरान जलवाष्प को वायुमंडल में काफी ऊंचाई तक पहुंचा सकते हैं।

मार्टियन वर्ष 37 में असामान्य उछाल : वैज्ञानिकों ने मार्टियन वर्ष 37 (पृथ्वी के 2022-2023) के दौरान एक

असामान्य स्थानीय धूल-तूफान का अध्ययन किया। इस दौरान मंगल के मध्य वायुमंडल में जलवाष्प की मात्रा सामान्य स्तर से लगभग दस गुना तक बढ़ गई। इतनी अधिक वृद्धि पहले कभी दर्ज नहीं की गई थी और मौजूदा जलवायु मॉडल भी इसकी भविष्यवाणी नहीं कर पाए थे। हाइड्रोजन का बढ़ना पानी के नुकसान का सीधा संकेत है। जलवाष्प के ऊंचाई तक पहुंचने के बाद वैज्ञानिकों ने एक्सोबेस, जहां से मंगल का वायुमंडल अंतरिक्ष में बदलने लगता है, पर हाइड्रोजन की मात्रा में तेज वृद्धि दर्ज की। यह स्तर सामान्य से 2.5 गुना अधिक था। यह अध्ययन कई अंतरराष्ट्रीय मंगल मिशनों से जुटाए गए आंकड़ों पर आधारित है। इनमें यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के एक्सोमार्स मिशन का ट्रेस गैस ऑर्बिटर (टीजीओ) और उसका नोमैड उपकरण, नासा का मार्स रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर (एमआरओ) और एमिरेट्स मार्स मिशन (ईएमएम) शामिल हैं। ये सभी यान फिलहाल मंगल की कक्षा में सक्रिय हैं और लगातार डेटा भेज रहे हैं। यह अध्ययन संकेत देता है कि मंगल से पानी का नुकसान केवल बड़े वैश्विक तूफानों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे और स्थानीय धूल-तूफान भी इस प्रक्रिया को तेज कर सकते हैं। इससे वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिलेगी कि कैसे एक समय का जलसमृद्ध ग्रह धीरे-धीरे सूखे और निर्जीव मरुस्थल में बदल गया।

होर्मुज एक महीने से बंद, 1970 के दशक से भी बड़े ऊर्जा संकट के मुहाने पर पहुंची दुनिया

ईरान, एजेंसी। ईरान में जारी युद्ध के बीच वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति धुरी होर्मुज स्ट्रेट के एक माह से रुकने से दुनिया संभावित बड़े ऊर्जा संकट पर आ गई है। शिपिंग विशेषज्ञ लार्स जेन्सेन व अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के प्रमुख फातिह बिरोल ने चेताया कि मौजूदा हालात 1970 के दशक के तेल संकट से भी बड़े आर्थिक जोखिम में बदल सकते हैं। हालांकि कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था कुछ लचीली है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार 1970 के दशक का तेल संकट आज की स्थिति से मूल रूप से अलग था, क्योंकि वह सोची-समझी राजनीतिक रणनीति का नतीजा था। क्रिस्टोल एनर्जी की सीईओ डॉ. कैरल नाखले ने कहा, अक्तूबर 1973 में अरब तेल उत्पादक देशों ने योम किप्पुर युद्ध के दौरान इस्राइल समर्थक अमेरिका और सहयोगी देशों के विरुद्ध तेल निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था।

ऊर्जा सुरक्षा पर ऐतिहासिक दबाव : आईईए के प्रमुख फातिह बिरोल ने इस स्थिति को इतिहास का सबसे बड़ा वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा खतरा बताया है। उनके अनुसार यह संकट न केवल 1970 के दशक के तेल झटकों से बड़ा है, बल्कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद आए गैस संकट से भी अधिक गंभीर है। कुल मिलाकर दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां एक ओर 1970 के दशक जैसी अराजकता की आशंका है तो दूसरी ओर आधुनिक आर्थिक संरचना और ऊर्जा प्रबंधन तंत्र इसे झेलने की क्षमता भी रखते हैं। आने वाले महीनों में यह स्पष्ट होगा कि यह संकट इतिहास का सबसे बड़ा ऊर्जा झटका साबित होता है या नहीं।

तेल-गैस आपूर्ति पर सीधा असर : पिछले एक महीने से होर्मुज

जलडमरूमध्य, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है, प्रभावी रूप से बंद है। इस मार्ग से सामान्यतः दुनिया के लगभग 20% तेल का निर्यात होता है, जिससे तेल, गैस और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधित हो गई है। शिपिंग विशेषज्ञ और वेस्पुच्ची मैरीटाइम के प्रमुख लार्स जेन्सेन के अनुसार, एक माह पूर्व खाड़ी से निकला तेल अभी दुनिया की रिफाइनरियों तक पहुंच ही रहा है, लेकिन यह आपूर्ति जल्द ही रुकने वाली है। यदि स्ट्रेट तुरंत खुल भी जाए तब भी अगले 6 से 12 महीनों तक ऊर्जा की कीमतों में भारी उछाल बना रहेगा और आपूर्ति संकट गहराएगा। डॉ. कैरल नाखले का मानना है कि मौजूदा स्थिति गंभीर जरूर है, लेकिन 1970 के दशक जितनी भयावह नहीं है। उनके अनुसार आज का वैश्विक तेल बाजार अधिक विविधतापूर्ण है, तेल पर निर्भरता कम हुई है और आपातकालीन भंडार तथा प्रतिक्रिया तंत्र पहले से कहीं बेहतर हैं, जिससे झटकों को सहने की क्षमता बढ़ी है। डॉ. टियार्नान हीनी भी मानते हैं कि आज देशों के पास बेहतर आर्थिक समझ और रणनीतिक तेल भंडार मौजूद हैं, जो संकट के प्रभाव को कुछ हद तक कम कर सकते हैं। हेरेरो के अनुसार यदि स्थिति जल्द नहीं सुधरी तो तेल और गैस की कीमतों में तेज उछाल, व्यापक महंगाई और गहरी आर्थिक मंदी का खतरा बढ़ सकता है, खासकर एशिया के उन देशों के लिए जो आयात पर निर्भर हैं। हालांकि, वे यह भी मानती हैं कि आज के बेहतर भंडार और ऊर्जा दक्षता कुछ राहत जरूर देते हैं, लेकिन आपूर्ति में इतनी बड़ी कमी के कारण संकट अधिक जटिल और दीर्घकालिक हो सकता है।

मेथी का पानी

हर बीमारी करेगा दूर

मेथी सब्जियों में डालने से काफी फायदा होता है। यह आपके स्वाद को तो बढ़ाती ही हैं साथ ही आपकी सेहत को भी बनाए रखती है। वैसे तो मेथी हर बीमारी को ठीक करने में सक्षम है। पर यदि आप मेथी को पानी में डाल कर सुबह के समय पिएंगे तो यह और भी फायदेमंद साबित होगी। मेथी ना सिर्फ एक मसाला है बल्कि यह हर बीमारी को जड़ से खत्म करने की दवा भी है। अब आप मेथी के गुण नहीं बल्कि मेथी के पानी के गुण के बारे में भी जानिये। आपको हर रात एक पानी से भरा गिलास ले कर उसमें दो चम्मच मेथी दाना डाल कर रातभर के लिए भिगो दें। सुबह इस पानी को छानें और खाली पेट पी जाएं। ऐसा करने से मेथी के पानी में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी ऑक्सीडेंट गुण बढ़ जाते हैं, जिससे आपके शरीर की तमाम बीमारियां पल भर में ही खत्म हो जाएंगी।

वजन कम करे

यदि आप भिगोई हुई मेथी के साथ उसका पानी भी पियें तो आपको जबरदस्ती की भूख नहीं लगेगी। रोज एक महीने तक मेथी का पानी पीने से वजन कम करने में भी मदद मिलती है।

किडनी स्टोन

अगर आप भिगोई हुई मेथी का पानी एक महा तक रोज सुबह खाली पेट पिएंगे तो यदि आपकी किडनी में स्टोन है तो वह जल्द ही निकल जाएगी।

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करे

मेथी में कम्पाउंड और पोटैशियम होता है। ये दोनों आपके ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में बड़ी ही सहायक होती हैं।

कोलेस्ट्रॉल घटाए

अन्य स्टडीज में पता चला है कि मेथी खाने से या उसका पानी पीने से शरीर से खराब कोलेस्ट्रॉल का लेवल कम होता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ता है।

मेथी का पानी पीने के अन्य लाभ

मधुमेह

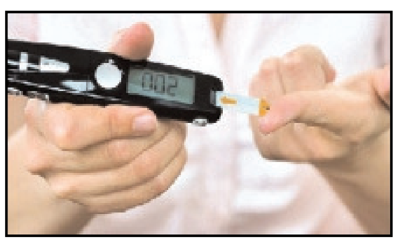

मेथी में फाइबर कम्पाउंड है। इससे रक्त में शक्कर बड़ी धीमी गति से धुलती है। इसी कारण मधुमेह नहीं होता।

गठिया से बचाए

इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, इसी लिए मेथी का पानी गठिया से होने वाले दर्द में भी राहत दिलाती है।

कैंसर से बचाए: मेथी में ढेर सारा फाइबर होता है जो कि शरीर से विषैले तत्वों को निकाल फेंकती है और पेट के कैंसर से बचाती है।

- मेथी वैसे हर बीमारी को जड़ से खत्म करने की दवा भी है

- दो चम्मच मेथी दाना डाल कर रातभर के लिए भिगो दें, सुबह इस पानी को छानें और खाली पेट पी जाएं

- मेथी के पानी में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी ऑक्सीडेंट गुण बढ़ जाते हैं जिससे तमाम बीमारियां खत्म हो सकती हैं

- मेथी का पानी गठिया से होने वाले दर्द में भी राहत दिलाती है

अकेली स्तन कैंसर पीड़िताओं के लिए कठिन है बीमारी को हराना

लास एंजिल्स। सामाजिक रूप से अलग-थलग रहने वाली महिलाएं यदि स्तन कैंसर का शिकार हो जाती हैं तो उनके लिए इस बीमारी को मात देना मुश्किल होता है। इन महिलाओं में इस बीमारी के दोबारा उभरने की भी आशंका रहती है। यह दावा एक नए अध्ययन में किया गया है।

ऐसी महिलाओं को सामाजिक संपर्क जरूरी : एक अध्ययन में पाया गया है कि सामाजिक रूप से अलग-थलग रहने वाली जिन महिलाओं को स्तन कैंसर हुआ था, उनमें इस बीमारी के लौटने या घातक हो जाने की दर ज्यादा थीं जबकि बेहतर सामाजिक संपर्क रखने वाली महिलाओं की स्थिति बेहतर रही।

ऐसी महिलाओं में सामाजिक संबंध फायदेमंद दिखे : यह भी पाया गया कि कुछ खास सामाजिक संबंध फायदेमंद थे जबकि अन्य नहीं थे। कुछ रिश्तों से तो किसी खास जाति वर्ग या खास आयु वर्ग के मरीजों को ही लाभ हुआ। विश्लेषण के लिए अमेरिका के ''कैंसर परमानेंट डिवीजन ऑफ रिसर्च' के शोधकर्ताओं ने स्तन कैंसर की शिकार 9,267 महिलाओं से जुड़ी जानकारी का अध्ययन किया। उन्हें यह देखना था कि किसी मरीज की बीमारी का पता चलने के दो साल के भीतर के सामाजिक संबंध से कैसे उनके बचे रहने पर असर पड़ता है।

अकेली महिलाओं में यह बीमारी दोबारा आने का खतरा 40 फीसदी ज्यादा : अध्ययन में शामिल किए गए स्तन कैंसर के कुल मामलों में से 1,448 मामलों में कैंसर दोबारा हुआ और 1,521 लोगों की मौतें हुई। अध्ययन में पाया गया कि सामाजिक रूप से एकजुट महिलाओं की तुलना में अलग-थलग रहने वाली महिलाओं में स्तन कैंसर दोबारा आने का खतरा 40 फीसदी ज्यादा है। अलग-थलग रहने वाली महिलाओं में स्तन कैंसर के कारण मरने का खतरा 60 फीसदी अधिक और किसी भी वजह से मरने का खतरा 70 फीसदी अधिक है। यह अध्ययन ''कैंसर नामक जर्नल' में प्रकाशित किया गया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

लॉफिंग ज़ोन

एक प्रेमी ने सोचा कि प्रेमिका से विवाह का प्रस्ताव नए अंदाज में किया जाए।

एक दिन प्रेमिका से मुलाकात होने पर उसने कहा- प्रिये! मैं स्वयं को तुम्हें भेंट करना चाहता हूँ।

प्रेमिका ने बुरा सा मुँह बनाकर कहा- मुझे घटिया तोहफे लेने की आदत नहीं हैं।

□ □ □

वकील ने खूबसूरत युवती से पूछा- परसों रात तुम कहाँ थी?

युवती- अपने पड़ोसी के साथ रेस्त्राँ गई थी।

वकील ने दूसरा सवाल पूछा- और कल रात?

युवती- मेरे एक दूसरे पड़ोसी के साथ।

वकील ने धीरे से पूछा- और आज का तुम्हारा क्या कार्यक्रम है?

दूसरा वकील चिल्लाया- ऑब्जेक्शन मी लॉर्ड! यह सवाल मैंने पहले ही कर लिया है।

□ □ □

पति, पत्नी से- कल रात मैंने एक बहुत बुरा सपना देखा। मैंने देखा कि मैं सुंदर लड़कियों के झुंड में मौजूद हूँ।

पत्नी- तो यह सपना बुरा कैसे हुआ?

पति बोला- क्योंकि सपने में मैं खुद भी तो एक लड़की ही था।

काकुरो पहेली - 649

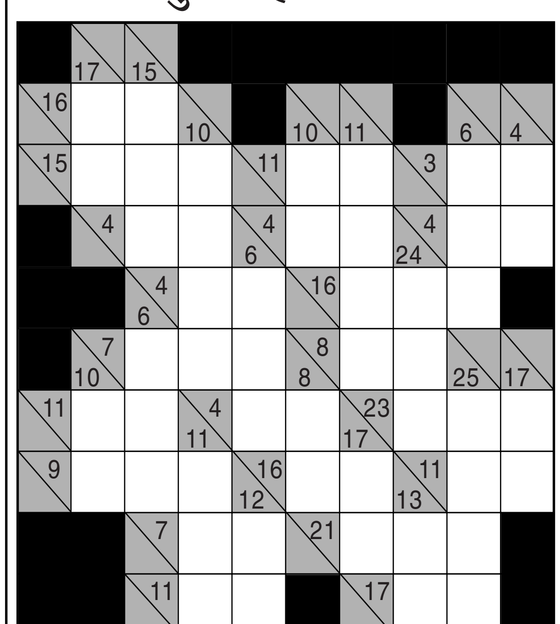

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 648 का हल

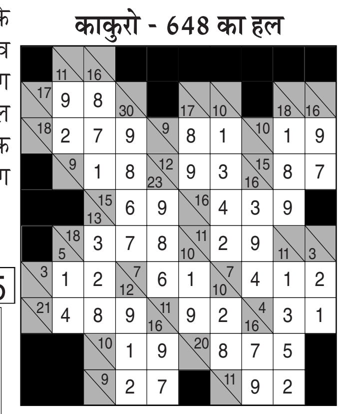

फिल्म वर्ग पहेली- 649

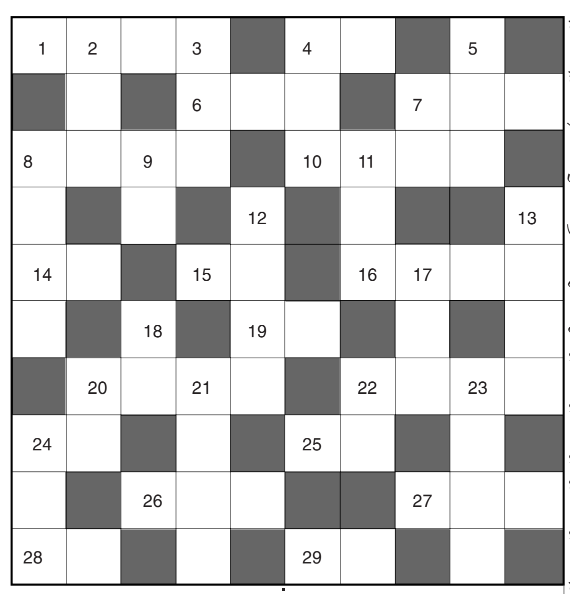

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 648

गु	रू		खा	मो	शी		आ	स	रा
रू		फ	न		बा	द	शा	ह	
दे	वी		दा	ग		स्त		र	न
व	र	दा	न		म	क	ड़ी		ती
	ता			फॉ	सी			रा	जा
आ		स	जा		हा	र	जी	त	
शि	का	र		आ		क्ष		औ	
क		ग	ब	न		क	ह	र	
	धू	म		बा	जी			दि	ल
पा	प		जी	न	त		डॉ	न	

सूडोकु -649

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -648 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली -649

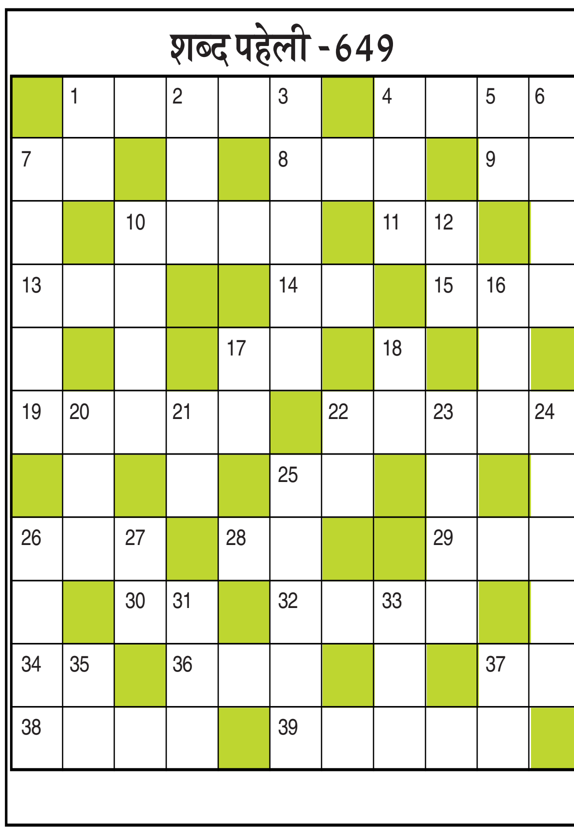

बाएँ से दाएँ

1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

शब्द पहेली -648 का हल

	रा	ज	क	पू	र		अ	च	र	ज
ज	य		रा		क्षि	ति	ज		त	ला
ना		अ	मा	न	त		र	वा		व
न	सी	ह	त		व	ह		म	का	न
खा		म		र	न	र			ल	
ना	म	क	र	ण		स	ला	ह	का	र
	हा			वी	रा	ना		र		ज
का	न	न		र	ज		अ	जा	ग्र	त
म		र	ज		घ	ब	रा	ना		प
का	र		ग	ज	रा		ज		प	ट
ज	न	म	त		ना	ट	क	का	र	

प्रधानमंत्री मोदी नौ अप्रैल को नारायणगढ़ में करेंगे चुनावी जनसभा

एजेंसी

पश्चिम मेदिनीपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी नौ अप्रैल को नारायणगढ़ में एक चुनावी सभा को संबोधित करने आ रहे हैं, जिससे चुनावी मुकाबला और तेज होने की संभावना जताई जा रही है। इस सभा में वह नारायणगढ़ विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार रमाप्रसाद गिरी के समर्थन में प्रचार करेंगे। रमा प्रसाद गिरी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभा को लेकर पार्टी स्तर पर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। दूसरी ओर इससे पहले तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार प्रतिभा रानी माइती के समर्थन में राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी यहां जनसभा कर चुकी हैं। ऐसे में नारायणगढ़ अब सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के शक्ति प्रदर्शन का प्रमुख केंद्र बन गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुख्यमंत्री की सभा के जवाब में प्रधानमंत्री की यह जनसभा काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इससे चुनाव से पहले क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी और प्रतिस्पर्धा और बढ़ने की संभावना है।

चंडीगढ़ में खालिस्तानी आतंकी ने ली भाजपा मुख्यालय के बाहर धमाके की जिम्मेदारी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ स्थित पंजाब भाजपा कार्यालय के बाहर बुधवार की शाम हुए बम धमाके की जिम्मेदारी एक खालिस्तानी आतंकी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए ली है। इस बीच चंडीगढ़ पुलिस के अलावा पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स, एनआईए तथा सेना के अधिकारियों ने घटनास्थल की जांच शुरू कर दी है। सेक्टर 37 स्थित भाजपा कार्यालय की तरफ जाने वाले सभी रास्तों को सील कर दिया गया है। इसके अलावा यूटी चंडीगढ़, पंजाब के मोहाली तथा हरियाणा के पंचकूला की तरफ जाने वाले सभी रास्तों को सील करके सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। शाम पांच बजे के करीब सेक्टर-37 स्थित पंजाब भाजपा मुख्यालय के बाहर जोरदार धमाका हुआ। धमाके के कारण पार्किंग में खड़े कई वाहन तथा इमारत की खिड़कियों के शीशे टूट गए। घटना की सूचना मिलने के बाद चंडीगढ़ पुलिस की कई टीमें जांच के लिए मौके पर पहुंची। इसी दौरान पुलिस को सीसीटीवी फुटेज से एक वीडियो मिला है। जिसमें एक युवक ग्रेनेड का पिन निकालकर फैंकते हुए दिखाई दे रहा है। इसके बाद वह पंजाबी में गालियां देते हुए भाग जाता है। हमलावरों की संख्या दो होने की आशंका जताई जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले लिएंडर पेस, खेल और राष्ट्र निर्माण पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। भाजपा नेता और पूर्व टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच खेल, युवाओं की भूमिका और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा, 'लिएंडर पेस के साथ शानदार मुलाकात हुई। भारत को टेनिस में उनकी उपलब्धियों पर बहुत गर्व है। हमने कई मुद्दों पर चर्चा की। खेल और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनका जुनून सचमुच सराहनीय है। मोदी ने पेस के खेल जगत में योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है और युवाओं के लिए प्रेरणा बने हुए हैं। प्रधानमंत्री के इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिएंडर पेस ने भी 'एक्स' पर लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व, ऊर्जा और राष्ट्र के प्रति उनके जुनून से अभिभूत हूं। आपकी टीम का हिस्सा बनकर और आपके मार्गदर्शन में देश की सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात है। जय हिंद, जय भारत। ' उल्लेखनीय है कि लिएंडर पेस भारत के सबसे सफल टेनिस खिलाड़ियों में से एक रहे हैं और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कई खिताब जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कल ही दिल्ली में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। इसके बाद से वह भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से शिष्टाचार भेंट कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के जालना में ट्रक ने 10 महिला मजदूरों को रौंदा, सात की मौत, तीन घायल

मुंबई। महाराष्ट्र के जालना में बड़ा हादसा हुआ। यहां समृद्धि हाईवे पर जनवाड़ी-कदवंची इलाके के पास तेज रफ्तार ट्रक ने सफाई का काम कर रही 10 महिला मजदूरों को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में सात महिला मजदूरों की मौत हो गई है, जबकि तीन घायल हो गई हैं। जालना पुलिस घटनास्थल पर राहत और बचाव का कार्य कर रही है।पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये महिलाएं समृद्धि हाईवे पर सफाई का काम कर रही थीं। शाम छह बजे के करीब मुंबई की ओर जा रहे

एक तेज रफ्तार ट्रक ने इन महिला मजदूरों को रौंद दिया। इस घटना में सात महिला मजदूरों की मौके पर मौत हो गई, जबकि तीन मजदूर घायल हो गईं। तीनों को तत्काल जालना शासकीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। वहीं, जालना विधायक अर्जुन खोतकर घटनास्थल पर पहुंचे और इस घटना की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने अस्पताल में जाकर घायल महिलाओं से भी मुलाकात की है।

झारखंड में नाबालिग के साथ हुई घटना पर महिला आयोग सख्त, गठित की जांच समिति

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने झारखंड के हजारीबाग जिले में 12 वर्षीय बालिका के साथ हुए अत्यंत जघन्य अपराध के संबंध में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

बालिका का शव 25 मार्च को संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया, जिसमें अत्यधिक क्रूरता के संकेत सामने आए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है, जो मामले की विस्तृत जांच करेगी। यह समिति 2 अप्रैल को घटनास्थल का दौरा कर तथ्यों का संकलन करेगी तथा संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर घटना के कारणों, परिस्थितियों और अब

तक की गई कार्रवाई का आकलन करेगी।समिति में ममता कुमारी (पूर्व सदस्य, राष्ट्रीय महिला आयोग), मनमोहन वर्मा (विधि अधिकारी, राष्ट्रीय महिला आयोग) एवं कंचन खट्टर (वरिष्ठ समन्वयक, राष्ट्रीय महिला आयोग) शामिल हैं। रहाटकर ने राज्य प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मामले में त्वरित, निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे दोषियों के विरुद्ध कठोरतम दंडात्मक कदम उठाए जा सकें। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस और निवारक उपाय आवश्यक हैं।

रहाटकर ने एक बयान में कहा कि इस प्रकार के जघन्य अपराध किसी भी सभ्य समाज के लिए अस्वीकार्य हैं और पीड़िता को शीघ्र न्याय दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाना चाहिए। जांच समिति अपनी रिपोर्ट 10 कार्य दिवसों के भीतर आयोग को प्रस्तुत करेगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कांग्रेस ने एसआईआर विरोधी आंदोलन का साथ नहीं दिया : ममता बनर्जी

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस के आंदोलन को राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन नहीं दिया। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया और पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं के समर्थन में भी आगे नहीं आई। मुर्शिदाबाद जिले के नबग्राम में आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, 'मैंने कई बार उनसे विशेष सघन पुनरीक्षण के खिलाफ संयुक्त रूप से आंदोलन करने तथा भारत निर्वाचन आयोग के पास साथ जाने का आग्रह किया, लेकिन उन्होंने हमारी अपील स्वीकार नहीं की। जब पुनरीक्षण का काम चल रहा था तब उन्होंने जनता की चिंता नहीं की। उस समय केवल तृणमूल कांग्रेस के बूथ स्तर के कार्यकर्ता ही मतदाताओं के साथ खड़े थे।

' उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग पर दक्षिण कोलकाता स्थित उनके विधानसभा क्षेत्र भवानीपुर को विशेष रूप से निशाना बनाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा, 'भवानीपुर में असामान्य रूप से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। फिर भी मैं चुनाव लड़ूंगी और अंततः जीतूंगी।

' मुख्यमंत्री के अनुसार पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान अल्पसंख्यक, जनजातीय तथा पिछड़े वर्ग के मतदाताओं को निशाना बनाया गया। उन्होंने यह भी कहा कि अनेक हिंदू मतदाताओं के नाम भी मतदाता सूची से हटाए गए हैं।

आईसीएआर ने कृषि को विज्ञान, नवाचार और समाधान से जोड़ा : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली ।दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर) के 122वें स्थापना दिवस समारोह में कहा कि आईसीएआर ने भारत की कृषि को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि उसे विज्ञान, नवाचार और समाधान से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि आईसीएआर खेत और प्रयोगशाला के बीच की दूरी को समाप्त करते हुए संस्थान ने हरित क्रांति से लेकर आज की आधुनिक, तकनीक आधारित खेती तक देश को एक नई दिशा दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह संस्थान इस परिवर्तन का अग्रदूत है, जो ज्ञान को जमीन तक पहुंचाकर किसानों की ताकत को बढ़ा रहा है और भारत की कृषि को भविष्य के लिए तैयार कर रहा है। उन्होंने आईसीएआर से राजधानी में धूल और प्रदूषण को कम करने और हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए पौधारोपण के साथ-साथ तरीकें से सहयोग करने की बात

कही है। मुख्यमंत्री ने लोगों से संसाधन बचाने और उनका उपयोग सही तरीके से करने की अपील की। उन्होंने कहा कि भूजल, बिजली और पेट्रोल जैसे संसाधनों का इस्तेमाल आने वाली पीढ़ियों को ध्यान में रखा करें। इन संसाधनों को सुरक्षित और बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक काम करें। उन्होंने कहा कि आईसीएआर ने देश में खाद्यान्न संकट को दूर किया। आज देश खाद्यान्न क्षेत्र में आत्मनिर्भर होकर दूसरे देश की मदद कर रहा है। इस अवसर पर कैबिनेट सहयोगी रवींद्र इंद्राज सहित संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारी और शोधकर्ता उपस्थित रहे।

इंदौर एयरपोर्ट की यात्री सुविधा सर्वे में लंबी छलाग, 10वें से तीसरे स्थान पर पहुंचा

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट ने वर्ष 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए यात्री सुविधाओं के मामले में बड़ी छलांग लगाई है। यात्री सुविधा सर्वे में इंदौर एयरपोर्ट 10वें स्थान से सीधे तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) ने बुधवार (एक अप्रैल) को अपना 31वां वार्षिक दिवस (स्थापना दिवस) मनाया, जिसमें इंदौर एयरपोर्ट के निदेशक सुनील मग्गीरवार को सम्मानित किया गया।

इस मौके पर एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) द्वारा कराए गए एयरपोर्ट सर्विस क्वालिटी (एएसक्यू) सर्वे के नतीजे जारी किए गए। इसमें इंदौर एयरपोर्ट को पांच में से 4.92 अंक मिले हैं, जबकि वर्ष 2024 में यह स्कोर 4.82 था और रैंक 10वीं थी। इस तरह एयरपोर्ट ने 0.10 अंकों की बढ़त के साथ सात पायदान ऊपर चढ़ते हुए टॉप-तीन में जगह बनाई है। सर्वे में 4.94 अंक के साथ पुणे एयरपोर्ट पहले और 4.93 अंकों के

साथ गोवा एयरपोर्ट दूसरे स्थान पर रहा। गौरतलब है कि एसीआई द्वारा उक्त सर्वे भारत के 16 और एशिया-पेसिफिक के 18 देशों के 98 एयरपोर्ट पर किया जाता है, जहां सालाना 18 लाख से ज्यादा यात्री आते हैं। सर्वे में एयरपोर्ट पर आने-जाने वाले यात्रियों से 31 अलग-अलग मानकों पर फीडबैक लिया जाता है। इनमें साफ-सफाई, पार्किंग, स्टाफ व्यवहार, शॉपिंग और खान-पान जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इंदौर एयरपोर्ट ने इस बार 31 में से 30 बिंदुओं पर पिछले साल से बेहतर प्रदर्शन किया, सिर्फ पासपोर्ट स्टाफ व्यवहार में थोड़ी गिरावट दर्ज हुई।

पश्चिम बंगाल के मालदा में मतदाता सूची पर बवाल, आठ घंटे बाद देररात मुक्त कराए जा सके सात अधिकारी

एजेंसी

कोलकाता,। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के कालियाचक-2 प्रखंड विकास कार्यालय में विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में लगे सात न्यायिक अधिकारियों को बुधवार देरात लगभग आठ घंटे के घेराव के बाद पुलिस ने सुरक्षित बाहर निकाला। मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के आरोप को लेकर यह विरोध प्रदर्शन हुआ। रिपोर्ट के अनुसार कालियाचक, मोथाबाड़ी और सुजापुर क्षेत्रों में उस समय प्रदर्शन शुरू हो गया जब अल्पसंख्यक समुदाय के कुछ स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि वैध दस्तावेज होने के बावजूद उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इनमें से अधिकतर लोग सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस से जुड़े हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 12 के कुछ हिस्सों को भी अवरुद्ध कर दिया और मतदान से पहले सूची में सुधार की मांग की। अधिकारियों के अनुसार, तीन महिला अधिकारियों सहित सात न्यायिक अधिकारी एसआईआर कार्य के

सिलसिले में प्रखंड कार्यालय पहुंचे थे। इसी दौरान दोपहर से प्रदर्शनकारियों ने कार्यालय का घेराव शुरू कर दिया। बाद में आधी रात बाद पुलिस सुरक्षा में उन्हें वहां से निकाला गया। बचाव अभियान के दौरान पुलिस काफिले पर हमले की कोशिश की भी खबर है। घटनास्थल से सामने आए दृश्य में एक वाहन के अंदर टूटे कांच भी दिखाई दिए हैं। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुकांत मजूमदार ने इसके लिए तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व को जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर मुद्दे पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अन्य नेताओं के कथित उकसाने वाले बयानों के कारण यह स्थिति बनी है। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के नेता कुणाल घोष ने कहा कि उनकी पार्टी कानून को हाथ में लेने का समर्थन नहीं करती। उन्होंने पूरे घटनाक्रम के लिए भारत निर्वाचन आयोग को जिम्मेदार ठहराते हुए आरोप लगाया कि भाजपा समर्थित कुछ छोटे दल अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि सड़क जाम खोलने के लिए प्रदर्शनकारियों से कई दौर की बातचीत की गई। स्थिति सामान्य बनाने के प्रयास जारी हैं, हालांकि कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर फिलहाल विस्तृत टिप्पणी नहीं की गई है।

सीएम ने केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों से मुलाकात कर राज्य के विकास को लेकर की चर्चा

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्रियों और राज्य के संसद सदस्यों से मुलाकात कर प्रदेश के विकास संबंधी योजनाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय संचार और उत्तर पूर्वी विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार से मुलाकात की। उन्होंने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और संसदीय मामलों के राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन , केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गादास उइके, केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर से भी मुलाकात की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और महेन्द्र सिंह भी उनके साथ उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसके पहले मध्य प्रदेश के सांसदों से विकास के विभिन्न मुद्दों पर वन-टू-वन चर्चा की। प्रदेश के विभिन्न अंचलों में केंद्र प्रवर्तित योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में संसद सदस्यों के साथ मध्य प्रदेश भवन में हुई बैठक में विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

जनगणना-2027 की शुरुआत, डिजिटल स्व-गणना के साथ दुनिया का सबसे बड़ा सर्वे अभियान आरंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में जनगणना-2027 के तहत विश्व के सबसे बड़े प्रशासनिक और सांख्यिकीय अभियान की औपचारिक शुरुआत हो गई। केंद्र सरकार ने पहले चरण 'मकानसूचीकरण और मकानों की गणना' (हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन) की शुरुआत करते हुए इस बार जनगणना को पूरी तरह डिजिटल स्वरूप में संचालित करने का निर्णय लिया है। खास बात यह है कि पहली बार नागरिकों को स्व-गणना की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे वे स्वयं ऑनलाइन अपने परिवार का विवरण दर्ज कर सकते हैं। देश की परंपरा को कायम रखते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सबसे पहले स्व-गणना कर इस राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ किया। इसके बाद उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भी ऑनलाइन माध्यम से अपनी-अपनी स्व-गणना पूरी की। प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने घर-परिवार का विवरण स्वयं दर्ज करें और इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने जनगणना

को विकास योजनाओं की आधारशिला बताते हुए इसे जनभागीदारी से सफल बनाने पर जोर दिया। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, जनगणना-2027 के प्रथम चरण के तहत मकानसूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य 1 अप्रैल से 30 सितंबर के बीच देशभर में किया जाएगा। इस चरण में घरों की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं, परिसंपत्तियों और बुनियादी ढांचे से जुड़ी विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी। सरकार के अनुसार, इस चरण के लिए कुल 33 प्रश्न अधिसूचित किए गए हैं, जो साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और लक्षित कल्याणकारी योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करेंगे। प्रारंभिक चरण में स्व-गणना की सुविधा आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू की गई है, जिनमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गोवा, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मिजोरम, ओडिशा, सिक्किम और दिल्ली के नई दिल्ली नगरपालिका परिषद तथा दिल्ली छावनी बोर्ड क्षेत्र शामिल हैं। पहले ही दिन इन क्षेत्रों से लगभग 55 हजार परिवारों ने स्व-गणना सुविधा का उपयोग किया, जो इस डिजिटल पहल के प्रति लोगों की बढ़ती जागरूकता और सहभागिता को दर्शाता है।सरकार के अनुसार, स्व-गणना एक सुरक्षित वेब-आधारित प्रणाली है, जो 16 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है। इसके तहत नागरिक अपने मोबाइल नंबर और बुनियादी पहचान संबंधी जानकारी का उपयोग कर निर्धारित पोर्टल पर लॉग इन कर सकते हैं। फॉर्म भरने और सबमिट करने के बाद एक यूनिक सेल्फ-एनुमरेशन आईडी जारी होती है, जिसे बाद में प्रगणक के सत्यापन के समय साझा करना होता है। हालांकि डिजिटल सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद पारंपरिक प्रक्रिया भी जारी रहेगी।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने सीबीएसई की कक्षा 3 से 8 तक के लिए एआई और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग का नया पाठ्यक्रम लॉन्च किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के कक्षा 3 से 8 तक के छात्रों के लिए कम्प्यूटेशनल थिंकिंग (सीटी) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित नया पाठ्यक्रम लॉन्च किया। इस मौके पर प्रधान ने कहा कि शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में इस पाठ्यक्रम का शुभारंभ भविष्य के लिए तैयार शिक्षा की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। उन्होंने कहा कि यह पहल पहली बार स्कूल स्तर पर बड़े पैमाने पर एआई शिक्षा को व्यवस्थित रूप से लागू करती है।

उन्होंने बताया कि पाठ्यक्रम में संरचित मॉड्यूल, शिक्षकों के लिए विस्तृत हैंडबुक और छात्रों के मूल्यांकन के लिए मजबूत ढांचा शामिल है, जिससे बच्चों को उभरती तकनीकों से शुरुआती और व्यवस्थित परिचय मिलेगा और उनके भविष्य के लिए मजबूत आधार तैयार होगा। प्रधान ने कहा कि 'एआई फॉर एजुकेशन, एआई इन एजुकेशन' की सोच के अनुरूप यह पहल शिक्षा प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाएगी। इससे छात्रों में आलोचनात्मक सोच, डिजाइन आधारित दृष्टिकोण और नवाचार की संस्कृति विकसित होगी। उन्होंने कहा कि भारत की तकनीकी क्षमता को

वैश्विक स्तर पर पहचान मिल रही है और यह पाठ्यक्रम छात्रों को डिजिटल भविष्य को समझने और उसे आकार देने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने इस पहल के लिए सीबीएसई और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) को बधाई दी और कहा कि इससे तकनीक-सक्षम और लचीली शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि शिक्षा को अब केवल वर्तमान के लिए नहीं, बल्कि ऐसे भविष्य के लिए तैयार करना होगा जो तेजी से बदल रहा है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ज्ञान निर्माण, निर्णय प्रक्रिया और अर्थव्यवस्था को बदल रहा है, इसलिए जरूरी है कि बच्चे केवल तकनीक के उपभोक्ता नहीं, बल्कि उसके जिम्मेदार निर्माता बनें। उन्होंने कहा कि शुरुआती स्तर पर कम्प्यूटेशनल थिंकिंग की शुरुआत से ऐसे छात्रों की नींव रखी जाएगी, जो लगातार सीखने, बदलने और नई परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने में सक्षम होंगे। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप मानव संसाधन के विकास में एक महत्वपूर्ण निवेश है। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह पाठ्यक्रम 2026-27 शैक्षणिक सत्र से कक्षा 3 से 8 तक लागू किया जाएगा। इसका उद्देश्य छात्रों में कम्प्यूटेशनल थिंकिंग कौशल विकसित करना है, जिससे वे तार्किक सोच, समस्या समाधान और पैटर्न पहचान जैसी क्षमताओं को विकसित कर सकें और दैनिक जीवन में एआई की भूमिका को समझ सकें। पाठ्यक्रम का लक्ष्य डिजिटल साक्षरता, जिम्मेदार तकनीकी उपयोग, नवाचार, आलोचनात्मक सोच और नैतिक निर्णय क्षमता को बढ़ावा देना है। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा 2023 (एनसीएफ-एसई) के अनुरूप है। इसके तहत चरणबद्ध तरीके से पहले कम्प्यूटेशनल थिंकिंग और बाद में उच्च कक्षाओं में एआई की पढ़ाई को शामिल किया जाएगा।

पंजाब की भाईचारे की एकता को तोड़ नहीं सकतीं अलगाववादी ताकतें : जाखड़

एजेंसी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ स्थित पंजाब भाजपा मुख्यालय के बाहर हुए बम धमाके के बाद सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से कटघरे में आ गई है। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष एवं विधायक अश्वनी शर्मा दो दिन से इसी कार्यालय में रूके हुए थे और धमाके से कुछ समय पहले ही वह दिल्ली के लिए रवाना हुए। बम धमाके के बाद पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कहा कि पहले से पंजाब के थानों पर लगातार ग्रेनेड हमले हो रहे हैं। फिर बीते दिन होशियारपुर में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की मूर्ति को खंडित किया गया और आज चंडीगढ़ में भाजपा के राज्य स्तरीय कार्यालय पर हमला हुआ है। यह घटनाओं की श्रृंखला राज्य की साम्प्रदायिक एकता को तोडने की कोशिशों का संकेत है। दूसरी ओर सीमावर्ती राज्य की सरकार इन सबको रोकने में असफल साबित हो रही है, जिसके कारण अब पंजाब की बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति का असर चंडीगढ़ तक पहुंचने लगा है। अलगाववादी ताकतें चाहे जितनी भी कोशिश कर लें, वे पंजाब की भाईचारे की एकता को तोड़ नहीं सकतीं। भाजपा के प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा कि चंडीगढ़ में भाजपा पंजाब कार्यालय के बाहर बम ब्लास्ट की घटना चौंकाने वाली और बेहद चिंताजनक है। गंभीर बात यह है कि पंजाब भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा पिछले दो दिनों से उसी कार्यालय में मौजूद थे और कुछ समय पहले ही दिल्ली में एक राजनीतिक कार्यक्रम के लिए रवाना हुए हैं। उन्होंने कहा कि 15 दिन पहले पठानकोट के एसएसपी ने उन्हें एक विशिष्ट खतरे की आशंका के चलते अपनी मॉर्निंग वॉक रोकने की चेतावनी दी थी। यह चेतावनी और आज का ब्लास्ट दोनों में कोई संबंध है या नहीं, यह जांच का विषय है, लेकिन इस संयोग को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह केवल एक नेता या एक पार्टी कार्यालय की बात नहीं है। यह पंजाब में सुरक्षा, खुफिया समन्वय और समग्र कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल उठाता है। जिम्मेदार लोगों की पहचान की जानी चाहिए और उन्हें जल्द से जल्द न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। ऐसे आतंकवादी कृत्यों के लिए शून्य सहनशीलता होनी चाहिए। केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि पिछले एक हफ्ते से इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। पहले अमृतसर थाने में धमाका हुआ। फिर जालंधर में हुआ। इसे पुलिस ने कवर किया। अब यह चंडीगढ़ तक पहुंच गए हैं। अब यह कहेंगे कि चंडीगढ़ तो सेंटर के अधीन आता है। चंडीगढ़ के एसएसपी भी पंजाब से आते हैं।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और पंजाब में मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम शुक्रवार को आईपीएल के अपने इस सत्र के दूसरे मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरेगी। सीएसके की टीम को इस सत्र में अपने पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर लय हासिल करना रहेगा। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलने की उम्मीद है। टीम के अनुभवी खिलाड़ी और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के इस मैच में भी खेलने को लेकर संशय बना हुआ है हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है। सीएसके की पहले मैच में शुरुआत निराशाजनक रही थी। उसके बल्लेबाज रन नहीं बना पाये थे। ऐसे में कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सहित सभी बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे।

सीएसके का लक्ष्य पहले मैच में मिली हार से सबक लेते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में बल्लेबाज संजू सैमसन भी बड़ी पारी खेलकर सीएसके प्रबंधन के सामने अपने को साबित करना चाहेंगे। सीएसके ने इस सत्र में ट्रेड डील के जरिये उन्हें राजस्थान रॉयल्स से खरीदा है पर वह अपने पहले मैच में प्रभावित नहीं कर पाये। इसलिए इस मैच में वह बड़ी पारी खेलकर हिसाब बराबर करना चाहेंगे। वहीं इस मैच में भी उभरते हुए बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस का खेलना संदिग्ध है। ब्रेविस मांसपेशियों के खिंचाव से उबर रहे हैं। पहले मैच में इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे सरफराज खान को भी इस मैच में अवसर मिल सकता है। युवा कार्तिक शर्मा से इस मैच में भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

वहीं पहले मैच में विफल रहे टीम के मुख्य गेंदबाज मैट हेनरी और नूर अहमद इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

दूसरी ओर श्रेयस अय्यर की कप्तानी में उतरी पंजाब किंग्स ने पहले ही मैच में गुजरात टाइटंस को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। गुजरात के खिलाफ कूपर कॉनॉली ने तीसरे नंबर बेहतरीन बल्लेबाजी की थी जिससे भी टीम को लाभ हुआ था। अब कॉनॉली इस

मैच में भी अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। पहले मैच में असफल रहे प्रभसिमरन सिंह, प्रियांश आर्य और शशांक सिंह जैसे बल्लेबाज भी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

टीम की गेंदबाजी भी मजबूत है उसके पास स्पिनर युजवेंद्र चहल के अलावा तेज गेंदबाजों के तौर लॉकी फर्ग्यूसन, अर्शदीप सिंह और हरप्रीत बराड़ जैसे तेज गेंदबाज हैं।

दोनो ही टीमों के बीच अब तक आंकड़ों पर गौर करें तो अब तक इनके बीच 32 मैच हुए हैं जिसमें से 17 सीएसके जबकि 15 पंजाब ने जीते हैं। ऐसे में इस बार भी रोमांचक मुकाबले के आसार हैं।

टीम इस प्रकार है

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन द्वारशुइस, मुशीर खान, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह, पाइला अविनाश, शशांक सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, खलील अहमद, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, अकील होसेन, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जकारी फॉल्क्स, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक शर्मा, सरफराज खान, आयुष म्हात्रे।

हार के बाद ऋषभ पर भड़के संजीव गोयनका, प्रशंसकों को याद आया के एल राहुल वाला मामला

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम को आईपीएल के 19 सत्र में पहले ही मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली कैपिटल्स से मिली 6 विकेट की हार के बाद सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका कप्तान ऋषभ पंत पर भड़क गये। जिससे एक बार फिर 2024 आईपीएल की यादें ताजा हो गयीं जब गोयनका उस समय कप्तान रहे के एल राहुल पर भड़क गये थे। इस बार दिल्ली के खिलाफ हुए मुकाबले में लखनऊ की बल्लेबाज बेबस नजर आयी और पूरी टीम 141 रन ही बना पायी। टीम अपने 20 ओवर भी नहीं खेल पायी। सुपर जाएंट्स की इस हार के बाद का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है। इसमें टीम मालिक संजीव गोयनका ऋषभ और टीम के सहयोगी स्टार के साथ मैदान में बातें करते दिखे। वह क्या बात कर रहे हैं यह तो पता नहीं चहला है पर प्रशंसकों का मानना है कि वह अपनी भड़ास निकला रहे थे।

आईपीएल 2024 के दौरान भी गोयनका का इसी प्रकार राहुल के साथ बहस करने का एक वीडियो भी आया था। उस वीडियो में गोयनका सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 10 विकेट से मिली हार के बाद राहुल पर भड़कते हुए दिखे थे। राहुल ने हालांकि कभी इस मामले पर कोई बयान नहीं दिया पर उस सत्र के बाद उन्होंने टीम छोड़ दी थी। वहीं उसके बाद कप्तानी संभालने वाले ऋषभ के साथ भी इसी तरह का व्यवहार करने से संजीव गोयनका पर कई सवाल भी उठ रहे हैं।

वहीं एक प्रशंसक ने सोशल मीडिया में लिखा, 'पहले राहुल थे, अब ऋषभ हैं। जीतना और हारना खेल का हिस्सा है पर इस प्रकार सबके सामने किसी का अपमान करना सही नहीं है। साथ ही कहा कि अगर गोयनका को कोई चिंता है, तो वह ड्रेसिंग रूम में होनी चाहिए, राहुल और ऋषभ जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को मीडिया के सामने लेक्चर देना जुनून कम और बॉस जैसा ज्यादा लगता है जो यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि प्रभारी कौन है। उन खिलाड़ियों का सम्मान करें जो अपना सब कुछ देते हैं।'

वहीं एक प्रशंसक ने लिखा, 'हार के बाद गोयनका ऋषभ पंत और कोचिंग स्टाफ से बात कर रहे हैं। गोयनका को राहुल के साथ दिखाया गया व्यवहार पसंद नहीं आया था, आज का मैच हारने के बाद उन्होंने फिर से ऋषभ के साथ वैसा ही व्यवहार किया है। साथ ही लिखा कि ऐसे घमंडी मालिकों को लीग से बाहर कर दिया जाना चाहिये जिन्हें खिलाड़ियों से किस प्रकार बात करनी है ये भी पता नहीं है।'

गुजरात टाइटंस को काफी सुधार की जरुरत : चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि गुजरात टाइटन्स को इस सत्र में अगर अच्छा प्रदर्शन करना है तो उसके कप्तान शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन सहित शीर्ष क्रम को अधिक से अधिक रन बनाने होंगे। चोपड़ा के अनुसार गुजरात की कमजोरी ये है कि वह वह अपनी शीर्ष बल्लेबाजों पर ही निर्भर है और जब ये असफल होते हैं तो वह ढ़ह जाती है। चोपड़ा के अनुसार पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी ये बात साबित हुई है। इस मैच में दिखा है कि टीम के कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी भी है। चोपड़ा ने कहा, जीत के लिए टाइटन्स के लिए शीर्ष तीन बल्लेबाजों को अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाना होगा। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए भी इन्हें अधिक से अधिक ओवर खेलने होंगे। इसका कारण है कि टीम में मध्य और निचले क्रम ने अभी तक अपने को साबित नहीं किया है। उन्होंने कहा, ग्लेन फिलिप्स अब तक 25 रन से अधिक नहीं बना पाये हैं जबकि उनसे अच्छे स्कोर की उम्मीद की जाती है। इसके अलावा स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को भी आक्रामक बल्लेबाजी करनी होगी। चोपड़ा ने टीम के चयन और बल्लेबाजी क्रम पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, शाहरुख खान की जगह पर कुमार कुशाग्र को शामिल किया जाना चाहिये था। गुजरात को अपने चौथे, पांचवें और छठे नंबर के बल्लेबाजों में बदलाव करना होगा। चोपड़ा ने कहा कि शुभमन गिल को भी अच्छी रणनीति बनानी होगी। उन्होंने कहा, उनकी रणनीति अब तक विफल रही है। पंजाब के खिलाफ उन्होंने गेंदबाजों को सही से उपयोग नहीं किया। प्रसिद्ध कृष्णा को काफी देर से गेंदबाजी दी गयी।

चहल ने कॉनली की जमकर प्रशंसा की, आईपीएल की खोज साबित होंगे

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल ने अपनी टीम पंजाब किंग्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कूपर कॉनली की जमकर प्रशंसा की है। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले ही मैच में तेजी से अर्धशतक लगाकर सबका ध्यान खींचा है। चहल ने कहा कि युवा बल्लेबाज कॉनली इस सत्र की खोज साबित होंगे। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में नाबाद 72 रन बनाकर पंजाब किंग्स की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

कॉनली तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और अंत तक नाबाद रहे। उन्होंने अपनी अर्धशतकीय पारी में 5 चौके और 5 छक्के लगाये। चहल ने इस युवा की तारीफ करते हुए कहा, 'वह अभी केवल 22 साल का है पर उसमें जीत का जुनून है। इच्छा है। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए अपने पहले ही मैच में जिस प्रकार से मैच विजेता पारी खेली उसकी जितनी सराहना की जाये कम है। उसके खेलने के तरीके से अंदाज होता है कि वह मानसिक रूप से मजबूत है।' गुजरात के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए कॉनली एक छोड़ पर टिके रहे और लगातार रन बनाने रहे। चहल ने कहा, 'वह हालात के अनुसार बल्लेबाज करना जानता है। उसे पता था कि उसे ही अंत तक पारी को ले जाना होगा। इससे उसकी परिपक्वता का अंदाजा होता

है। यह हमारी टीम के लिए एक अच्छा संकेत है।' उन्होंने कहा, 'वह जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहा है मुझे लगता है कि वह इस सत्र की सबसे बड़ी खोज में से एक होगा।' पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे चहल ने इस मैच में अच्छी गेंदबाजी करते हुए 28 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने बीच के ओवरों में गुजरात पर दबाव बनाए रखा और रन नहीं बनाने दिये। चहल ने गेंदबाजी में अपनी रणनीति के बारे में कहा, 'विकेट थोड़ा धीमा था, इसलिए हम अधिक गति से गेंद नहीं फेंकना चाहते थे। हमारी रणनीति यह थी कि अगर बल्लेबाज लंबे शॉट लगाते हैं, तो यह हमारे लिए अच्छा रहेगा।' कॉनली के अलावा पंजाब किंग्स के अन्य प्रमुख बल्लेबाज मुकाबले में विफल रहे। चहल ने कहा कि जो बल्लेबाज पहले मैच में विफल रहे है अगले मैच में लय हासिल कर लेंगे। आमतौर पर ऐसा होता रहता है। इस लिए इसमें चिंता की कोई बात नहीं है।

जंपा ने आईपीएल नहीं खेलने का कारण बतायो

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा ने आईपीएल 2026 में शामिल नहीं होने के कारणों का खुलासा किया है। जंपा ने कहा है कि उनके जैसे कौशल वाले गेंदबाज को अधिक अवसर और पैसे मिलने की संभावना नहीं थी। इसलिए वह नीलामी से ही दूर रहे। जंपा ने आईपीएल के पिछले सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला था। वहीं सत्र के बाद टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया था। जाम्पा अभी पाक सुपर लीग में कराची किंग्स की ओर से खेल रहे हैं। जाम्पा ने कहा, मेरे जैसे कैशल वाले खिलाड़ी को आईपीएल में अधिक पैसे नहीं मिलते हैं। उन्होंने साथ ही कहा, आईपीएल में में बहुत समय देना पड़ता है, ऐसे में ये लग मुझे अपनी लिए सही नहीं लगी। जंपा ने आईपीएल में साल 20216 में पदार्पण किया था। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु , राजस्थान रॉयल्स और राइजिंग पुणे सुपरजायंटस जैसी टीमों के लिए खेला है। उन्होंने आईपीएल में कुल 22 मैच में 31 विकेट लिए और उनका इकॉनमी रेट 8.37 रहा।

वैभव को अभी शामिल करने की जल्दी न करें : अश्विन

चेन्नई । उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जिस प्रकार आईपीएल के अपने पहले ही मैच में आक्रामक पारी खेली है। उसके बाद से ही कई दिग्गजों ने उसे राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की मांग की है। वैभव ने पहले ही मैच में 15 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया था। वहीं पिछले सत्र में वैभव ने 35 गेंद में शतक लगाकर अपनी पहचान बनायी थी। उसके बाद से ही वह नये नये रिकार्ड बनाते जा रहे है। इसके बाद भी अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि वैभव अभी बच्चा

है और उसे इतनी जल्ली राष्ट्रीय टीम में लाने की कोई जरुरत नहीं है, इससे उसपर बेवजह दबाव ही पड़ेगा। अश्विन ने कहा कि वैभव को शामिल करने में जल्दबाजी की जरुरत नहीं है हालांकिवैभव को शामिल करने की मांग देश ही नहीं विदेश के दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों की तरफ से भी आई है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के अनुसार वैभव अब अगले चरण के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनके हाथ में होता तो वह सूर्यवंशी को इस साल इंग्लैंड का दौरा करने जाने वाली भारतीय टीम में जरूर रखते। भले ही उन्हें हर मैच नहीं खिलाते लेकिन टूर पर जरूर ले जाते। कुछ मैच खिलाते। इसी तरह महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले और पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू भी इस पक्ष में हैं कि अगर वैभव सूर्यवंशी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखते हैं तो उन्हें भारतीय टीम में लिया जाना चाहिये। वहीं अश्विन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने से वैभव पर दबाव बनेगा, जिसकी अभी जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, 'उसे इस तरह का बोझ मत दीजिए। वह अभी बड़ा नहीं हुआ है। वह अभी बच्चा है। अगर एमएस धोनी 45 की उम्र तक खेल रहे हैं तो सूर्यवंशी अगर 40 तक भी खेले तो उसके पास अभी ढाई दशक का क्रिकेट बचा हुआ है। उसे अकेला छोड़ दीजिए, वह सही समय पर अपने-आप आ जाएगा।' अश्विन ने कहा कि वैभव काफी अच्छा है और वह भारत की ओर से खेलने पर अभी उसमें समय है। इसलिए सभी को इंतजार करना चाहिये।

पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ के प्रमुख और कोच पर लगा आजीवन प्रतिबंध

लुसाने (एजेंसी)। खेल पंचाट के डोपिंग रोधी विभाग (कैस एडीडी) ने पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ के निलंबित प्रमुख हाफिज इमरान बट और कोच इरफान बट पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया है। इन पर 2014 से 2016 के बीच देश के खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थ देने में संलिप्त होने का आरोप है जिसमें नाबालिग भी शामिल हैं।

पाकिस्तानी भारोत्तोलक अबुबाकर गनी पर भी चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने डोप परीक्षण में विफल होने के बाद सफाई देने के लिए नकली चिकित्सा पर्चे जमा किए थे। ताशकंद में 2021 की विश्व चैंपियनशिप के दौरान गनी का परीक्षण प्रतिबंधित हार्मोन और मेटाबॉलिक मॉड्यूलेटर 'टैमोक्सीफेन मेटाबोलाइट' के लिए पॉजिटिव आया था।

हाफिज और इरफान को दोषी ठहराते हुए अपने फैसले कैस् ष्ठष्ठ ने कहा, 'ये दोनों लोग पाकिस्तानी खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थ (स्टेरॉयड सहित) देने में सीधे तौर पर

संलिप्त थे जिनमें नाबालिग भी शामिल हैं और उन्होंने पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर हुई डोपिंग में मुख्य भूमिका निभाई थी। उनके आचरण की प्रकृति और गंभीरता को देखते हुए दोनों पर सबसे लंबी अवधि का प्रतिबंध लगाया गया है जो कि आजीवन प्रतिबंध है। इस प्रतिबंध के लागू होने के बाद हाफिज इमरान बट और और इरफान बट दोनों को विश्व डोपिंग रोधी संहिता के किसी भी हस्ताक्षरकर्ता द्वारा अधिकृत या आयोजित किसी भी गतिविधि में किसी भी हैसियत से भाग लेने से रोक दिया जाएगा।'

हाफिज और इरफान दोनों को पिछले साल नवंबर में पाकिस्तान खेल बोर्ड ने डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन के कारण निलंबित कर दिया था। वर्ष 2021 में उल्लंघन के लिए पूर्व में दो साल का प्रतिबंध झेलने वाले गनी के मामले में यह बात सामने आई कि उन्होंने दस्तावेजों में हेराफेरी की थी जिसके परिणामस्वरूप उन पर डोपिंग नियंत्रण प्रक्रिया में छेड़छाड़ का अतिरिक्त आरोप लगा।

गनी पर लगा चार साल का प्रतिबंध छह मार्च 2026 से पांच मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगा। कैस एडीडी ने यह भी फैसला दिया है कि पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ पर अतिरिक्त कार्रवाई की जाएगी क्योंकि तीन से अधिक खिलाड़ी और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के सदस्य डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन में शामिल पाए गए हैं। पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ पर अभी उसके अधिकारियों, कोच और खिलाड़ियों द्वारा किए गए पिछले उल्लंघनों के कारण एक साल का निलंबन चल रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर राशी वांडर डुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी बल्लेबाज राशी वांडर डुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। डुसैन ने सोशल मीडिया के जरिए अपने संन्यास की घोषणा की है पर कहा कि वह घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे। 35 वर्षीय इस क्रिकेटर ने कहा कि अपने करियर को लेकर वह संतुष्ट हैं। इसके साथ ही उन्होंने प्रशंसकों सहित क्रिकेट बोर्ड और प्रबंधन के सहयोग के प्रति आभार जताया है। साथ ही कहा कि दक्षिण अफ्रीकी जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। अपने बयान में डुसैन ने कहा, मैं गर्व और कृतज्ञता के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। अपने देश के लिए खेलना मेरे लिए जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। इस सफर में हालांकि मुझे काफी त्याग करना पड़ा पर इसका हर पल बेहद अहम रहा है। उन्होंने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के साथ ही कोचिंग स्टाफ और प्रशंसकों के प्रति आभार जताया। इस क्रिकेटर का एकदिवीसय करियर शानदार रहा है। उसने 71 मैचों में 2657 रन बनाए, उसका औसत 50 से अधिक रहा है। वह दक्षिण अफ्रीका के लिए सीमित ओवरों में ए बी डीविलियर्स के बाद सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं। इस बल्लेबाज ने अपने करियर में 6 शतक और 17 अर्धशतक भी लगाए हैं। डुसैन ने 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 मैच से अपने करियर की शुरुआत की और अपने अच्छे प्रदर्शन से टीम में जगह बनायी। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 18 मैच खेले हैं। इस क्रिकेटर ने हर समय साथ निभाने के लिए परिवार और पत्नी लारा को याद किया। साथ ही कहा कि वह संन्यास के बाद भी खेल से जुड़े रहते हुए युवा खिलाड़ियों को मेंटर के तौर पर अपनी सेवाएं देंगे।

पीसीबी ने नसीम का करियर बचा लिया : कामरान अकमला

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने कहा है कि विवादों में फंसे तेज गेंदबाज नसीम शाह पाक बोर्ड (पीसीबी) के कारण ही बचे हुए हैं। अगर पीसीबी उनकी सहायता नहीं करती तो उनका करियर खतरे में पड़ जाता। नसीम हाल ही में अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट के कारण परेशानी में पड़ गये थे। इसके कारण उन पर भारी भरकम जुर्माना भी लगाया गया था। इस पोस्ट में नसीम ने लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज को मिले विशेष सम्मान पर सवाल उठाये थे हालांकि बाद में उन्होंने पोस्ट हटाकर माफी मांग ली थी पर पीसीबी ने इससे केन्द्रीय अनुबंध शर्तों का उल्लंघन माना था। इसी को लेकर अकमल ने कहा, बोर्ड ने उसका करियर बचा लिया, अगर उस पर प्रतिबंध लगा दिया जाता तो उसका करियर ही समाप्त हो जाता अकमल ने कहा कि जुर्माना बड़ा जरूर है पर वह प्रतिबंध से बच गये। इस पूर्व क्रिकेटर ने नसीम की गेंदबाजी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, वह पहले 145-150 की स्पीड से गेंदबाजी करते थे, अब 135-137 पर आ गए हैं। उनकी तेजी कहां गई? हाल ही में पीएसएल के एक मैच में नसीम ने 51 रन दिए और एक भी विकेट नहीं लिया, जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस पर भी सवाल उठ रहे हैं। अकमल ने नसीम शाह को साफ सलाह दी कि उन्हें राजनीति से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा, इन चीजों को छोड़ो, क्रिकेट पर ध्यान दो। जब आप किसी सिस्टम का हिस्सा होते हैं तो तटस्थ रहना पड़ता है।

फीफा विश्वकप के लिए तय हुई सभी 48 टीम

मेक्सिको । इसी साल जून में अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रुप से होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल के लिए सभी 48 टीमें तय हो गयी हैं। मेक्सिको के मॉन्टेरी में खेले गए इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ के साथ ही टीमों की घोषणा हो गयी है। करीब ढाई साल तक चली क्वालीफाइंग प्रक्रिया के बाद जहां इराक और बोस्निया ने विश्वकप के लिए जगह बनायी। वहीं चार बार की विजेता रही इटली प्रवेश हासिल नहीं कर पायी। केप वर्डे, कुराकाओ, जॉर्डन और उज्बेकिस्तान की टीम पहली बार विश्व कप में खेलेगी। इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ में बोलीविया को 2-1 से हराकर इराक की टीम प्रवेश हासिल करने वाली 48 वहीं टीम बनी। वहीं पूर्व चैम्पियन इटली को बोस्निया और हर्जेगोविना ने पेनल्टी शूटआउट में हराकर बाहर कर दिया।

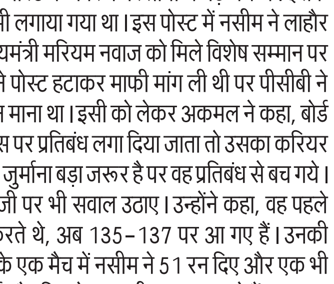

यूरोपीय प्लेऑफ के जरिए स्वीडन ने पोलैंड को 3-2 से जबकि तुर्की ने कोसोवो को 1-0 से पराजित किया। चेक गणराज्य ने डेनमार्क को पेनल्टी शूटआउट में हराया। विश्वकप के लिए शामिल 48 टीमों को 4-4 के 12 ग्रुपों में बांटा गया है। हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमों के साथ ही तीसरे स्थान पर रहने वाली आठ सर्वश्रेष्ठ टीमें राउंड ऑफ 32 में पहुंचेंगी। अभी तक ग्रुप राउंड के बाद सीधे राउंड ऑफ 16 होता था। अब विजेता बनने वाली टीम को पिछले विश्व कप के मुकाबले एक ज्यादा 8 मैच खेलना होगा। कुल 104 मैच इस विश्व कप में खेले जाएंगे।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत का जलवा, आदित्य की 5-0 से धमाकेदार जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगोलिया के उलानबटार में चल रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत के स्टार बॉक्सर आदित्य ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में सऊदी अरब के मौसा अलहवसाव को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली है। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन आदित्य ने पूरे मुकाबले में अपनी तकनीक और नियंत्रण का बेहतरीन प्रदर्शन किया और एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही अब उनका अगला मुकाबला उजबेकिस्तान के अब्दुल्लोह मादामिनोव से होगा, जिसे काफी कड़ा मुकाबला माना जा रहा है।

आदित्य ने इस मुकाबले में शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और अपने प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने अपने पंचों की सटीकता और रिंग में मूवमेंट के दम पर मुकाबले को पूरी तरह नियंत्रित रखा। इससे पहले भी वह जनवरी में आयोजित 9वीं एलीट मेंस नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं और उसी लय को यहां भी बरकरार रखा है।

इस चैंपियनशिप में भारत ने पहले दिन से ही शानदार शुरुआत की थी। महिला 54 किलोग्राम वर्ग में प्रीति पवार ने कजाकिस्तान की एलिना बाजारोवा को 5-0 से हराया। वहीं पुरुष 70 किलोग्राम वर्ग में दीपक ने उजबेकिस्तान के खवासबेक असदुल्लाएव को कडे मुकाबले में 3-2 से मात दी और अपनी क्षमता का परिचय दिया।

दूसरे दिन भी भारतीय मुक्केबाजों का दबदबा जारी रहा। महिला 60 किलोग्राम वर्ग में प्रिया ने कजाकिस्तान की रिम्मा वोलोसेंको को 5-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। वहीं पुरुष 55 किलोग्राम वर्ग में जादुमणि सिंह ने जापान के रुई यामागुची के खिलाफ कड़ा मुकाबला खेला, लेकिन वह 2-3 के करीबी फैसले में हार गए।

तीसरे दिन भी भारत का प्रदर्शन शानदार रहा, जहां विश्वनाथ सुरेश और सचिन ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बनाई। विश्वनाथ ने पुरुष 50 किलोग्राम वर्ग में किर्गिस्तान के बेकजात एरगेशोव को 5-0 से हराया, जबकि सचिन ने 60 किलोग्राम वर्ग में मंगोलिया के बायंदालाई बायारखू को 4-1 से हराकर अपनी जगह पक्की की।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में एशिया भर के शीर्ष मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं और हर मुकाबला पदक की दौड़ के लिहाज से बेहद अहम है। भारतीय खिलाड़ियों का अब तक का प्रदर्शन काफी प्रभावशाली रहा है और आगे भी उनसे पदक की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया पर बढ़ते दबाव पर की बात

सिद्धांत चतुर्वेदी ने अपने छोटे से करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। यही कारण है कि उनकी गिनती इंडस्ट्री के उभरते हुए सितारों में होती है। असल जिंदगी में काफी ग्राउंडेड नजर आने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने अब सोशल मीडिया पर फैशन के बढ़ते दबाव के बारे में खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने अपने लक्ष्य को लेकर भी बताया।

मेरी फिल्मों में ही होती है फैशन

बातचीत में सिद्धांत चतुर्वेदी स्पष्ट तौर पर कहा कि मेरी पहली पहचान एक अभिनेता के रूप में है, न कि फैशन आइकन के रूप में। एक्टर ने कहा कि मैं एक अभिनेता बनने आया हूं, मुझे वह अवसर मिला और आज मैं एक अभिनेता हूं। यही मेरे लिए सबसे बड़ी बात है। फैशन की बात करें तो, यह सब मेरी फिल्मों में ही है, मतलब वे हमें अच्छे कपड़े पहनाते हैं। मेरा मानना है कि सबका अपना-अपना फैशन होता है। मुझे साधारण रहना ज्यादा पसंद है। फैशन को किसी पर थोपना नहीं चाहिए।

बेफिक्र इंसान होता है सबसे ज्यादा फैशनेबल

फैशन को लेकर अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए सिद्धांत ने कहा कि मुझे लगता है कि सबसे फैशनेबल व्यक्ति वह है, जो ज्यादा नहीं सोचता, थोड़ा बेफिक्र और बिंदास होता है। आखिरकार किसी के व्यक्तित्व को देखकर उसका स्वैग अपने आप झलक जाता है। अगर आप ज्यादा सोचते हैं, तो आप दूसरों जैसा बनने की कोशिश कर रहे होते हैं, मुझे ऐसा लगता है।

इस बायोपिक में नजर आएंगे सिद्धांत

सिद्धांत चतुर्वेदी के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ मृणाल ठाकुर प्रमुख भूमिका में थीं। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया ही हासिल हुई थी। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई थी। उनकी आगामी फिल्मों में 'वी. शांताराम' शामिल है। यह दिग्गज फिल्ममेकर वी. शांताराम की बायोपिक है। इसमें उनके साथ तमन्ना भाटिया प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

आरती छाबड़िया ने बॉलीवुड की राजनीति पर किए खुलासे

अभिनेत्री आरती छाबड़िया काफी समय से लाइमलाइट से दूर हैं। उनकी आखिरी प्रमुख भूमिका 2010 में आई फिल्म 'मिलेंगे मिलेंगे' में थी। अब वह बॉलीवुड में वापसी करने की तैयारी में हैं। हालांकि, आरती का ऐसा कहना है कि वो अपने करियर में कई बार बॉलीवुड में होने वाली राजनीति का शिकार हुई हैं। जिसके चलते कभी उनका रोल कट गया, तो कभी उनका पूरा गाना ही फिल्म से हटा दिया गया।

इंडस्ट्री में होती है काफी पॉलिटिक्स

अल्फाटॉक के साथ एक हालिया पॉडकास्ट में आरती छाबड़िया ने इंडस्ट्री की पॉलिटिक्स के कारण अपने पेशेवर जीवन में आई बाधाओं के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि 'पार्टनर', 'शूटआउट एट लोखंडवाला', 'मिलेंगे मिलेंगे' और अन्य फिल्मों में उनके कई सीन काट दिए गए थे। इंडस्ट्री की पॉलिटिक्स को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि कई बार मेरे रोल काट दिए गए या कम कर दिए गए। टाइटल रोल निभाने के बावजूद, ऐसा लगता था जैसे मैं फिल्म में दिख ही नहीं रही। कई फिल्में ऐसी थीं, जिनमें मेरे सीन काट दिए गए और गाने शूट होने के बाद हटा दिए गए।

'मिलेंगे मिलेंगे' में शाहिद कपूर के साथ मेरा पूरा गाना था, लेकिन उसे काट दिया गया। बोनी उस फिल्म के प्रोड्यूसर थे और सतीश कौशिक ने डायरेक्ट किया था। आपको पता नहीं होता कि ये फैसले क्यों लिए जाते हैं। हम कलाकार हमेशा प्रोड्यूसर के फैसले का सम्मान करते हैं और हमें कोई पछतावा नहीं है।

कई फिल्मों में काटे गए मेरे रोल्स

अभिनेत्री ने आगे कहा कि सिर्फ एक ही फिल्म में नहीं, बल्कि कई फिल्मों में मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। ऐसी कई फिल्में थीं, जिनमें अलग-अलग कारणों से मेरे रोल काट दिए गए थे। जैसे कि सलमान खान और गोविंदा की 'पार्टनर' में मेरी भूमिका वैसी नहीं थी जैसी तय की गई थी। यह एक कैमियो रोल था, लेकिन फाइनल कट में शामिल किए गए रोल से बड़ा था। अच्छी बात यह है कि फिल्म हिट रही। मुझे कोई अफसोस नहीं है। 'शूटआउट एट लोखंडवाला' और 'आवारा पागल दीवाना' में भी ऐसा ही हुआ। मायने सिर्फ इतना रखता है कि फिल्म ने आखिर में अच्छा प्रदर्शन किया।

मनोज बाजपेयी ने पर्सनैलिटी राइट्स जैसे मुद्दों पर अपनी राय दी

दिल्ली में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2026 का आयोजन हुआ है। इसमें बॉलीवुड के कई सेलेब्स शामिल होने पहुंचे। इस बीच मनोज बाजपेयी भी कार्यक्रम का हिस्सा बने, जहां उन्होंने पर्सनैलिटी राइट्स जैसे मुद्दों पर अपनी राय दी। मीडिया से बातचीत के दौरान मनोज बाजपेयी ने साफ कहा कि अगर कोई उनके काम या उनसे जुड़ी किसी भी चीज का इस्तेमाल करता है, तो उसके लिए उन्हें पैसे मिलने चाहिए। उनका कहना था कि एक कलाकार अपनी पहचान और भरोसा वर्षों की मेहनत से बनाता है, इसलिए उसका इस्तेमाल बिना अनुमति या बिना भुगतान के नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर हमारी चीज कोई यूज करेगा, तो उसके पैसे हमें मिलने चाहिए। मैं 32 साल से काम कर रहा हूं, और इस दौरान जो पहचान बनाई है, उसका अगर कोई इस्तेमाल करता है, तो उसे उसके अधिकार के हिसाब से भुगतान करना पड़ेगा।' इस दौरान मनोज बाजपेयी ने ये भी बताया कि वो फेस्टिवल में एक खास 'इन-कन्वर्सेशन' सेशन का हिस्सा बनने वाले हैं, जहां वो अपने लंबे फिल्मी सफर के बारे में बात करेंगे।

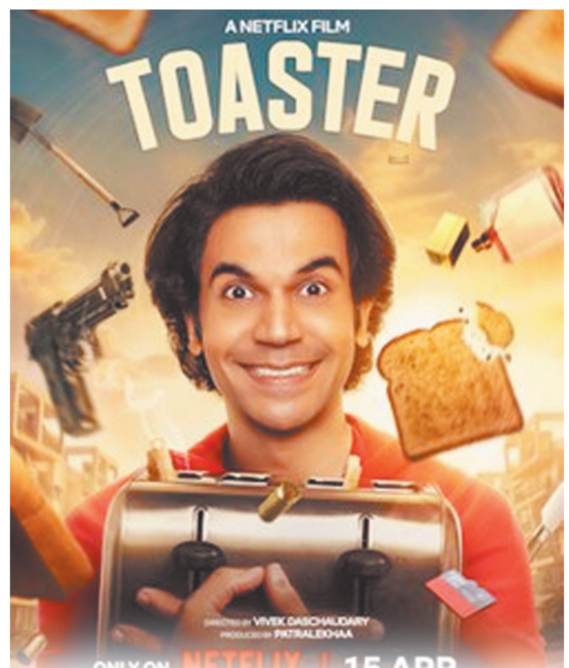

रिलीज होने को तैयार है राजकुमार राव-सान्या की फिल्म 'टोस्टर'

अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों का दिल जीतने वाले राजकुमार राव अब एक नई फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है 'टोस्टर' और इसकी रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया गया है। राजकुमार राव की यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जाएगी और इसके अनाउंसमेंट के लिए राजकुमार राव ने एक दिलचस्प तरीका अपनाया। मालूम हो कि 'टोस्टर' को राजकुमार की पत्नी और एक्ट्रेस पत्रलेखा ने प्रोड्यूस किया है। 'टोस्टर' का ऐलान साल 2025 में किया गया था, और अब यह फाइनली रिलीज होने को तैयार है। 'टोस्टर' 15 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसमें राजकुमार राव के अलावा सान्या मल्होत्रा, फराह खान, अर्चना पूरन सिंह, अभिषेक बनर्जी और सीमा पहवा जैसे एक्टर्स हैं। यह एक कॉमेडी फिल्म है, जिसे विवेक दास चौधरी ने डायरेक्ट किया है।

'धुरंधर' और 'रामायण' के बाद क्या एसएस राजामौली की 'वाराणसी' दो भागों में होगी रिलीज?

'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद अब फैंस फिल्म 'रामायण' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के अलावा एक और फिल्म है, जिसकी रिलीज पर फैंस की निगाहें टिकी हुई हैं। वह फिल्म राजामौली की 'वाराणसी' है। जानिए क्या 'धुरंधर' और 'रामायण' की तरह ही 'वाराणसी' भी दो भागों में बनेगी?

क्या दो भागों में रिलीज होगी 'वाराणसी'?

पहले राजामौली ने 'वाराणसी' को दो भागों में बनाने की खबरों को साफ तौर पर खारिज कर दिया था। लेकिन अब बॉलीवुड हंगामा की एक खबर के अनुसार, फिल्म 'वाराणसी' दो भागों में रिलीज हो सकती है। दरअसल, फिल्म की कहानी इतनी लंबी है कि तीन घंटे से ज्यादा समय में भी पूरी नहीं हो पाएगी। इसलिए इसे दो भागों में बनाने का विचार किया जा रहा है। 'धुरंधर' की तरह 'वाराणसी' भी दो भागों में रिलीज होगी। फिल्म 'वाराणसी' में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म समय यात्रा पर आधारित है। इसका बजट 1300 करोड़ रुपये से भी ज्यादा बताया जा रहा है। यह भारत की सबसे महंगी फिल्मों में से एक होगी। यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलज होगी।

'धुरंधर'- 'रामायण' और अब 'वाराणसी'

'धुरंधर 2' अब तक बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा चुकी है। वहीं राजामौली की आगामी 'रामायण' फिल्म का पहला भाग दिवाली 2026 में और दूसरा भाग दिवाली 2027 में रिलीज होने वाला है। वहीं अब 'वाराणसी' आखिरकार दो भागों में रिलीज होगी या नहीं, इसकी कोई आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं की गई है।

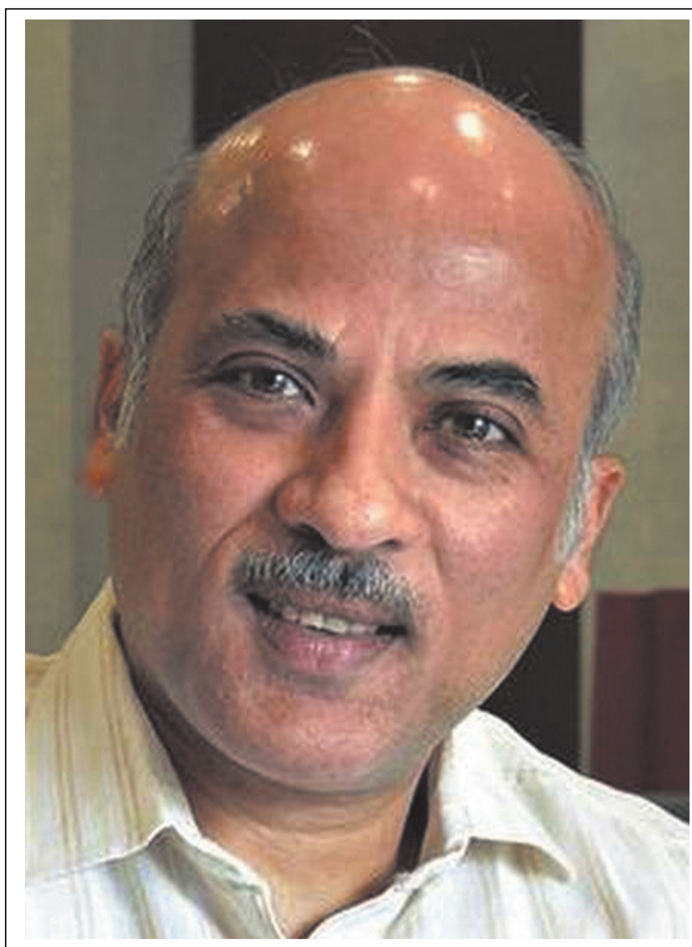

एक्शन फिल्मों के इस दौर में फैमिली फिल्मों को जिंदा रखना चुनौती है

अपने सिनेमा के जरिए संस्कार और परिवार का महत्व बताने वाले फिल्मकार सूरज बड़जात्या हाल ही में अपने नए शो संगमरमर के सिलसिले में हमसे रूबरू हुए। यहां उन्होंने पारिवारिक कहानियां बनाने की अपनी लिगेसी, पुष्पा-धुरंधर जैसी ऐक्शन फिल्मों के इस दौर में फैमिली फिल्मों को जिंदा रखने की चुनौती और अपने चहेते दोस्त सलमान खान को लेकर भी बात की।

आप आज भी परिवार और संस्कार की बातें करने वाले शोज/फिल्में बना रहे हैं। मगर आपको ये भी कहा जाता होगा कि अब तो पुष्पा और धुरंधर जैसी ऐक्शन फिल्मों का दौर है, इन कहानियों से लोग कैसे रिलेट करेंगे?

मैं इस बात को सच नहीं मानता क्योंकि एक पुष्पा चल गई पर पुष्पा जैसी कई ऐक्शन फिल्में नहीं भी चली हैं। वो किसी को याद नहीं रहता। मेरा मानना है कि अगर अच्छी चीज को अच्छी तरह से पेश किया जाए तो हर जॉनर चलेगा। आज जो फायर स्टिक है, वो हर किसी के पास है। बेटे के पास भी है, मां के पास भी है, दादी के पास भी है। वो कहां देखेंगी अपनी पसंद की चीजें तो हर चीज के लिए ऑडियंस है।

आपके शो संगमरमर की कहानी आपकी ही फिल्म एक विवाह ऐसा भी से मिलती-जुलती है, जहां हीरो शादी के बगैर भी हीरोइन की पारिवारिक जिम्मेदारियों में साथ देता है। दोबारा ये कहानी कहना क्यों जरूरी लगा?

ये एक विवाह ऐसा भी से अलग है। ये आज के दौर में है। इनका सफर अलग है। बाकी कहानियां तो वही सात-आठ होती हैं। वही रिश्ते होते हैं, बस कहने का अंदाज अलग होता है और वक्त के हिसाब से माहौल बदल जाता है। इसमें आज का युग है। आज की परिस्थिति है। जैसे, एक उदाहरण देता हूं कि इसमें जो लड़की है, उसे 48 करोड़ कर्ज चुकाने हैं, जबकि उसे बिजनेस का कुछ पता नहीं है। काम पर कोई उसको सीरियसली लेता नहीं क्योंकि सबको भैया बोलती है। फिर अपने नेचर के विपरीत उसे चिल्लाना पड़ता है वो आज के वर्कप्लेस की मांग है। आपको बताऊं कि जब मैं असिस्टेंट था तो सेट पर हीरोइन, उसकी मम्मी और हेयरड्रेसर सिर्फ तीन औरतें होती थीं। बाकी चूड़ियों से लेकर कंटिन्यूटी तक सब हम खुद करते थे। आज सेट पर इतनी सारी लेडीज होती हैं, लेकिन आज भी मेरी लेडी कोरियोग्राफर या एडिटर बताती हैं कि पुरुषों को ऑर्डर देना कितना मुश्किल है। उन्हें उनके ईगो को मैनेज करना पड़ता है, तब काम होता है तो ये कहानी तो पुरानी होगी नहीं। अलग-अलग तरह से हम हर बार इसका सामना करते हैं।

आपने मैंने प्यार किया से लेकर हम आपके हैं कौन जैसी इतनी सारी कामयाब फिल्में बनाई हैं। आज के दौर में थिएटर में फिल्में जिस तरह संघर्ष कर रही हैं, मेकर्स कहां गलती कर रहे हैं?

हमारी गलती यह है कि आज मार्केटिंग पर जोर ज्यादा बढ़ गया है। सबकी नजर बस ओपनिंग डे, वीकेंड कलेक्शन पर रहती है। जबकि, फैमिली ऑडियंस संडे के बाद थिएटर में आना शुरू होती है। उनकी सोच ये होती है कि पहले सुन लो कि फिल्म कैसी है। मैं तब जाऊं जब पार्किंग की टेंशन न हो, ट्रैफिक कम हो। जबकि, हम लोग वीकेंड के बाद इंतजार ही नहीं करना चाहते। वीकेंड तक ही सब कमा लेना चाहते हैं और जब ऐसी सोच हो तो मेकर्स सुरक्षित रास्ता ही अपनाते हैं, लेकिन ये एक दौर है।

आप फैमिली वाली फिल्में बनाते हैं और आपकी फिल्मों के प्रेम यानी सलमान खान निजी जिंदगी में खुद बड़े फैमिली मैन हैं। आपको लगता है कि आप दोनों की रिश्तों की मजबूती में यह भी एक पहलू रहा?

सभी चीजें रहीं। जब आप किसी के साथ अपना करियर शुरू करते हैं तो वह रिश्ता ही अलग होता है। हमारी दोस्ती 20-21 की उम्र में शुरू हुई और तब से चल रही है। हममें बहुत सी बातें कॉमन हैं। हम दोनों परिवार के सबसे बड़े बेटे हैं। वह भी समान जिम्मेदारी महसूस करते हैं। हम एक ही वैल्यू सिस्टम में यकीन करते हैं। एक पीढ़ी से हैं तो यह एक साथ स्कूल जाने जैसा है। यह रिश्ता शब्दों से परे है।

इन स्थानों को देखे बिना अधूरी ही रहेगी आपकी पुष्कर ट्रिप

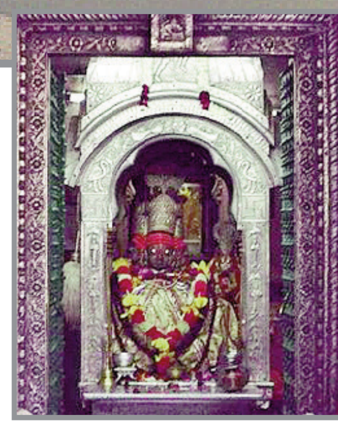

रेत, पहाड़, जंगल और झील का अनोखा संगम है राजस्थान के शहर पुष्कर में। वैसे तो पुष्कर 3 वजहों से- ऊंट का मेला, पवित्र और आध्यात्मिक पुष्कर झील में डुबकी और ब्रह्मा जी के मंदिर की वजह से दुनियाभर में मशहूर है। लेकिन कई और जगहें भी हैं जहां गए बिना आपकी पुष्कर की ट्रिप अधूरी है। रेत और झील से दिखता है बेहतरीन सूर्योदय और सूर्यास्त का दृश्य हो, यहां का लजीज खाना हो या फिर चांदी के गहनों के लिए प्रसिद्ध यहां का बाजार..हर एक चीज आपको अपनी ओर आकर्षित करेगी।

ऊंट की सफारी : पुष्कर और आसपास के इलाकों में मौजूद रेगिस्तान और रेत में घूमने का सबसे बेस्ट तरीका है ऊंट की सवारी। ऊंट की सफारी का मजा लेना अपने आप में एक अमेजिंग एक्सपीरियंस है जिसे हर किसी को एक बार जरूर ट्राई करना चाहिए।

हॉट एयर बलून राइड : अगर आप पुष्कर मेले के समय पुष्कर जाएं तो हॉट एयर बलून की सवारी करना न भूलें। इस बलून के जरिए आपको मेले में मौजूद भीड़ से बचकर मेले का बेहतरीन नजारा देखना का अनुभव मिलेगा।

झील के किनारे बिताएं शाम : पुष्कर की शामें यहां की मशहूर झील के किनारे बैठकर गर्मा गर्म कॉफी पीते हुए बिताना बेहतरीन अनुभव है। आप अपने सामने सूरज को ढलते और शाम को बढ़ते हुए देख सकते हैं। जब मंदिर के पीछे सूरज ढलने लगता है और झील के पानी का रंग बदलता है तो उस नजारे को आंखों में कैद कर लेने का दिल करता है।

अजयपाल जी मंदिर के दर्शन : पुष्कर से 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है अजयपाल जी का मंदिर। अजमेर शहर के संस्थापक राजा अजय पाल ने यह मंदिर 11वीं शताब्दी में बनवाया था। यह मंदिर चारों तरफ से संगमरमर के बड़े-बड़े पत्थरों से घिरा जिस वजह से यह मंदिर देखने में बेहद खूबसूरत है।

रत्नागिरी पहाड़ की चढ़ाई : पुष्कर की ट्रिप पर कुछ अडवेंचरस करने के मूड में हैं तो रत्नागिरी के पहाड़ियों पर पुष्कर झील से दक्षिण-पश्चिम की तरफ चढ़ाई करें। यह चढ़ाई करीब 1.5 किलोमीटर की है जिसे पूरा करने में 2 घंटे का वक्त लगता है। इस पहाड़ी की चोटी पर स्थित है सावित्री देवी मंदिर जो ब्रह्मा जी की पत्नी को समर्पित है।

कलबेलिया डांस का लुत्फ उठाएं : पुष्कर में दिन भर घूमने के बाद शाम में अपनी थकान मिटाने का सबसे बेस्ट तरीका है कलबेलिया डांस परफॉर्मेंस। यह राजस्थान का सबसे फेमस और भावुक डांस फॉर्म है जिसे यहां के कलबेलिया ट्राइब के लोग करते हैं।

नई व्यवस्था

तीन घंटे ही होगा ताजमहल का दीदार,

एक अप्रैल से लागू होंगे नए नियम

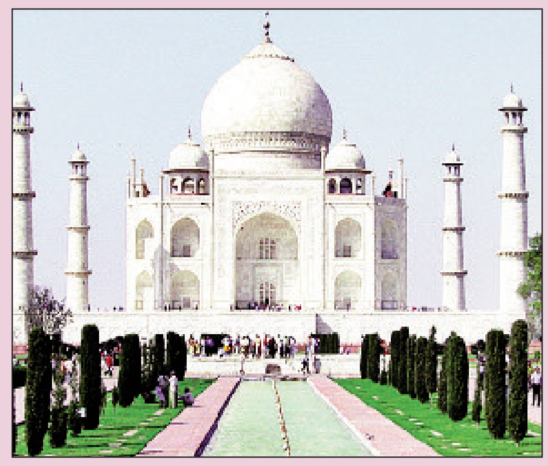

ताजमहल देखने के लिए 30 से 40 हजार पर्यटक आते हैं और अवकाश एवं विशेष अवसरों पर यह संख्या करीब 1 लाख तक पहुंच जाती है। जब भी बात उत्तरप्रदेश पर्यटन की होती है, तो आगरा के ताजमहल के बारे में भी जरूर बात की जाती है। पिछले दिनों भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ताजमहल के संरक्षण के लिए काफी बदलाव किए। इन नए नियमों के तहत आने वाले पर्यटकों की संख्या हर दिन 40,000 सीमित करना शामिल रहा। वहीं अब टिकट लेकर केवल तीन घंटे की अधिकतम सीमा तक ही आप ताजमहल परिसर में ठहर सकते हैं।

आगामी अप्रैल माह से यदि आप ताजमहल देखने जाएंगे तो आपको तीन घंटे के भीतर ही पूरा परिसर देखकर बाहर आना होगा। साथ ही इसके पर्यटक टिकट में भी मामूली बढ़ोत्तरी होने जा रही है। ताजमहल परिसर में प्रवेश के लिए टिकट का मूल्य 40 रुपए से बढ़ाकर 50 रुपए किया जाएगा। विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट की कीमत 1000 रुपये है। वहीं जो भारतीय 40,000 की संख्या पार होने के बाद भी ताजमहल देखना चाहते हैं, वे 1000 रुपये का टिकट खरीदकर ताजमहल देख सकते हैं।

ताजमहल देखने के लिए लेना पड़ेगा 1000 का टिकट! घूमने से पहले जान लीजिए ये नए नियम

अधिकारियों का कहना है कि आम दिनों में ताजमहल देखने के लिए 30 से 40 हजार पर्यटक आते हैं और अवकाश एवं विशेष अवसरों पर यह संख्या करीब एक लाख तक पहुंच जाती है। इतनी बड़ी भीड़ को नियंत्रित करना कोई आसान नहीं होता। ताजमहल में पर्यटकों के प्रवेश से निर्धारित समय से आधे घंटे पहले टिकट खिड़कियां खुलेंगी और बंद होने के निर्धारित समय से आधे घंटे पहले बंद हो जाएंगी। इससे भीड़ को नियंत्रित किया जा सकेगा। वहीं ऊंचे मूल्य वाले टिकट की भी व्यवस्था की जाएगी और ऐसे पर्यटकों को विशेष सुविधा दी जाएगी।

स्पेन में एक ऐसा बियर बार है, जहां पर आप सिर्फ बियर पी ही नहीं सकते बल्कि यहां नहा भी सकते हैं. घूमने-फिरने के शौकीन लोग, हमेशा नई जगहों की तलाश में रहते हैं. उन्हें किसी दिलचस्प जगहों के बारे में जानने का बड़ा ही शौक होता है. दुनिया का सबसे ऊंचा टॉवर हो या आलीशान इमारत, वो हर जगह घूमना चाहते हैं. आइए, हम आपको बताते हैं ऐसी ही दिलचस्प जगह के बारे में.

स्पेन में लें बियर स्पा का मजा दिलचस्प जगहों पर घूमना न भूलें

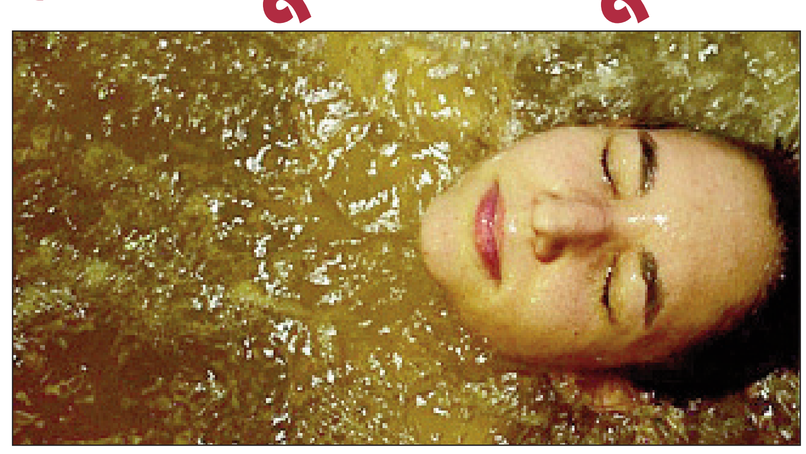

स्पेन में बियर बार स्पा : स्पेन में एक ऐसा बियर बार है, जहां पर आप सिर्फ बियर पी ही नहीं सकते बल्कि यहां नहा भी सकते हैं. स्पेन के ग्रनाडा शहर में खुला है पहला बियर स्पा जहां कस्टमर्स बियर के टब में नहाते हुए बियर पीने का लुत्फ उठा सकते हैं. ऐंटिऑक्सिडेंट्स और विटामिन बी से भरपूर बियर आपकी स्किन और बालों के लिए भी बहुत अच्छी मानी जाती है. यूरोप में वैसे भी बियर स्पा काफी मशहूर और अक्सर लोग स्ट्रेस कम करने और रिलैक्स करने के मकसद से यहां आते हैं. इन बातों के लिए भी खास है स्पेन

ग्रनाडा : इतिहास के पन्नों में मुस्लिम साम्राज्य के दौरान यह स्पेसन का सबसे बेजोड़ शहर हुआ करता था और आज भी है. इस शहर की पाक कला, वास्तु कला और शिल्प कला पर अरबी प्रभाव देखा जा सकता है. यूरोप का सबसे खूबसूरत महल अहम्बरा भी यहीं मौजूद है. यह अपने अनोखे मौसम, बर्फ से ढके पहाड़ों और खूबसूरत बीचों के लिए भी जाना जाता है.

बार्सिलोना : स्पेन के सबसे पसंदीदा शहरों में से एक बार्सिलोना सिटी यहां आने वालों को कई तरह से पसंद आती है जैसे, यहां साल भर नई-नई डिशेज, फैशन और म्यूजिक की धूम रहती है. यह शहर खासतौर से अपनी फुटबॉल टीम के लिए मशहूर है. मशहूर आर्किटेक्ट एंटोनी गाओदी द्वारा बनाई गई इमारतें बहुत ही खूबसूरत हैं.